सुबह सवेरे

A Daily News Magazine
भोपाल
शुक्रवार, 17 जुलाई, 2026

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 23, अंक 315, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

समान मुद्दों के बाद भी सोनम वांगचुक से कांग्रेस ने दूरी क्यों बनाई?

यूसुफ किरमानी

मशहूर पर्यावरणवादी सोनम वांगचुक, कॉकरोच जनता पार्टी और नेता विपक्ष राहुल गांधी नीट पेपर लीक और छात्रों के मुद्दों पर एकजैसा आंदोलन चला रहे हैं। दोनों का मंच अलग-अलग है। वांगचुक कॉकरोच जनता पार्टी के मंच पर आमरण अनशन कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर अचानक इस तरह की पोस्ट और ट्वीट की बाढ़ आ गई, जिसमें यह मांग या सलाह दी जा रही थी कि नेता विपक्ष राहुल गांधी को जंतर मंतर पर जाकर सोनम वांगचुक का आमरण अनशन खत्म कराना चाहिए। दोनों का मुद्दा एकजैसा है।

मंगलवार को ही कॉकरोच जनता पार्टी, प्रवक्ता सौरव दास और संस्थापक अभिजीत दिपके ने बताया कि पार्टी ने 9-10 जुलाई को नेता विपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस पार्टी, बीजेपी समेत तमाम राजनीतिक दलों को पत्र लिखकर अपील की कि वे जंतर मंतर आकर आंदोलन का समर्थन करें। सोनम वांगचुक का अनशन खत्म कराएं। राहुल या कांग्रेस ने इस रिपोर्ट के लिखे जाने तक कोई जवाब नहीं दिया। सीजेपी का कहना है कि सोनम वांगचुक का आंदोलन शिक्षा व्यवस्था, परीक्षा घोटालों और युवाओं के भविष्य से जुड़े सवाल उठा रहा है, इसलिए विपक्ष को खुलकर इसके साथ खड़ा होना चाहिए।

सोशल मीडिया पर राहुल गांधी को लेकर हुए सवालों का जवाब राहुल के नज़दीकी गुजरात प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष जिग्नेश मेवाणी ने दिया। जिग्नेश ने कहा कि कांग्रेस ने कभी भी सोनम वांगचुक या आंदोलनकारी युवाओं की आलोचना नहीं की। सोनम वांगचुक शिक्षा के क्षेत्र में अपने योगदान के लिए सम्मानित व्यक्ति हैं और उनका स्वास्थ्य सभी के लिए चिंता का विषय है। कांग्रेस उनके उद्देश्य, लद्दाख के अधिकारों और शिक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग के साथ खड़ी है। लेकिन यह कहना गलत है कि कांग्रेस इस मुद्दे से दूर रही है। हम साफ करना चाहेंगे कि एनएसयूआई और भारतीय युवक कांग्रेस लंबे समय से पेपर लीक और परीक्षा घोटालों के खिलाफ देशभर में आंदोलन कर रही हैं। हरियाणा के कुरुक्षेत्र में सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने आंदोलन का नेतृत्व किया। मध्य प्रदेश में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी समेत कई नेताओं और कार्यकर्ताओं पर लाठीचार्ज हुआ। राजस्थान सहित कई राज्यों में भी कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पुलिस कार्रवाई का सामना किया।

जिग्नेश मेवाणी ने कहा कि राहुल गांधी ने 'छात्रों की गूंज' अभियान शुरू किया, जिसके तहत देश के 28 प्रमुख छात्र शहरों में युवाओं से संवाद, बैठकें और प्रदर्शन आयोजित किए गए। उनका दावा है कि यह अभियान परीक्षा प्रणाली में सुधार, रोजगार और शिक्षा संबंधी मुद्दों को लेकर चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस 'दिखावे की राजनीति' नहीं बल्कि लगातार लोगों के साथ खड़े रहने में विश्वास करती है। मेवाणी ने कहा कि कांग्रेस सोनम वांगचुक के अनशन, एनएसयूआई और युवा कांग्रेस के आंदोलनों तथा युवाओं के सभी लोकतांत्रिक संघर्षों को एक-दूसरे का पूरक मानती है, न कि प्रतिस्पर्धी।

कांग्रेस का कहना है कि पेपर लीक और नीट सहित शिक्षा संबंधी मुद्दों पर उसका अभियान जारी है। इसी क्रम में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी 17 जुलाई को देहरादून में 'छात्र गूंज' आंदोलन के तहत छात्रों की एक रैली को संबोधित करने वाले हैं। हालांकि, उत्तराखंड कांग्रेस का आरोप है कि प्रशासन ने अब तक इस रैली की अनुमति नहीं दी है।

सोनम वांगचुक ने कॉकरोच जनता पार्टी के मुद्दे का समर्थन किया और उनके मंच पर आमरण अनशन शुरू कर दिया। दूसरी तरफ सीजेपी को लेकर कांग्रेस समेत तमाम लोगों के दिमाग में कई सवाल हैं। उनका जवाब सीजेपी नहीं दे पा रही है।

सबसे बड़ा सवालः सोनम वांगचुक तो लद्दाख के मुद्दे पर भी आमरण अनशन कर चुके हैं। लेकिन सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दिपके उनके साथ आमरण अनशन पर क्यों नहीं बैठे?

अभिजीत दिपके पहले आम आदमी पार्टी से जुड़े रहे हैं। क्या आम आदमी पार्टी 'आरएसएस का सेफ्टी वाल्व' नहीं है। आप और कॉकरोच जैसे आंदोलनों के ज़रिए कांग्रेस की राजनीतिक जमीन को सीमित करने की कोशिश नहीं हो रही है।

लद्दाख आंदोलन के दौरान गिरफ्तार होकर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) का सामना करने वाले सोनम वांगचुक को जंतर-मंतर पर प्रदर्शन की अनुमति कैसे मिल गई। वो अभी-अभी छह महीना कैद में रहकर आए हैं। जब दूसरे आंदोलनों पर 'जीरो टॉलरेंस' का रवैया सरकार अपनाए हुए है, तब सीजेपी को प्रशासन और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपेक्षाकृत अधिक सहूलियत क्यों मिल रही है? सोशल मीडिया बैन हट चुका है।

उमर खालिद, शरजील इमाम, गुलफिशा फातिमा जैसे आरोपियों के मुद्दे पर सीजेपी ने कभी उन पर कुछ नहीं कहा। पेपर लीक के मुद्दे पर कांग्रेस का छात्र संगठन एनएसयूआई भी लंबे समय से आंदोलन कर रहा है, लेकिन उसके साथ पुलिस और मीडिया का व्यवहार अलग क्यों? अन्ना आंदोलन और लोकपाल-लोकायुक्त जैसे मुद्दों का बाद में क्या हुआ?

सोनम वांगचुक के आमरण अनशन के बीच विपक्षी राजनीति में यह बहस तेज हो गई है कि विभिन्न छात्र और जन आंदोलनों के बीच विपक्षी दलों की भूमिका क्या होनी चाहिए? एक ओर सीजेपी कांग्रेस नेतृत्व से खुलकर समर्थन मांग रही है, वहीं कांग्रेस का कहना है कि वह पहले से ही शिक्षा, पेपर लीक, रोजगार और युवाओं के मुद्दों पर देशव्यापी अभियान चला रही है और सोनम वांगचुक के उद्देश्य के साथ भी उसकी सहमति है। लेकिन कांग्रेस क्यों चाहेगी कि कोई उनका इस्तेमाल कर अपनी ज़मीन मज़बूत करे।

सूत्रों का कहना है कि कांग्रेस में नेताओं का एक बड़ा वर्ग ऐसा भी है जिसकी चिंता सोनम वांगचुक हैं, कॉकरोच नहीं हैं। ऐसे में राहुल गांधी और कांग्रेस को पीछे नहीं रहना चाहिए।

सोनम वांगचुक से आमरण अनशन तोड़ने की अपील करते हुए सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपाइयों के लिए किसी के जीवन का कोई भी मोल नहीं है। उनके लिए धन ही प्रधान है।

सीजेपी ने इस मुद्दे पर 20 जुलाई को संसद मार्च घोषित किया है। ज़ाहिर सी बात है कि दिल्ली पुलिस उन्हें रोकेगी। लाठीचार्ज हो सकता है। उसी दिन संसद सत्र है। इस बार संसद में अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी और नीट पेपर लीक का मुद्दा गरम रहेगा। ऐसे में सीजेपी को प्रचार का पूरा मौका मिलेगा।

बहरहाल, सोनम वांगचुक का आमरण अनशन खत्म होना चाहिए। उसके लिए राहुल गांधी या कांग्रेस के किसी भी बड़े नेता का इंतज़ार क्यों। जिस तरह सोनम ने शुरुआत की थी, उसी तरह खत्म भी कर सकते हैं। उनके सामने लद्दाख और पर्यावरण जैसे बड़े मुद्दे हैं। नीट पेपर लीक के खिलाफ आंदोलन के लिए सीजेपी और कांग्रेस काफी हैं।

(सत्य हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

सुप्रभात

आँख भर आई किसी से
जो मुलाक़ात हुई
खुश्क मौसम था मगर
टूट के बरसात हुई
दिन भी डूबा कि नहीं ये
मुझे मालूम नहीं
जिस जगह बुझ गए
आँखों के दिए रात हुई
कोई हसरत कोई अरमाँ
कोई ख्वाहिश ही न थी
ऐसे आलम में मिरी
खुद से मुलाक़ात हुई
हो गया अपने पड़ोसी का
पड़ोसी दुश्मन
आदमिय्यत भी यहाँ
नज़्र-ए-फ़सादात हुई
इसी होनी को तो क़िस्मत का
लिखा कहते हैं
जीतने का जहाँ मौक़ा था
वहीं मात हुई
इस तरह गुज़रा है
बचपन कि खिलौने न मिले
और जवानी में
बुढ़ापे से मुलाक़ात हुई।

- मंज़र भोपाली

भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा शुरू

पुरी में दर्शन के लिए उमड़ी भक्तों की भीड़, बारिश भी नहीं तोड़ पाई भक्तों का हौंसला

अहमदाबाद/ पुरी (एजेंसी)। ओडिशा के पुरी में भगवान श्री जगन्नाथ जी की रथयात्रा आज से विधि विधान के साथ शुरू हो गई। यह हिंदू धर्म के सबसे बड़े, भव्य और प्राचीन धार्मिक उत्सवों में से एक है। भगवान जगन्नाथ की एक झलक पाने के लिए देश-विदेश से लाखों की संख्या में श्रद्धालु पुरी पहुंचे।

'नीलाचल-निवासया नित्याया परमात्मने, बलभद्र-सुभद्राभ्यां जगन्नाथाय ते नमः' (मैं भगवान जगन्नाथ को नमन करता हूँ, जो शाश्वत परमात्मा हैं और नीलाचल (पुरी) में अपने भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ रहते हैं – जगन्नाथ स्तोत्र)। जरूरी यह नहीं है कि भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा के दर्शन के लिए कितने भक्त इकठ्ठा हुए हैं. जरूरी यह है कि त्रिदेव, यानी भाई-बहन, भक्तों से मिलने के लिए अपने पवित्र घर से बाहर निकलने के लिए कितने उत्सुक हैं।

हर गुजरते पल के साथ भक्तों की भीड़ बढ़ती जा रही थी कुछ लोग भक्ति में नाचते हुए दिख रहे थे,कुछ बुजुर्गों और बच्चों को लेकर भक्ति में डूबे हुए थे, जबकि कुछ लोग सिंहद्वार (शेर का दरवाजा) पर अपनी नजरें गड़ाए हुए हैं।

पुरी में जगन्नाथ रथयात्रा में भगदड़, 1 की मौत

100 से ज्यादा घायल, तेज बारिश के बीच 10 लाख से ज्यादा लोग मौजूद

ओडिशा के पुरी में जगन्नाथ रथयात्रा के दौरान भगदड़ मच गई। इसमें 1 व्यक्ति की मौत हो गई है। हादसे में 200 से ज्यादा लोगों के घायल होने की खबर है। शाम 5 बजे पहांडी रस्म के दौरान भगवान जगन्नाथ के दर्शन के लिए अचानक लोग रथों के पास जाने लगे ।यात्रा रूट पर मौजूद वॉलेंटियर लोगों को पीछे हटा रहे थे। तभी लोग एक-दूसरे को धक्का देने लगे, इससे भगदड़ मच गई। लोग एक-दूसरे पर गिरने लगे ।पुरी में इस समय तेज बारिश हो रही है। इसके बावजूद 10 लाख से ज्यादा लोग यात्रा रूट पर मौजूद हैं। यात्रा मुख्य मंदिर से 3 किमी दूर बने गुंडीचा मंदिर तक जाएगी।

पीएम मोदी आज भारत की पहली हाइड्रोजन ट्रेन को दिखाएंगे हरी झंडी

● हरियाणा, चंडीगढ़ और पंजाब को देंगे 25 हजार करोड़ की सौगात

नई दिल्ली/चंडीगढ़ (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 17 जुलाई को हरियाणा, चंडीगढ़ और पंजाब के दौरे पर रहेंगे. इस दौरान वो करीब 25 हजार करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। सुबह लगभग 11 बजे प्रधानमंत्री जींद रेलवे स्टेशन पर जींद और सोनीपत के बीच चलने वाली देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन को झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। इसके बाद पीएम चंडीगढ़ जाएंगे, जहां दोपहर करीब 1:45 बजे वो 6,600 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे और उद्घाटन करेंगे। इसके बाद, प्रधानमंत्री जालंधर पहुंचेंगे, जहां वो 5,470 करोड़ रुपये से अधिक की कई विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे और उनका उद्घाटन करेंगे। वहीं पीएम मोदी भारत की पहली हाइड्रोजन ट्रेन को हरी झंडी दिखाएँगे।

ममता को एक और झटका, कोयल मल्लिक ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की राज्यसभा सांसद कोयल मल्लिक ने गुरुवार को राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। बताया जाता है कि उन्होंने अपना इस्तीफा राज्यसभा के सभापति को सौंप दिया है। टीएमसी की राज्यसभा सांसद कोयल मल्लिक ने इस सिलसिले में उपराष्ट्रपति और राज्यसभा चेयरमैन सीपी राधाकृष्णन से मुलाकात की और अपना इस्तीफा सौंप दिया है।

मध्यप्रदेश में कपड़ा उत्पादन और रोजगार के अवसर बढ़े हैं: मुख्यमंत्री

मालवा-निमाड़ अंचल के छह लाख से अधिक कपास उत्पादक किसानों को होगा लाभ

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत प्रत्येक क्षेत्र में प्रगति कर रहा है। मध्यप्रदेश टैक्सटाइल और गारमेंट सेक्टर में उपलब्ध संसाधनों का बेहतर प्रबंधन करते हुए कपड़ा उत्पादन और रोजगार दोनों को बढ़ा रहा है। टैक्सटाइल इंडस्ट्री से राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल रही है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने धार जिले में देश के पहले पीएम मित्र पार्क की आधारशिला रखी है। इससे प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से 3 लाख लोगों को रोजगार मिलेगा और मालवा-निमाड़ अंचल के 6 लाख से अधिक कपास उत्पादक किसानों को बड़ा लाभ मिलेगा। पीएम मित्र पार्क से खेत से लेकर गारमेंट इंडस्ट्री और इंडस्ट्री से वैश्विक बाजार तक प्रदेश के उत्पादों की पहुंच आसान होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उद्योपतियों और निवेशकों को मध्यप्रदेश में अपना उद्योग स्थापित करने का आमंत्रण देते हुए कहा कि एक बार जो मध्यप्रदेश आता है वहीं का होकर रह जाता है। हृदय प्रदेश सभी उद्योगपतियों का स्वागत कर रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरुवार को नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम् में भारत टैक्स-2026 के अंतर्गत आयोजित राउंड टेबल संवाद कार्यक्रम में यह विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर केंद्रीय टैक्टाइल मंत्री श्री गिरिराज किशोर, प्रमुख टैक्टाइल उद्योग प्रतिनिधि, केंद्रीय वस्त्र मंत्रालय के अधिकारी तथा राज्य सरकार के अधिकारी उपस्थित थे।

महेश्वरी और चंदेरी साड़ियां वस्त्र उद्योग में विशेष स्थान- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज भारत मंडपम् में वस्त्र उद्योग का कुंभ आयोजित हो रहा है। मध्यप्रदेश सरकार, सभी वैश्विक ब्रांड्स के प्रतिनिधि, निवेशक, उद्योगपति, पॉलिसी मेकर और फैशन डिजाइनर भारत सरकार के संकल्प के साथ कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़ने के लिए तैयार है। वर्तमान समय ब्रांडिंग और पैकेजिंग का है। प्राचीन समय में लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर ने स्थानीय बुनकरों को रोजगार से जोड़ने के लिए महेश्वरी साड़ियां तैयार करने की शुरुआत करवाई थी।

● बोर्ड परीक्षा के एक साल पहले बच्चों में तनाव बढ़ेगा, सरकार से कहिए ऐसा न करें

सुप्रीम कोर्ट बोला-9वीं में तीसरी भाषा का बोझ न डालें

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन (सीबीएसई) के क्लास 9 लेवल पर तीसरी भाषा को जरूरी बनाने के फैसले पर सवाल उठाया। कोर्ट ने कहा कि इससे बोर्ड एग्जाम की तैयारी कर रहे स्टूडेंट्स पर पढ़ाई का दबाव पड़ता है, जिसे टाला जा सकता है. कोर्ट ने सुझाव दिया कि ऐसी कोई भी भाषा क्लास छठी कक्षा से शुरू की जानी चाहिए। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस आर

महादेवन की पीठ ने कहा, ये बातें इसलिए अहम हैं क्योंकि ये सीबीएसई के क्लास 9 के स्टूडेंट्स के मौजूदा बैच के लिए एक बार की छूट देने के ऐलान के ठीक दो हफ्ते बाद आई हैं, जिसमें उन्हें क्लास 10 की बोर्ड परीक्षा में तीसरी भाषा लेने से छूट दी गई है। ऐसा स्कूलों, पेरेंट्स और स्टूडेंट्स की तरफ से इस पॉलिसी को अचानक लागू करने को लेकर काफी चिंता के बाद किया गया था। जस्टिस नागरत्ना ने ये बातें मद्रास हाई कोर्ट के 2017 के फैसले के खिलाफ तमिलनाडु सरकार की अपील की सुनवाई के दौरान कहीं। जिसमें राज्य को हर जिले में जवाहर नवोदय विद्यालय बनाने में मदद करने का निर्देश दिया गया था. तमिलनाडु ने लगातार इस स्कीम का विरोध किया है, और कहा है कि जेएनवी तीन-भाषा की पॉलिसी को फॉलो करते हैं जो राज्य की लंबे समय से चली आ रही दो-भाषा की पॉलिसी से मेल नहीं खाती।

बीसलपुर बांध का घटता जलस्तर बढ़ा रहा चिंता

जयपुर /टोंक (एजेंसी)। राजस्थान की सबसे बड़ी पेयजल परियोजनाओं में शामिल बीसलपुर बांध में पानी की घटती आवक ने प्रदेश के कई जिलों की चिंता बढ़ा दी है। इस बार मानसून की कमजोर स्थिति के कारण बांध का जलस्तर लगातार नीचे जा रहा है। जुलाई के पहले सप्ताह में हुई बारिश के बाद बीसलपुर बांध के जलग्रहण क्षेत्र में वर्षा का दौर थम गया, जिससे बांध में पानी की आवक लगभग बंद हो गई है।

टोंक-जयपुर समेत कई शहरों पर मंडराया जल संकट का खतरा

बुधवार सुबह बीसलपुर बांध का जलस्तर घटकर 313.68 आरएल मीटर दर्ज किया गया। पिछले पांच दिनों में बांध का जलस्तर करीब 2 सेंटीमीटर तक कम हुआ है। वहीं, बांध से लगातार हो रही पेयजल निकासी और तेज गर्मी के कारण बढ़ रहे वाष्पीकरण ने जलस्तर पर अतिरिक्त दबाव बना दिया है।

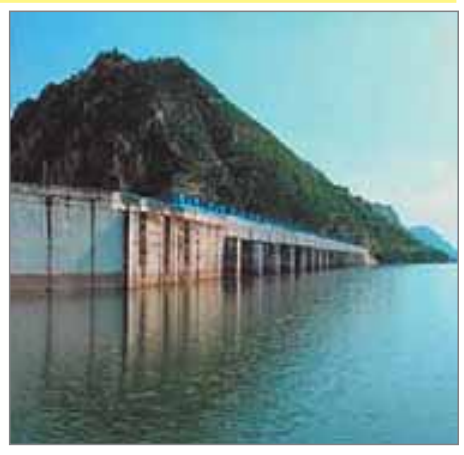

सबसे बड़ी चिंता यह है कि इस साल बीसलपुर बांध का जल भंडारण पिछले वर्ष की तुलना में काफी कम चल रहा है। आंकड़ों के अनुसार, 14 जुलाई 2025 को बांध का जलस्तर 314.07 आरएल मीटर था और जल भंडारण क्षमता में करीब 28.771 टीएमसी पानी मौजूद था। जबकि इस वर्ष 10 जुलाई को जल भंडार केवल 26.286 टीएमसी दर्ज किया गया। यानी पिछले साल की तुलना में इस बार करीब 2.49 टीएमसी पानी की कमी

दर्ज की गई है। मानसून सक्रिय होने के बाद 3 जुलाई को बीसलपुर बांध में करीब 25.320 टीएमसी पानी था। इसके बाद बारिश के चलते 10 जुलाई तक जल भंडार बढ़कर 26.286 टीएमसी पहुंचा। यानी एक सप्ताह के दौरान केवल 0.966 टीएमसी पानी की बढ़ोतरी हुई। इसके बाद जलग्रहण क्षेत्र में बारिश कमजोर पड़ने से बांध में नई आवक लगभग रुक गई और जलस्तर में फिर गिरावट शुरू हो गई। बीसलपुर बांध राजस्थान के कई प्रमुख शहरों की पेयजल जरूरतों को पूरा करता है। यहां से जयपुर, अजमेर, टोंक और ब्यावर सहित कई क्षेत्रों में रोजाना पानी की आपूर्ति की जाती है। ऐसे में बांध में पानी की कमी का असर आने वाले समय में इन शहरों की जल व्यवस्था पर पड़ सकता है। मौसम विभाग के अनुसार, मानसून की सक्रियता और अच्छी बारिश ही बांध के जलस्तर में सुधार ला सकती है। फिलहाल जलग्रहण क्षेत्र में पर्याप्त बारिश नहीं होने से प्रशासन और जल विभाग की चिंता बढ़ गई है।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 20 °c

न्यूनतम 18°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ शुक्रवार, 17 जुलाई 2026

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

बदरीनाथ चढ़ावा चोरी केस

पुलिस के कब्जे में सभी अहम साक्ष्य, सीसीटीवी फुटेज और 18 पन्नों की जांच रिपोर्ट

चमोली (एजेंसी)। उत्तराखंड के बदरीनाथ में चढ़ावे और दान की राशि चोरी करने के मामले की जांच अब निर्णायक चरण में पहुंचती नजर आ रही है। मामले की जांच कर रही पुलिस ने मंदिर समिति द्वारा उपलब्ध कराए गए सभी महत्वपूर्ण साक्ष्यों को अपने कब्जे में सुरक्षित कर लिया है। इनमें 18 पन्नों की आंतरिक जांच रिपोर्ट और विभिन्न तिथियों की सीसीटीवी फुटेज

100 से अधिक वैज्ञानिकों के इस्तीफों से हिला इसरो

● गगनयान मिशन के बीच सरकार हुई सख्त, बदल दिए नियम ● चंद्रयान-3 और गगनयान मिशन से जुड़े 100 से ज्यादा वैज्ञानिकों ने दिया इस्तीफा

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत की प्रतिष्ठित अंतरिक्ष एजेंसी इसरो इस वक्त वैज्ञानिकों और तकनीकी विशेषज्ञों के बड़े पैमाने पर संस्थान छोड़ने (ब्रेन ड्रेन) के संकट से जूझ रही है। सूत्रों के मुताबिक पिछले कुछ महीनों के भीतर इसरो के करीब 100 से 120 वैज्ञानिकों और इंजीनियरों ने अपने पदों से इस्तीफा दे दिया है। इनमें से कई वैज्ञानिक देश के सबसे महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट 'गगनयान' और 'चंद्रयान' जैसे बड़े मिशनों की रीढ़ थे।

वैज्ञानिकों के इस तरह अचानक संस्थान छोड़ने से केंद्र सरकार और अंतरिक्ष विभाग में खलबली मच गई है। स्थिति को संभालने के

लिए सरकार ने 14 जुलाई 2026 को एक बेहद सख्त आधिकारिक आदेश जारी किया है जिसके तहत वैज्ञानिकों के इस्तीफे और स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के नियमों को पहले से कहीं ज्यादा कड़ा कर दिया गया है।

इसरो में वर्तमान में कुल मिलाकर लगभग 14,600 कर्मचारी काम करते हैं। आंतरिक सूत्रों के अनुसार इस्तीफे की सबसे बड़ी लहर इसरो के दो बड़े सेंटर्स में देखी गई है। बेंगलुरु स्थित इस केंद्र से सबसे अधिक झटका लगा है जहां अकेले करीब 80 वैज्ञानिकों और तकनीकी कर्मचारियों ने एक साथ संस्थान को अलविदा कह दिया।

तिरुवनंतपुरम स्थित इस रणनीतिक केंद्र से भी करीब 20 वरिष्ठ वैज्ञानिकों के इस्तीफे सामने आए हैं। अधिकारियों का कहना है कि यह संख्या और बढ़ सकती है क्योंकि कई अन्य वैज्ञानिकों के इस्तीफे अभी प्रक्रिया में हैं।

● **मिशन डायरेक्टर्स ने छोड़ा साथ :** वीएसएससी से जुड़े और भारी-भरकम एलवीएम-3 (एलवीएम-3) रॉकेट कार्यक्रम के प्रोजेक्ट डायरेक्टर विक्टर जोसेफ ने इस्तीफा दे दिया है। इनके अलावा यूआरएससी से 'स्पेडेक्स' मिशन के प्रोजेक्ट डायरेक्टर और देश के गौरव चंद्रयान-3 मिशन के प्रोजेक्ट मैनेजर व युवा वैज्ञानिक आदित्य रावपल्ली ने भी इसरो से नाता तोड़ लिया है। इस्तीफों की इस रफ्तार पर ब्रेक लगाने के लिए अंतरिक्ष विभाग ने साल 2020 के पुराने सर्विस नियमों को तुरंत प्रभाव से बदल दिया है। पुरानी व्यवस्था के तहत इसरो के अलग-अलग केंद्रों के सेंटर डायरेक्टर्स के पास ग्रुप के वैज्ञानिकों के इस्तीफे या वीआरएस को खुद मंजूर करने का अधिकार था। नए नियमों के मुताबिक अब सेंटर डायरेक्टर किसी भी वैज्ञानिक का इस्तीफा सीधे स्वीकार नहीं कर पाएंगे।

संक्षिप्त समाचार

'हितों से कोई समझौता नहीं'

● केरल के सीएम वीडी सतीशन ने अड़ा दी अडानी की होने वाली डील में टांग

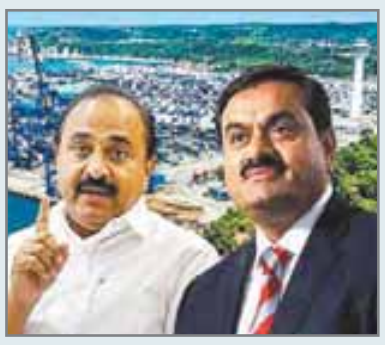

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरल में अडानी विझिनजम पोर्ट प्राइवेट लिमिटेड में 49 फीसदी हिस्सेदारी को टर्मिनल इन्वेस्टमेंट लिमिटेड को बेचने के प्रस्ताव को लेकर विवाद हो गया है। सबसे ज्यादा बहस इंफ्रास्ट्रक्चर, पर्यावरण और जनहित से जुड़ा हुआ है। TiL मेडिटेरेनियन शिपिंग कंपनी की पोर्ट-ऑपरेटिंग शाखा है, जो दुनिया की सबसे बड़ी कंटेनर शिपिंग कंपनी है। अब इस प्रस्तापित डील को लेकर विवाद हो गया है। केरल के मुख्यमंत्री वीडी सतीशन ने केरल के हितों से कोई समझौता नहीं करने की बात कही है।

बरेली-पीलीभीत हाईवे पर भीषण सड़क हादसा में 3 की मौत

बरेली (एजेंसी)। बरेली-पीलीभीत हाईवे पर गुरुवार सुबह निर्माणाधीन वनवे मार्ग पर ऑक्सीजन सिलेंडरों से भरे कैंटर और स्कॉर्पियो की आमने-सामने टक्कर हो गई। जिसमें पंजाब के तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

'नीलांचल वाले तू न संभाले तो कौन संभाले'

नगर के इतिहास में पहली बार मिश्रजी मंदिर से जगन्नाथ यात्रा निकली, यात्रा प्रारंभ होते ही बरसात ने किया स्वागत

सोहागपुर। नगर के इतिहास में पहली बार मिश्रजी मंदिर से सारदा सेवा संघ के तत्वावधान में जगन्नाथ यात्रा निकाली गई।यह भी संयोग रहा कि जगन्नाथ यात्रा निकलते ही पानी बरसने लगा। विगत कई दिनों से गर्मी की तपन ने सोहागपुर के नगरवासियों को हलाकान कर दिया था।इस बरसात से नागरिकों को राहत महसूस हुई। जगन्नाथ यात्रा प्रारंभ होने के पूर्व विख्यात मिश्र जी मंदिर में विशेष पूजा अर्चना की गई। जगन्नाथ रथयात्रा को खींचने में नगर के नागरिक के अलावा मातृशक्ति भी पीछे नहीं रही। इन्द्र कुमार दीवान के साथ ढोलकों की टोली ने रथयात्रा की शोभा बढ़ा दिया। इसी क्रम में अधिकांश नागरिक पीले रंग के वस्त्र धारण किए हुए थे। वहीं भारी संख्या में मातृशक्ति भी पीले एवं लाल रंग के वस्त्र धारण किए हुए थे। वहीं काफी मातृशक्ति पगड़ी पहने हुए थी।रथयात्रा में नागरिक उद्घोष कर रहे थे।जय जगन्नाथ,जय जगन्नाथ नीलांचल वाले तू न संभाले तो कौन संभाले आदि। वहीं स्कूली बच्चे भी इस रथयात्रा में पीछे नहीं रहे। रथयात्रा में कई नागरिक एवं मातृशक्ति सड़क साफ करती भी नजर आई। इसी रथयात्रा में मातृशक्ति नृत्य भी कर रही थी। रथयात्रा बिहारी चौक, कन्या शाला, पुराने थाने,मुख्य बाजार, कमानिया गेट,मातापुरा आदि स्थानों से होकर रामगंज में राम जानकी मंदिर में रथयात्रा पहुंची।यह भी पूजा-अर्चना की गई। रथयात्रा पुनः बिहारी चौक मिश्र जी मंदिर पहुंची। इस नगर की प्रथम जगन्नाथ यात्रा में पंडित प्रकाश मनमोहन मुद्गल, दीवान मंदिर प्रबधक इन्द्र कुमार दीवान,आयोजक पीयूष पालीवाल,पूर्व नपाध्यक्ष राजेन्द्र सिंह चौधरी, प्रदेश भाजपा कार्यकारिणी सदस्य सुश्री राजो मालवीय, समाजसेवी कन्नू लाल अग्रवाल, जनपद पंचायत अध्यक्ष जालमसिंह पटेल,जनपद उपाध्यक्ष राघवेंद्रसिंह पटेल,पुष्पराज पटेल , पूर्व नपाध्यक्ष संतोष मालवीय, जीवन जी दुबे, समाजसेवी विशाल गोलानी,हेमकुमार दीवान हिंमू दीवान, समाजसेवी संजय खंडेलवाल, नीरज चौधरी, जगदीश भावसार, पूर्व नपाध्यक्ष शशि मालवीय,शरद चौरसिया, वकील प्रांजल तिवारी,गोलू अग्रवाल, पार्षद भास्कर मांझी, मनोज अग्रवाल,विक्रम रघुवंशी सहित भारी संख्या में गणमान्य नागरिक एवं मातृशक्ति उपस्थित थीं।

पत्रकार लोकतंत्र के सजग प्रहरी होते हैं : उप मुख्यमंत्री

शासकीय योजनाओं को अंतिम छोर तक पहुंचाने तथा योजनाओं के क्रियान्वयन की कमियों को उजागर करते हैं पत्रकार

भोपाल। पत्रकार लोकतंत्र के सजग प्रहरी होते है। उनकी भूमिका सरकार एवं जनता के बीच संवाद विकसित करने तथा शासन की योजनाओ को अंतिम छोर तक पहुंचाने एवं योजनाओं के क्रियान्वयन की कमियों को उजागर सुधार का अवसर देने में होती है। कठित परिस्थितियों में भी पत्रकार बिना थके, बिना हारे अपनी भूमिका का निर्वहन करते हैं। प्रदेश शासन के उप मुख्यमंत्री एवं शहडोल जिले के प्रभारी श्री राजेंद्र शुक्ल ने

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि पत्रकारों ने कोविड़ काल में भी अपनी भूमिका का निर्वहन किया। आपने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा कई स्वास्थ्य अभियान तथा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य क्षेत्र में सुविधाएं बढ़ाने का निरंतर कार्य किया जा रहा है। पत्रकार इन योजनाओं का अंतिम छोर तक पहुंचाकर पीड़ित मानवता की सेवा में अपनी भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने कहा

सूर्या इंटरनेशनल होटल में आयोजित शहडोल जिला स्तरीय पत्रकार सम्मेलन को सम्बोधित कर रहे थें।

इस अवसर पर श्रमजीवी पत्रकार संघ के प्रदेश अध्यक्ष श्री शलभ भदौरिया, सांसद श्रीमती हिमाद्री सिंह, विधायक श्री जयसिंह मरावी, श्रीमती मनीषा सिंह, श्री शरद कोल, कलेक्टर डॉ. केदार सिंह, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री षिवम प्रजापति, नगरपालिका अध्यक्ष श्री घनश्याम जायसवाल, जिला योजना समिति की सदस्य श्रीमती अमिता चपरा, जनपद पंचायत ब्यौहारी श्रीमती आकांक्षी सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि तथा पेंशनर एसोसिएशन के पदाधिकारी, श्रमजीवी संघ के पदाधिकारी उपस्थित रहें।

कि शलभ भदौरिया के मार्गदर्शन में श्रमजीवी पत्रकार संघ लंबे समय से कार्य कर रहा है। पत्रकारों के कल्याण के लिए भी संघ द्वारा समय-समय पर मांग रखकर शासन द्वारा पूरी कराई गई है।

इस अवसर पर जिला श्रमजीवी पत्रकार संघ द्वारा स्वास्थ्य के क्षेत्र में डॉ. ए.के. श्रीवास्तव, रक्तदान के लिए रूपाली सिंघई, सांझी रसोई के संचालन के रवींद्र सरदार,समाज सेवा के लिए सिल्लू रजक, गौ सेवा के लिए गौरव मिश्रा, पत्रकारिता के क्षेत्र में लंबे समय से कार्य करने वाले पत्रकार श्री करूणेश चंद्र, श्री सुनील मिश्रा, अग्रवाल, श्री लवकुश तिवारी, श्री चंद्रशेखर, अंशुल सिंहा, श्री होतवानी, सायबर जागरूकता के लिए संतोष दुबे, श्री इशहाक खान को सम्मानित किया गया।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद कार्यक्रम, शिवराज सिंह बोले

विकसित भारत 2047 के लिए विकसित कृषि और समृद्ध किसान का संकल्प

नई दिल्ली। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का 98वां स्थापना दिवस आज नई दिल्ली के भारत रत्न सी. सुब्रमणियम ऑडिटोरियम, एनएएससी कॉम्प्लेक्स में मनाया गया, जहाँ केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने विकसित भारत 2047 के लिए विकसित कृषि और समृद्ध किसान का रोडमैप सामने रखा। उन्होंने एक तरफ 150 से ज़्यादा कर्मचारियों को पहली बार नियमित नियुक्ति देकर खुशी साझा की, तो दूसरी तरफ 100 क्लाइमेट स्मार्ट विलेज, हर संस्थान से परिवर्तनकारी इनोवेशन, 10 करोड़ किसानों तक ICAR टेक्नोलॉजी पहुँचाने, नकली बीज-कीटनाशक पर सख्त कानून और डिजिटल नॉलेज प्लेटफॉर्म जैसे ठोस लक्ष्य और संकल्प रखे।

किसान आत्मा हैं, वैज्ञानिक मस्तिष्क- अपने संबोधन में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि आज का दिन सिर्फ स्थापना दिवस नहीं, उन पीढ़ियों को प्रणाम करने का दिन है जिनकी तपस्या ने अभाव को आत्मनिर्भरता में और संघर्ष को समाधान में बदला। उन्होंने भावुक अंदाज़ में कहा कि किसान अगर किसी की आत्मा हैं तो वैज्ञानिक मस्तिष्क, और जब सरकारी नीति, किसानों का पसीना और वैज्ञानिकों का टैलेंट मिलकर काम करते हैं, तभी खेतों में चमत्कार होते हैं। उन्होंने भारत के प्रमुख कृषि वैज्ञानिकों और आईसीएआर के पूर्व नेतृत्व को नाम लेकर याद किया और कहा कि इन्हीं की मेहनत ने आज की मजबूत कृषि नींव तैयार की है। शिवराज सिंह चौहान ने विशेष रूप से बताया कि आईसीएआर के 150 से अधिक कर्मचारियों को पहली बार स्थायी नियुक्ति पत्र दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि यह वर्षों से चल रही अन्याय की पराकाष्ठा थी, और जब इन कर्मचारियों को उनका हक मिला तो पूरे आईसीएआर परिवार ने उनके साथ खुशी और भावनात्मक जुड़ाव महसूस किया।

होर्मुज में भारतीय नाविकों की तैनाती पर रोक

केंद्र सरकार ने आदेश जारी किए, हमलों में 14 भारतीयों की मौत के बाद फैसला

नईदिल्ली (एजेंसी)। खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते सुरक्षा जोखिम को देखते हुए भारत ने अगले आदेश तक होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों पर भारतीय नाविकों (सीफेयरर्स) की नई तैनाती पर रोक लगा दी है। यह आदेश जहाज मालिकों, जहाज प्रबंधन कंपनियों और नाविकों की भर्ती करने वाली रिक्रूटमेंट एंड प्लेसमेंट सर्विस लाइसेंस कंपनियों पर लागू होगा। सरकार ने सभी समुद्री कंपनियों को अरब की खाड़ी, होर्मुज स्ट्रेट और आसपास के समुद्री इलाकों में अतिरिक्त सतर्कता बरतने का निर्देश दिया है।

● ठुमरी-दादरा राष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारंभ

'बरसी कारी रे बदरिया' से गूंजा सभागार

भोपाल। शासकीय सरोजिनी नायडू कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय में संगीत विभाग द्वारा आयोजित चार दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला 'ठुमरी एवं दादरा गायन प्रशिक्षण' का शुभारंभ बुधवार को हुआ। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि भारत भवन के प्रशासनिक अधिकारी प्रेमशंकर शुक्ल थे। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुरेन्द्र बिहारी गोस्वामी, संगीत विभागाध्यक्ष एवं कार्यक्रम संयोजक डॉ. नीना श्रीवास्तव, कोलकाता की सुप्रसिद्ध गायिका विदुषी इंद्राणी मुखर्जी, संगीत विभाग के प्राध्यापकगण तथा 65 प्रतिभागी उपस्थित थे। उद्घाटन सत्र में प्राचार्य डॉ. सुरेन्द्र बिहारी गोस्वामी ने कहा कि संगीत शिक्षा केवल कलात्मक प्रशिक्षण नहीं, बल्कि संवेदनशीलता, अनुशासन और सांस्कृतिक चेतना के विकास का माध्यम है। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय का संगीत विभाग अध्ययन, शोध और नवाचार के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रहा है। कार्यशाला की मुख्य वक्ता और संचालक विदुषी इंद्राणी मुखर्जी ने प्रतिभागियों को ठुमरी और दादरा गायन की बारीकियों से परिचित कराया। सभागार के मंच पर वर्षा ऋतु को दर्शाते मेघों की साज-सज्जा ने उनके मन में ऐसा भाव जगाया कि उन्होंने नियोजित पाठ से पहले ही उत्तर भारत के लोकप्रिय वर्षा लोकगीत 'कजरी' की पंक्तियाँ गुनगुनानी शुरू कर दीं। उनके मुख से सहज ही फूट पड़ा– बरसी कारी रे बदरिया, मोर चुनरिया भीगी जाए। उनकी मधुर प्रस्तुति ने पूरे सभागार को सावन के रस से सराबोर कर दिया और प्रतिभागी भाव-विभोर होकर सुनते रहे। उन्होंने इसी कजरी के माध्यम से समझाया कि ठुमरी में भावों की अभिव्यक्ति कितनी महत्त्वपूर्ण होती है। एक ही पंक्ति को अलग-अलग भावों, स्वरों और लय के माध्यम से अनेक रूपों में प्रस्तुत किया जा सकता है।

ध्वस्त हो रहा रामपुर में आजम खां का साम्राज्य

● जौहर यूनिवर्सिटी 15 दिन के अंदर 'खंडहर' तो सड़क हुई 'आम रास्ता', चलेगा बुलडोजर ● 40 में से 38 इमारतें ध्वस्त करने का आदेश

रामपुर (एजेंसी)। रामपुर विकास प्राधिकरण ने मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय की 40 में से 38 इमारतों को बिना स्वीकृत नक्शे के निर्मित बताते हुए उन्हें ध्वस्त करने का आदेश जारी किया है। इस विश्वविद्यालय की स्थापना समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री आजम खान ने की थी। वर्तमान में जेल में बंद आजम खान विश्वविद्यालय के आजीवन कुलाधिपति तथा इसकी संचालक संस्था मौलाना मोहम्मद अली जौहर ट्रस्ट के अध्यक्ष हैं।

कनिष्ठ अभियंता की रिपोर्ट और सुनवाई के बाद आया आरडीए का फैसला- अधिकारियों ने बताया कि उत्तर प्रदेश शहरी योजना एवं विकास अधिनियम, 1973 की धारा 27(1) के तहत विस्तृत सुनवाई और अभिलेखों की जांच के बाद विश्वविद्यालय की 38 इमारतों को ध्वस्त करने का आदेश जारी किया गया।

परिसीमन बिल का विरोध करेगी कांग्रेस, सोनिया गांधी के घर पर बैठक के बाद बड़ा एलान

मानसून सत्र में राम मंदिर, पेपर लीक और एथनॉल के मुद्दे पर सरकार को घेरेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। ने गुरुवार को निर्णय लिया कि वह संसद के आगामी मानसून सत्र में केंद्र सरकार को शिक्षा व्यवस्था से जुड़ी अनियमितता, पेपर लीक, राम मंदिर के चढ़ावे की कथित चोरी, एथनॉल, परिसीमन से जुड़े विषय तथा कई अन्य मुद्दों पर सरकार से जवाब मांगेगी।पार्टी का यह भी कहना है कि वह इस सत्र में विदेश नीति के अलावा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) और अल्पसंख्यकों के अधिकारों से जुड़े विषय को भी प्रमुखता से उठाएगी। इसी क्रम में पार्टी की संसदीय रणनीति को अंतिम रूप देने के लिए कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी के आवास '10, जनपथ' पर एक बैठक आयोजित की गई।बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के अलावा लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, संगठन महासचिव के. सी. वेणुगोपाल, राज्यसभा में कांग्रेस के मुख्य सचेतक जयराम रमेश समेत कई वरिष्ठ नेता उपस्थित थे।

ई20 पेट्रोल से गाड़ी खराब होने का दावा

रायपुर कंज्यूमर कोर्ट का आदेश- कंपनी नई कार दे या पूरे पैसे लौटाए

रायपुर (एजेंसी)। देश में ई-20 पेट्रोल को लेकर छिड़े विवाद के बीच छत्तीसगढ़ में रायपुर कंज्यूमर कोर्ट ने देश का पहला ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। ई-20 पेट्रोल की वजह से गाड़ी खराब होने की शिकायत के बाद अदालत ने गाड़ी के मालिक के हक में फैसला सुनाते हुए कार कंपनी को आदेश दिया कि या तो नई कार दी जाए नहीं तो पूरे पैसे वापस किए जाएं। मालिक का आरोप था कि ई20 पेट्रोल के इस्तेमाल से उसकी गाड़ी को काफी नुकसान पहुंचा। उपभोक्ता का दावा है कि ई20 पेट्रोल भरवाने के बाद गाड़ी के इंजन में बार-बार दिक्कतें आने लगीं। जैसे खराब परफॉर्मेंस, मिसफायरिंग और माइलेज या क्षमता में धीरे-धीरे कमी आना।

यह है पूरा मामला?

शिकायत के मुताबिक, बार-बार मरम्मत के बावजूद ये दिक्कतें बनी रहीं और आखिर में इंजन से जुड़े बड़े खर्च करने पड़े। झगड़ा इस बात पर था कि क्या ई20 पेट्रोल का इस्तेमाल मैकेनिकल दिक्कतों के लिए जिम्मेदार था।

गाड़ी बनाने वाली कंपनी और डीलर ने इस दावे का विरोध यह कहते हुए किया कि मॉडल ई20 फ्यूल के साथ पूरी तरह से कम्पैटिबल था और ये खराबी रेगुलर टूट-फूट, मेंटेनेंस की दिक्कतों या दूसरी अलग वजहों से हुई थीं।

कंज्यूमर कमीशन ने क्यों दिया उपभोक्ता के हक में फैसला- हालांकि, कंज्यूमर कमीशन मैन्युफैक्चरर की दलीलों से सहमत नहीं हुआ। अपने आदेश में कमीशन ने कहा कि कंज्यूमर ने मरम्मत के लिए कई बार अधिकृत वर्कशॉप से संपर्क किया था लेकिन गाड़ी में वही दिक्कतें बनी रहीं। कमीशन ने माना कि बार-बार मरम्मत की कोशिशों और खराबी के बने रहने से कंज्यूमर का पक्ष मजबूत होता है कि समस्या का असरदार तरीके से समाधान नहीं किया गया था। आयोग ने ईंधन के विकल्पों की उपलब्धता के बारे में एक अहम बात नोट की। आदेश में कहा गया कि पेट्रोल पंपों पर ई20 पेट्रोल ही आम तौर पर मिलने वाला ईंधन बन गया है, जिससे ग्राहकों के पास व्यावहारिक रूप से कोई दूसरा विकल्प नहीं बचा है।

● **मुआवजा देने का भी दिया आदेश-** शिकायत को स्वीकार करते हुए आयोग ने निर्माता और डीलर को वाहन मालिक के मरम्मत का खर्च वापस करने का निर्देश दिया। साथ ही मानसिक परेशानी और कानूनी कार्यवाही के दौरान हुए खर्च के लिए मुआवजा देने का भी आदेश दिया।आदेश में पालन के लिए एक समय-सीमा भी तय की गई और कहा गया कि अगर तय समय के अंदर मुआवजे की रकम का भुगतान नहीं किया गया तो उस पर ब्याज देना होगा। इस फैसले पर लोगों का ध्यान जाने की संभावना है क्योंकि भारत अपने इथेनोल-ब्लेंडिंग प्रोग्राम के तहत ई20 पेट्रोल का इस्तेमाल बढ़ा रहा है। साथ ही यह मामला उपभोक्ताओं के अधिकारों, मैन्युफैक्चरर की जिम्मेदारी और फ्यूल की कम्पैटिबिलिटी (अनुकूलता) से जुड़ें अहम सवाल भी उठाता है।

जिन्हें भौं-भौं करने वाला भी नहीं पूछता, वह उठा रहे सवाल

- **शहर काजी स्वागत विवाद पर बोले एमपी वक्फ बोर्ड अध्यक्ष; बड़ों का सम्मान मेरे संस्कार**

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश बोर्ड में गैर मुस्लिम सदस्यों की नियुक्ति के बाद शहर काजी और मुफ्ती द्वारा किए गए स्वागत को लेकर विवाद हुआ था। इस पर बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. सनवर पटेल ने पहली बार चुप्पी तोड़ी है। उज्जैन में आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने विरोध करने वालों पर तल्ख टिप्पणी की। पटेल ने कहा- जिन्हें गली में भौं-भौं करने वाला भी नहीं पूछता, वही सोशल मीडिया पर सवाल उठा रहे हैं कि काजी साहब और मुफ्ती साहब मेरे पास क्यों गए?

कहा- भ्रष्टाचार पर कार्रवाई करने की नसीहत दी

सोशल मीडिया पर उठ रहे सवालों का जवाब देते हुए वक्फ बोर्ड अध्यक्ष ने कहा कि वह स्वयं शहर काजी और शहर मुफ्ती के

पास गए थे। उन्हें सम्मानपूर्वक कार्यक्रम में आमंत्रित किया था। बड़ों का सम्मान करना उनके संस्कारों का हिस्सा है।

दोनों धार्मिक नेताओं ने कार्यक्रम में आकर वक्फ बोर्ड के कामों की प्रशंसा की और नसीहत दी कि वक्फ संपत्तियों की ईमानदारी से हिफाजत की जाए। भ्रष्टाचार पर कार्रवाई जारी रहे। सनवर पटेल ने कहा कि अगर विरोध करने वाले लोग भी अपने सार्वजनिक कामों में शहर काजी और मुफ्ती साहब को बुलाएंगे तो उन्हें भी ईमानदारी से काम करने की सीख मिलेगी।

एक्शन लेने से कुछ लोगों को तकलीफ

पटेल ने दावा किया कि 3-4 वर्षों में वक्फ बोर्ड ने बड़े पैमाने पर अवैध कब्जों और अनियमितताओं पर कड़ा एक्शन लिया है। पहले वक्फ संपत्तियों से न के बराबर आय होती थी, लेकिन बोर्ड की मुस्तैदी से अकेले भोपाल में 29 करोड़ रुपए की रिकवरी हुई है।

भ्रम फैलाने की साजिश: जिन लोगों के निजी हित और अवैध धंधे प्रभावित हुए हैं, वही लोग अब नए बोर्ड और कानून को लेकर समाज में भ्रम फैला रहे हैं।

दादा का साथ मिला... पोती ने 200 किमी साइकिल चलाई

जीतू पटवारी के साथ इंदौर से भोपाल बुजुर्ग भी पहुंचे, बोले- मैं फिजिकली फिट हूं

भोपाल (नप्र)। नीट यूजी, सीबीएसई की परीक्षा में गड़बड़ी प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपरलीक जैसी युवाओं और छात्रों की समस्याओं के विरोध में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने इंदौर से भोपाल तक 200 किलोमीटर की साइकिल यात्रा निकाली। इस साइकिल यात्रा में कांग्रेस के कई नेता सिर्फ फोटो खिंचाने के बाद गायब होते गए। लेकिन, जीतू पटवारी के साथ इंदौर से लेकर भोपाल तक जिन लोगों ने पूरा सफर साइकिल से पूरा किया, उनमें बच्चे और बुजुर्ग भी शामिल हुए।

पोती साइकिल पर, दादा बाईक से भोपाल तक आए- इंदौर के क्षिप्रा से जीतू पटवारी की साइकिल यात्रा में साइकिल लेकर शामिल हुईं सेजल पटेल ने मीडिया से कहा- हम खुद भी परेशान हैं ये बार-बार दोहराई जा रही है। मैं खुद छात्रा हूं और इस बार से परेशान हूं कि 12 साल में 90 बार पेपरलीक हुए तो इस

समस्या से हम भी जूझ रहे हैं। हम चाहते कि कि इसमें अब परिवर्तन हो। इसलिए मैंने सोचा चाहे कुछ भी हो थकान हो, या बीमार पड़ जाऊं लेकिन मैं भोपाल तक साइकिल से जाऊंगी। खरगोन जिले के कसरावद से विधायक और कमलनाथ सरकार में कृषि मंत्री रहे सचिन यादव ने इंदौर से भोपाल तक साइकिल से पूरा सफर तय किया। सचिन यादव के साथ बुधनी से विधानसभा चुनाव लड़े टीवी सीरियल में हनुमान का रोल अदा करने वाले विक्रम मस्ताल शर्मा ने भी इंदौर से भोपाल तक की साइकिल यात्रा की। पूर्व मंत्री सचिन यादव और टीवी सीरियल में हनुमान का रोल निभाने वाले विक्रम मस्ताल शर्मा सीहोर जिले के कोठरी कस्बे से साइकिल चलाते हुए भोपाल की तरफ रवाना होते हुए मप्र युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष यश घनघोरिया ने इंदौर से लेकर भोपाल तक साइकिल चलाकर जीतू पटवारी का साथ दिया। युवा कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष अभिषेक परमार ने भी कुछ दूरी का ब्रेक लेते हुए इंदौर से भोपाल तक साइक्लोथॉन में सहभागिता की।

सज्जन इंदौर से भोपाल तक साथ रहे

पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा इंदौर में डीएवीवी कॉलेज के गेट के सामने साइक्लोथॉन के स्टार्टिंग पॉइंट से ही साथ रहे। सज्जन सिंह वर्मा के लिए एक सुरक्षाकर्मी साइकिल लेकल इंदौर के रीगल स्क्वायर पर नजर आया। हालांकि 71 वर्षीय सज्जन वर्मा ने इंदौर से भोपाल तक अपनी कार से ही जीतू पटवारी का साथ दिया।

अग्निवीर सेना भर्ती रैली की तैयारियों को लेकर मंत्री श्री सारंग ने ली उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक

नाथू बरखेड़ा अंतर्राष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में होगी सेना भर्ती रैली

28 जुलाई से 8 अगस्त तक

भोपाल(नप्र)। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने भोपाल के अंतर्राष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, नाथू बरखेड़ा में 28 जुलाई से 8 अगस्त तक होने वाली अग्निवीर सेना भर्ती रैली की तैयारियों को लेकर सेना भर्ती कार्यालय (एआरओ), जिला प्रशासन एवं खेल और युवा कल्याण विभाग सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों की संयुक्त समीक्षा बैठक ली। बैठक में भर्ती रैली के सफल, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित आयोजन के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं की बिंदुवार समीक्षा करते हुए सभी संबंधित विभागों को निर्धारित समय-सीमा में तैयारियां पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।

सभी विभागों को समन्वय के साथ समयबद्ध तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश

मंत्री श्री सारंग ने कहा कि अग्निवीर भर्ती रैली केवल एक प्रशासनिक आयोजन नहीं, बल्कि प्रदेश के हजारों युवाओं के लिए भारतीय सेना में शामिल होकर राष्ट्रसेवा का स्वर्णिम अवसर है। इसलिए सभी विभाग यह सुनिश्चित करें कि भर्ती प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी, व्यवस्थित एवं अभ्यर्थी हितैषी वातावरण में संपन्न हो। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सेना भर्ती कार्यालय एवं जिला प्रशासन के साथ पूरा समन्वय स्थापित कर प्रत्येक आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराएगी।

मंत्री श्री सारंग ने कहा कि भर्ती रैली में प्रदेश के विभिन्न जिलों के साथ पड़ोसी राज्य छत्तीसगढ़ से भी बड़ी संख्या में अभ्यर्थी भोपाल आएंगे। ऐसे में यातायात, सुरक्षा, पेयजल, चिकित्सा, स्वच्छता एवं अन्य मूलभूत व्यवस्थाओं में किसी प्रकार की कमी नहीं रहनी चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी व्यवस्थाओं का पूर्वाभ्यास एवं संयुक्त निरीक्षण समय रहते कर लिया जाए ताकि आयोजन के दौरान किसी प्रकार की असुविधा उत्पन्न नहीं हो।

बैठक में सेना भर्ती कार्यालय द्वारा विभिन्न विभागों को सौंपे गए दायित्वों की विस्तार से समीक्षा की गई। मंत्री श्री सारंग ने खेल एवं युवा कल्याण विभाग को अंतर्राष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में 400 मीटर एथलेटिक्स ट्रैक, परीक्षण क्षेत्र, खेल मैदान एवं अन्य खेल अधोसंरचना पूरी तरह तैयार रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आयोजन स्थल पर सेना एवं प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय के लिए नोडल अधिकारी की नियुक्ति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने पुलिस विभाग को भर्ती रैली की संपूर्ण अवधि में पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था, भीड़ नियंत्रण तथा सुचारु यातायात संचालन के निर्देश दिए। वहीं स्वास्थ्य विभाग को मेडिकल टीम, चिकित्सकों, एम्बुलेंस एवं प्राथमिक उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा।

मंत्री श्री सारंग ने नगर निगम एवं लोक निर्माण विभाग को परीक्षण क्षेत्र में आवश्यक बैरिकेडिंग, स्वच्छता, मोबाइल शौचालय, कचरा प्रबंधन तथा परिसर की नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही आयोजन स्थल पर पर्याप्त पेयजल, टेंट, शेड, बैठने की व्यवस्था, मौसम के अनुरूप पंखे, सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली (पब्लिक एड्रेस सिस्टम) तथा अग्निशमन वाहन उपलब्ध रखने के निर्देश भी दिए।

बैठक में सेना के अधिकारियों एवं जवानों के आवास, परिवहन एवं पार्किंग व्यवस्था की भी समीक्षा की गई। मंत्री श्री सारंग ने निर्देश दिए कि सेना के अधिकारियों एवं जवानों के ठहरने के लिए उपयुक्त व्यवस्था की जाए तथा उनके आवागमन के लिये आवश्यक वाहन उपलब्ध कराए जाएं। साथ ही अभ्यर्थियों के रात्रि विश्राम एवं परिवहन की समुचित व्यवस्था भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

जांच समिति ने माना- मंत्री प्रतिमा बागरी की जाति अनुसूचित

1950 से लेकर अब तक के सरकारी रिकॉर्ड से पुष्टि; वैध प्रमाण पत्र लगाया था

भोपाल (नप्र)। नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी को जाति प्रमाणपत्र विवाद में बड़ी राहत मिली है। राज्यस्तरीय जाति प्रमाणपत्र छानबीन समिति ने जांच के बाद उनके अनुसूचित जाति प्रमाणपत्र को वैध माना है। समिति ने कहा कि राज्यमंत्री बागरी के परिवार के राजपूत होने का कोई प्रमाण नहीं मिला। समिति के मुताबिक, शिकायतकर्ता अपने आरोपों के समर्थन में कोई ठोस दस्तावेज पेश नहीं कर सके। इसके उलट 1950 से लेकर अब तक के राजस्व अभिलेख, वंशावली, शैक्षणिक रिकॉर्ड, जाति प्रमाणपत्र, निर्वाचन रिकॉर्ड और अन्य सरकारी दस्तावेज उनके परिवार के अनुसूचित जाति से संबंधित होने की पुष्टि करते हैं। समिति ने कहा- आजादी के बाद के शुरुआती राजस्व रिकॉर्ड सबसे महत्वपूर्ण सबूत हैं। इनमें राज्यमंत्री के परिवार की जाति बागरी दर्ज है। ऐसे रिकॉर्ड में बाद में बदलाव की संभावना कम मानी जाती है इसलिए इन्हें विशेष महत्व दिया गया।

कांग्रेस नेता ने लगाई थी याचिका

दरअसल, कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप अहिरवार ने मंत्री प्रतिमा बागरी के जाति प्रमाण पत्र को लेकर हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। 24 अप्रैल को याचिका का निपटारा करते हुए कोर्ट ने फैसला राज्यस्तरीय जाति प्रमाणपत्र छानबीन समिति पर छोड़ा था। कोर्ट ने समिति को 60 दिन में निर्णय लेने को कहा था लेकिन इसने 14 जुलाई को ही अंतिम फैसला दे दिया। समिति के अध्यक्ष गुलशन बामरा, सचिव सत्येंद्र सिंह जबकि सदस्य- विषय विशेषज्ञ मातादीन कनेरिया और सुधीर श्रीवास्तव थे।

मंत्री श्री सारंग ने टीटी नगर स्टेडियम में भारतीय महिला क्रिकेटर क्रांति गौड़ का किया सम्मान

लॉर्ड्स में ऐतिहासिक प्रदर्शन पर दी शुभकामनाएँ

भोपाल (नप्र)। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने टीटी नगर स्टेडियम में मध्यप्रदेश एवं देश का गौरव बढ़ाने वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम की तेज़ गेंदबाज़ सुश्री क्रांति गौड़ से मुलाकात कर इंग्लैंड के ऐतिहासिक लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर उनके शानदार प्रदर्शन के लिए बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं।

मंत्री श्री सारंग ने कहा कि क्रांति गौड़ ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से न केवल मध्यप्रदेश बल्कि पूरे देश का नाम विश्व पटल पर रोशन किया है। उनकी उपलब्धि प्रदेश की बेटियों और युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार खेल प्रतिभाओं को निरंतर प्रोत्साहन दे रही है। आधुनिक खेल अधोसंरचना, बेहतर प्रशिक्षण सुविधाओं और ग्रामीण क्षेत्रों तक खेल अवसरों के विस्तार का ही परिणाम है कि आज प्रदेश के ग्रामीण अंचलों के बच्चे राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा

मनवा रहे हैं। क्रिकेटर क्रांति गौड़ ने कहा कि लॉर्ड्स में भारत की जीत का हिस्सा बनना मेरे और मेरे परिवार के लिए जीवन का सबसे बड़ा पल था। उन्होंने बताया कि लॉर्ड्स के प्रतिष्ठित ऑनर्स बोर्ड पर अपना नाम दर्ज होते देख उन्होंने उसी समय परिवार को वीडियो कॉल कर वह ऐतिहासिक क्षण साझा किया। उन्होंने कहा कि ऑनर्स बोर्ड पर नाम दर्ज कराना हर क्रिकेटर का सपना होता है। पहली भारतीय महिला क्रिकेटर के रूप में वहां अपना नाम दर्ज होना मेरे लिए गर्व की बात है। यह उपलब्धि केवल मेरी नहीं, बल्कि मेरे परिवार, मेरे कोचों, मध्यप्रदेश और पूरे देश की है।

मंत्री श्री सारंग ने विश्वास व्यक्त किया कि सुश्री क्रांति गौड़ की यह ऐतिहासिक उपलब्धि प्रदेश की हजारों बेटियों को खेलों में आगे बढ़ने की प्रेरणा देगी और आने वाले समय में मध्यप्रदेश के खिलाड़ी अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारत का गौरव इसी तरह बढ़ाते रहेंगे।

भोपाल में सॉफ्टवेयर इंजीनियर पर जानलेवा हमला

65 दिन बाद पहला आरोपी गिरफ्तार, तीन अब भी फरार

भोपाल (नप्र)। राजधानी के कोहेफिजा थाना क्षेत्र स्थित खानूगांव में सॉफ्टवेयर इंजीनियर पर हुए जानलेवा हमले के मामले में पुलिस ने वारदात के 65 दिन बाद पहली गिरफ्तारी की है। पुलिस ने आरोपी अब्दुल्ला फारूकी को गिरफ्तार कर गुरुवार को न्यायालय में पेश किया। मामले में अब भी तीन आरोपी फरार हैं, जिनकी तलाश जारी है।

पुलिस के अनुसार फरियादी मोहम्मद यूसुफ (26) निजी कंपनी में सॉफ्टवेयर इंजीनियर है। उसने शिकायत में बताया था कि 12 मई की शाम उसे फोन कर झंडा चौक खानूगांव बुलाया गया। वहां अब्दुल्ला फारूकी अपने साथियों समीर उर्फ बब्बा, नदीम उर्फ जिंसी और मुदस्सर उर्फ मम्मा के साथ मौजूद था।

आरोपियों ने पहले गाली-गलौज की और विरोध करने पर मारपीट शुरू कर दी। इसी दौरान समीर उर्फ बब्बा ने चाकू से उसके सिर और दोनों हाथों पर कई वार किए। हमले में उसके बाएं हाथ की तीन, दाएं हाथ की एक उंगली और सिर में गंभीर चोट आई। शोर मचाने पर स्थानीय लोग पहुंचे तो आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए।

आरोपी बोला 21 वार किए, छुरी तेड़ी कर दी

मामले में आरोपी की गिरफ्तारी के बाद एक कथित ऑडियो भी सामने आया है। इसमें समीर उर्फ बब्बा नाम का आरोपी एक युवक से यह कहते हुए सुनाई दे रहा है कि उसने फरियादी पर 21 बार चाकू से वार किए और मारते-मारते चाकू टेढ़ा हो गया। हालांकि पुलिस ने अभी इस ऑडियो की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

मुखबिर की सूचना पर की गई गिरफ्तारी- कोहेफिजा थाने के एएसआई अंतराम ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर अब्दुल्ला फारूकी को थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार वारदात पुरानी रंजिश के चलते हुई थी। फरार आरोपियों की तलाश जारी है। वहीं पुलिस यह भी जांच कर रही है कि इसी गैंग ने फरारी के दौरान कोतवाली क्षेत्र में होटल संचालक आमिर पर हुए जानलेवा हमले को भी अंजाम दिया था। उस मामले में आरोपी मुदस्सर उर्फ मम्मा पहले से जेल में है और कोहेफिजा पुलिस उसे प्रोडक्शन वारंट पर रिमांड पर लेने की तैयारी कर रही है।

राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा तकनीकी समिति में मध्यप्रदेश को मिला महत्वपूर्ण प्रतिनिधित्व: ऊर्जा मंत्री श्री तोमर

भोपाल (नप्र)। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि मध्यप्रदेश ने विद्युत क्षेत्र की साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। नेशनल क्रिटिकल इन्फॉर्मेशन इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोटेक्शन सेंटर (एनसीआईआईपीसी) तथा क्वालिटी काउंसिल ऑफ इंडिया (क्यूसीआई) द्वारा विद्युत क्षेत्र की महत्वपूर्ण सूचना अवसंरचना (क्रिटिकल इन्फॉर्मेशन इंफ्रास्ट्रक्चर-सीआईआई) के संरक्षण एवं सुरक्षा मूल्यांकन के लिए अनुरूपता मूल्यांकन ढांचा (कॉनफॉर्मिटी असेसमेंट फ्रेमवर्क-सीएएफ) विकसित करने के लिये राष्ट्रीय स्तर की तकनीकी समिति का गठन किया गया है।

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने बताया कि मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) के स्टेट लोड डिस्पैच सेंटर (एसएलडीसी), जबलपुर में पदस्थ अतिरिक्त मुख्य अभियंता एवं मुख्य सूचना सुरक्षा अधिकारी श्री राजेश कुमार गुप्ता को इस प्रतिष्ठित तकनीकी समिति का सदस्य नामित किया गया है। देश के सभी भार प्रेषण केंद्रों तथा राज्य स्तरीय विद्युत संस्थाओं में से चयनित होने वाले वे एकमात्र विशेषज्ञ अधिकारी हैं।

मप्र में 11 प्रतिशत कम पानी, जबलपुर समेत 35 जिले सूखे

19 जुलाई से नया सिस्टम, हेवी रेन का अनुमान, आज हल्की बारिश

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश में पिछले 7 दिन से भारी या अति भारी बारिश नहीं हुई है। इससे सूखे जैसे हालात बन रहे हैं। जबलपुर समेत प्रदेश के 35 जिले ऐसे हैं, जहां बारिश का आंकड़ा माइनस में है। पूरे पूर्वी हिस्से जबलपुर, रीवा, सागर-शहडोल संभाग में सूखा है, जबकि पश्चिमी हिस्सा यानी भोपाल, इंदौर, उज्जैन, नर्मदापुरम्, ग्वालियर-चंबल बेहतर स्थिति में है। मौसम केंद्र के अनुसार- प्रदेश में अब तक 241.8 मिमी (9.5) बारिश हो चुकी है। यह सामान्य बारिश के 270.3 मिमी (10.6) से 11 प्रतिशत कम है। दूसरी ओर, पूर्वी हिस्से के जिलों में 24 प्रतिशत पानी कम गिरा है। वहीं, पश्चिमी हिस्से में 2 प्रतिशत ज्यादा बारिश दर्ज की गई है।

19 जुलाई से उत्तर-पश्चिम भारत में नया वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) एक्टिव हो रहा है। जिसके असर से प्रदेश में तेज बारिश होने का अनुमान है। हालांकि, बंगाल की खाड़ी से भी नया सिस्टम बन रहा है। साइक्लोनिक सर्कुलेशन भी एक्टिव है।

आज ऐसा रहेगा मौसम- मौसम विभाग के अनुसार- इंदौर, झाबुआ, आलीराजपुर, धार,

बुरहानपुर, बड़वानी, खंडवा, खरगोन, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, भिंड, दतिया, जबलपुर, कटनी, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, बालाघाट, मंडला, डिंडौरी, रीवा, सतना, सीधी, सिंगरौली, मऊगंज, मैहर, शहडोल, उमरिया, अनूपपुर, पन्ना, दमोह, छतरपुर, टीकमगढ़ और निवाड़ी में हल्की बारिश और आंधी चलने का अनुमान है।

वहीं, मुरैना, ग्वालियर, श्योपुर, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, विदिशा, सागर, रायसेन, भोपाल, सीहोर, राजगढ़, शाजापुर, देवास, उज्जैन, आगर-मालवा, रतलाम, नीमच और मंदसौर में गर्मी का असर देखने को मिलेगा।

दूसरे पखवाड़े में अच्छी बारिश- मौसम एक्सपर्ट शैलेंद्र कुमार नायक ने बताया कि फिलहाल प्रदेश स्तर पर मानसून की स्थिति संतोषजनक दिखाई देती है, लेकिन पूर्वी हिस्से में बारिश की कमी से कृषि एवं जल संसाधनों के लिए चिंता का विषय है।

आगामी निम्न दाब प्रणाली की दिशा और तीव्रता तय करेगी कि प्रदेश में मानसून कितनी तेजी से पुनः सक्रिय होता है। यदि मौसम प्रणालियां अनुकूल रहीं, तो जुलाई के दूसरे पखवाड़े में प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में वर्षा का अच्छा दौर देखने को मिल सकता है।

मुख्यमंत्री ने भगवान श्री जगन्नाथ रथयात्रा की शुभकामनाएं दीं

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भगवान श्री जगन्नाथ रथयात्रा की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आस्था, सेवा और लोककल्याण का यह महापर्व समाज को एकता, अपनत्व और श्रद्धा के सूत्र में जोड़ता है। प्रभु श्री जगन्नाथ, बलभद्र जी और माता सुभद्रा की असीम कृपा से प्रत्येक परिवार सुख, शांति, उत्तम स्वास्थ्य और समृद्धि से परिपूर्ण हो, यही मंगलकामना है।

संपादकीय

तसलीमा की कोलकाता वापसी !

चर्चित और बेबाक लेखिका तथा अपने देश बांगलादेश से निर्वासित तसलीमा नसरीन का 19 साल बाद कोलकाता लौटना पश्चिम बंगाल में नया राजनीतिक मुद्दा बन गया है। मुस्लिम कट्टरपंथी तसलीमा के आने का विरोध कर रहे हैं तो भाजपा इसे प्रदेश में बदले राजनीतिक माहौल का नतीजा बताकर उसका स्वागत कर रही है। गौरतलब है कि 'लज्जा' जैसे उपन्यास से चर्चित और मुस्लिम कट्टरपंथियों ने निशाने पर रहीं तसलीमा नसरीन आगामी 1 अगस्त को कोलकाता के रवींद्र सदन में आयोजित कट्टरता-विरोधी कवि-लेखक सम्मेलन में हिस्सा लेंगी और अपने कविता संग्रह 'बंदिनी' से कविताएं पढ़ेंगी, जो उन्होंने दिल्ली में नजरबंदी के दौरान लिखी थीं और जिनका केंद्र कोलकाता है। कार्यक्रम आयोजकों का कहना है कि तसलीमा की 20 साल बाद शहर में वापसी का उत्सव होगा। कोलकाता को अपना दूसरा घर बताने वाली तसलीमा की यह वापसी इसलिए भी चर्चा में है, क्योंकि उन्हें 2007 में हिंसक विरोध प्रदर्शन के बाद शहर छोड़ना पड़ा था। तसलीमा नसरीन मूलतः बांग्लादेश के मैमनसिंह की हैं और पेशे से डॉक्टर हैं। बाद में उन्होंने पूर्णकालिक लेखन को अपना पेशा बना लिया। महिलाओं के अधिकार, धर्मनिरपेक्षता, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और धार्मिक कट्टरता पर उनके लेखन ने उन्हें दक्षिण एशिया की सबसे चर्चित लेखिकाओं में शामिल करा दिया। उन्होंने 40 से अधिक किताबें लिखी हैं, जिनका 30 से ज्यादा भाषाओं में अनुवाद हो चुका है। उन्हें 1992 में 'निर्वाचित कॉलम' और 2000 में आत्मकथा 'आमार मेयेबेला' के लिए आनंद पुरस्कार सहित अनेक पुरस्कार मिले। तसलीमा 1993 में प्रकाशित अपने उपन्यास 'लज्जा' से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चा में आईं। इस उपन्यास में बाबरी मस्जिद विध्वंस के बाद बांग्लादेश में हिंदुओं पर हुए अत्याचारों को दिखाया गया था। किताब और उनके अखबारों में लिखे लेखों के कारण बांग्लादेश में उनके खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए, मौत की धमकियां मिलीं और फतवे जारी किए गए। 1994 में उन्हें अपना देश छोड़ना पड़ा। बांग्लादेश छोड़ने के पश्चात तसलीमा करीब 10 साल विदेश में रहने के बाद 2004 में भारत आईं और कोलकाता में बस गईं। तसलीमा नसरीन की मुश्किलें 1998 में उनकी आत्मकथा 'मेयेबेला' के प्रथम भाग के प्रकाशन के साथ शुरू हुई। लेकिन बड़ा विवाद 2003 में इसके दूसरे भाग 'द्विखंडितो' के प्रकाशन के बाद शुरू हुआ। इस पुस्तक के कुछ अंशों को धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाला बताया गया। उस समय पश्चिम बंगाल में कम्युनिस्टों की सरकार थी, जो मुस्लिम तुष्टिकरण में भरोसा रखती थी। उधर तसलीमा का मामला कोर्ट तक पहुंचा। 18 नवंबर 2003 को कवि सैयद हसमत जलाल द्वारा दायर मानहानि याचिका पर कलकत्ता हाईकोर्ट ने पुस्तक के प्रकाशन पर अंतरिम रोक लगाने की अनुमति दी। इसके दस दिन बाद तत्कालीन वाम मोर्चा सरकार ने यह कहते हुए पुस्तक पर प्रतिबंध लगा दिया कि इससे सांप्रदायिक तनाव बढ़ सकता है। हालांकि 2005 में कलकत्ता हाईकोर्ट ने प्रतिबंध को रद्द करते हुए कहा कि पुस्तक का उद्देश्य किसी धर्म की भावनाओं को ठेस पहुंचाना नहीं था और सरकार का प्रतिबंध उचित नहीं है। इसी दौरान 2004 में केंद्र सरकार से अस्थायी रेजिडेंस परमिट मिलने के बाद तसलीमा कोलकाता आ गईं। लेकिन 'द्विखंडितो' को लेकर विवाद और विरोध खत्म नहीं हुआ। सरकार ने तसलीमा पर कोलकाता छोड़ने का दबाव बनाया। पिछले 10 वर्षों से वह दिल्ली में रेजिडेंट परमिट पर रह रही हैं। तसलीमा नसरीन की वापसी पर राजनीतिक बवाल शुरू हो गया है। भाजपा का कहना है कि पिछली वामपंथी और तृणमूल कांग्रेस सरकारों ने वोट बैंक की राजनीति के कारण उन्हें कभी कोलकाता लौटने नहीं दिया। हालांकि तसलीमा खुद कई बार कह चुकी हैं कि वह किसी राजनीतिक दल के हाथों की फुटबॉल नहीं बनना चाहतीं।

नजरिया

नृपेन्द्र अभिषेक 'नृप'

लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।

डिजिटल भारत पर साइबर अपराध का साया

जनवरी 2026 में दिल्ली पुलिस ने एक ऐसे अंतरराष्ट्रीय साइबर ठगी गिरोह का पर्दाफाश किया था, जिसने खुद को आतंकवाद निरोधक अधिकारियों के रूप में प्रस्तुत कर सैकड़ों लोगों से करोड़ों रुपये की ठगी की। इसी दौरान राजधानी में चीनी ऐप्स के माध्यम से ई-रिक्शा चालकों को निशाना बनाकर यातायात व्यवस्था को प्रभावित करने और लोगों की सुरक्षा से खिलवाड़ करने की घटनाएँ भी सामने आईं। ये घटनाएँ केवल कानून-व्यवस्था की चुनौती नहीं हैं, बल्कि इस बात का स्पष्ट संकेत हैं कि डिजिटल युग में अपराध का स्वरूप पूरी तरह बदल चुका है। आज अपराधी बंदूक नहीं, बल्कि मोबाइल फोन, लैपटॉप और इंटरनेट का इस्तेमाल कर रहे हैं। ऐसे में साइबर अपराध केवल आर्थिक नुकसान का विषय नहीं रह गया, बल्कि यह देश की सुरक्षा, सामाजिक विश्वास और आर्थिक विकास के लिए गंभीर खतरा बन चुका है।

भारत आज दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ती डिजिटल अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। यूपीआई ने भुगतान व्यवस्था को सरल बनाया है, आधार ने पहचान को मजबूत किया है और सरकारी सेवाएँ तेजी से ऑनलाइन हुई हैं। डिजिटल क्रांति ने आम नागरिक का जीवन आसान बनाया है, लेकिन हर नई सुविधा अपने साथ कुछ नई चुनौतियाँ भी लेकर आती है। जिस इंटरनेट ने दूरियाँ मिटाईं, उसी ने अपराधियों को भी सीमाओं से परे जाकर अपराध करने की ताकत दे दी। यही कारण है कि साइबर अपराधों की संख्या और उनसे होने वाला आर्थिक नुकसान लगातार बढ़ रहा है।

साइबर अपराध की सबसे चिंताजनक विशेषता यह है कि इसकी कोई भौगोलिक सीमा नहीं होती। दुनिया के कई देशों में बैठे अपराधी भारत के नागरिकों को अपना निशाना बना रहे हैं। दक्षिण-पूर्व एशिया के कुछ क्षेत्रों में संगठित साइबर ठगी के ऐसे नेटवर्क विकसित हो चुके हैं, जहाँ हजारों लोग औद्योगिक स्तर पर ऑनलाइन ठगी का कारोबार चला रहे हैं। कई बार युवाओं को नौकरी का झांसा देकर इन ठगी केंद्रों में पहुँचाया जाता है और फिर उनसे दुनिया भर के लोगों को फर्जी कॉल, नकली निवेश योजनाओं और डिजिटल गिरफ्तारी जैसे हथकंडों के माध्यम से ठगा जाता है। यह अपराध अब किसी एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि संगठित अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क का रूप ले चुका है।

भारत में सबसे तेजी से बढ़ने वाले साइबर अपराधों में 'डिजिटल अरेस्ट' सबसे खतरनाक माना जा रहा है। इसमें अपराधी स्वयं को पुलिस, सीबीआई, कस्टम या किसी सरकारी एजेंसी का अधिकारी बताकर लोगों को डराते हैं। वीडियो कॉल पर नकली पहचान दिखाकर यह विश्वास दिलाया जाता है कि उनका आधार कार्ड किसी अपराध में इस्तेमाल हुआ है। भय और घबराहट में लोग अपनी जीवनभर की जमा-पूंजी अपराधियों के खातों में भेज देते हैं। यह अपराध केवल आर्थिक नहीं, बल्कि मानसिक शोषण का भी उदाहरण है, क्योंकि इसमें पीड़ित के मनोविज्ञान का लाभ उठाया जाता है।

साइबर अपराध का दूसरा बड़ा रूप निवेश संबंधी धोखाधड़ी है। सोशल मीडिया और मैसेजिंग ऐप्स के माध्यम से लोगों को कम समय में अधिक मुनाफे का लालच दिया जाता है। फर्जी ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म, नकली क्रिप्टो योजनाएँ और बनावटी निवेश कंपनियाँ लोगों को आकर्षित करती हैं। शुरुआत में थोड़ा लाभ देकर विश्वास जीता जाता है और फिर बड़ी रकम निवेश कराने के बाद पूरा पैसा गायब कर दिया जाता है। ऐसे मामलों में मध्यम वर्ग और सेवानिवृत्त लोग सबसे अधिक प्रभावित होते हैं।

साइबर अपराध केवल व्यक्तियों तक सीमित नहीं है। देश के अस्पताल, बैंक, सरकारी संस्थान और महत्वपूर्ण डिजिटल ढाँचे भी इसके निशाने पर हैं। रैनसमवेयर हमलों में अपराधी संस्थानों का पूरा डेटा लॉक कर देते हैं और उसे खोलने के बदले भारी रकम की मांग करते हैं। यदि किसी अस्पताल, बिजली व्यवस्था, रेलवे या बैंकिंग प्रणाली पर ऐसा हमला सफल हो जाए तो उसका प्रभाव केवल आर्थिक नहीं, बल्कि जनजीवन पर भी गंभीर पड़ सकता है। इसलिए साइबर सुरक्षा अब राष्ट्रीय सुरक्षा का अभिन्न हिस्सा बन चुकी है।

आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने साइबर अपराध को और अधिक जटिल बना दिया है। डीपफेक तकनीक के माध्यम से किसी भी व्यक्ति की आवाज़ और चेहरा हूबहू तैयार किया जा सकता है। अपराधी परिवार के सदस्य, अधिकारी या परिचित बनकर लोगों को आसानी से धोखा दे रहे हैं। ऐसे वीडियो और ऑडियो देखकर सामान्य व्यक्ति के लिए असली और नकली में अंतर करना कठिन होता जा रहा है। इसलिए भविष्य की साइबर सुरक्षा केवल तकनीक पर नहीं, बल्कि जागरूक नागरिकों पर भी निर्भर करेगी। साइबर अपराध का सबसे बड़ा दुष्प्रभाव समाज में विश्वास का टूटना है। यदि लोगों को डिजिटल भुगतान, ऑनलाइन बैंकिंग, ई-गवर्नेंस और डिजिटल पहचान पर भरोसा नहीं रहेगा, तो डिजिटल अर्थव्यवस्था की गति भी धीमी पड़ जाएगी। एक सफल डिजिटल राष्ट्र केवल आधुनिक तकनीक से नहीं बनता, बल्कि उस तकनीक पर लोगों के विश्वास से बनता है। इसलिए साइबर सुरक्षा आर्थिक विकास की भी अनिवार्य शर्त है।

इस चुनौती से निपटने के लिए सरकार ने कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र, राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल, हेल्पलाइन 1930 और विभिन्न जांच एजेंसियाँ लगातार सक्रिय हैं। समय रहते शिकायत दर्ज होने पर कई मामलों में ठगी गई राशि को वापस भी दिलाया गया है। फिर भी अपराधियों की बदलती तकनीक को देखते हुए केवल सरकारी प्रयास पर्याप्त नहीं हैं। समाज, निजी क्षेत्र और नागरिकों की समान भागीदारी आवश्यक है। सबसे पहले देश में साइबर साक्षरता को जन आंदोलन बनाना होगा। जैसे स्वच्छता और वित्तीय साक्षरता पर व्यापक अभियान चलाए गए, उसी प्रकार डिजिटल सुरक्षा की जानकारी भी स्कूलों, कॉलेजों और कार्यस्थलों तक पहुँचानी होगी। लोगों को यह समझाना होगा कि कोई सरकारी अधिकारी वीडियो कॉल पर पैसे नहीं मांगता, कोई बैंक ओटीपी साझा करने के लिए नहीं कहता और किसी भी संदिग्ध लिंक पर क्लिक करना भारी नुकसान का कारण बन सकता है।

इसके साथ ही साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों की संख्या बढ़ानी होगी। आधुनिक तकनीकों, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डेटा सुरक्षा के क्षेत्र में प्रशिक्षित युवाओं की आवश्यकता लगातार बढ़ रही है। विश्वविद्यालयों और तकनीकी संस्थानों में साइबर सुरक्षा को विशेष महत्व देना समय की मांग है। निजी कंपनियों को भी अपने नेटवर्क की सुरक्षा में निवेश बढ़ाना होगा, क्योंकि एक छोटी सी चूक लाखों ग्राहकों की जानकारी को खतरे में डाल सकती है।अंतरराष्ट्रीय सहयोग भी उतना ही आवश्यक है। चूँकि अधिकांश साइबर अपराध सीमाओं के पार से संचालित होते हैं, इसलिए केवल घरेलू कानून पर्याप्त नहीं होंगे। विभिन्न देशों के बीच सूचना साझा करना, अपराधियों के प्रत्यर्पण की व्यवस्था और संयुक्त कार्रवाई ही इन नेटवर्कों को प्रभावी ढंग से समाप्त कर सकती है।

हमें यह समझना होगा कि डिजिटल भारत का भविष्य केवल तेज इंटरनेट, आधुनिक ऐप्स और ऑनलाइन सेवाओं से सुरक्षित नहीं होगा। उसकी असली ताकत जागरूक नागरिक, मजबूत साइबर सुरक्षा व्यवस्था और अंतरराष्ट्रीय सहयोग में निहित है। जिस प्रकार सड़क, रेल और बंदरगाह किसी राष्ट्र की भौतिक प्रगति का आधार होते हैं, उसी प्रकार सुरक्षित साइबर दुनिया उसकी डिजिटल प्रगति की नींव है। यदि समय रहते इस चुनौती का प्रभावी समाधान नहीं किया गया, तो साइबर अपराध हमारी आर्थिक उपलब्धियों और सामाजिक विश्वास दोनों को गहरी चोट पहुँचा सकता है। इसलिए अनियंत्रित साइबर अपराध पर नियंत्रण केवल एक प्रशासनिक आवश्यकता नहीं, बल्कि विकसित भारत के निर्माण की अनिवार्य शर्त है।

रक्षा सामग्री

प्रमोद भार्गव

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

लंबी जंग की तैयारी में सक्षम होता भारत

ऑपरेशन सिंदूर की छोटी लड़ाई के बाद भारत रक्षा-रणनीति में बदलाव के ऐसे संकेत दे रहा है कि पाकिस्तान या अन्य किसी देश से लंबी लड़ाई भी लड़नी पड़े तो उसकी युद्ध क्षेत्र में सक्षमता बनी रहे। नतीजतन पिछले सवा साल में भारत ने हथियार व अन्य उपकरणों की बड़ी खरीद की है अथवा उसकी तैयारी चल रही है। अतएव स्पष्ट संकेत है कि तीनों सेनाओं को अब सीमित जवाबी कार्यवाही के लिए नहीं, बल्कि लंबी और बहुस्तरीय लड़ाई के लिए तैयार किया जा रहा है। रक्षा क्रियान्वयन सलाहाकार परिषद् ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत हुए संघर्ष के बाद 55 प्रस्तावों को मंजूरी दी है, जिनकी कुल कीमत 9.80 लाख करोड़ रुपए हैं। यह राशि कई वर्शों में धीरे-धीरे खरीद सौदों, निर्माण कार्यों और योजनाओं के आधुनिकीकरण पर खर्च होगी। हाल ही में भारतीय निजी उद्योगपतियों को भी बड़ी रक्षा सामग्री के निर्माण की अनुमति दी हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोलकाता के श्यामा प्रसाद मुखर्जी बंदरगाह पर तीन नौसैनिक जहाजों आईएनएस दूनागिरी, आईएनएस संशोधक और आईएनएस अग्रय को नौसेना के बेड़े को सुपुर्द करते हुए कहा है कि 'कोई भी राष्ट्र समुद्र में अपनी क्षमता बढ़ाए बिना बड़ी शक्ति नहीं बन सकता है। ये संकेत स्पष्ट करते हैं कि ये तैयारियां भारत को सामरिक दृष्टि से वैश्विक पटल पर महत्वपूर्ण बना रही हैं।

इन खरीदों में टैंक, तोप, ड्रोन, एयरडिफेंस इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर और लंबी दूरी के सटीक हमले के लिए एआई नेटवर्क आधारित युद्ध क्षमता को विकसित करने के बड़े संकेत हैं। दरअसल रूस-यूक्रेन, इजरायल-हमास और अमेरिका-ईरान तथा पश्चिम एशिया के देशों में चल रहे युद्ध को देखते हुए भारत की सैन्य सोच बदली है। हालांकि पनडुब्बियों और पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमानों की भी बड़ी संख्या में जरूरत है। भारत ने मार्च 2025 में 54 हजार करोड़, जुलाई में 1.05 लाख करोड़, अगस्त में 67 हजार करोड़, अक्टूबर में 79 हजार करोड़ की रक्षा सामग्री खरीद के प्रस्ताव अलग-अलग देशों को दिए है। फरवरी 2026 में 3.6 लाख करोड़ की रक्षा सामग्री खरीद प्रस्तावों को मंजूरी देने के साथ 114 नए राफेल विमान भी खरीदे जा रहे हैं। इसी माह जुलाई में 52 हजार करोड़ की सामग्री सैन्य-बलों की जंगी क्षमता बढ़ाने के लिए दिए गए हैं। साफ है, भविष्य में भारत का किसी देश से युद्ध होता हैं तो वह लंबी लड़ाई की सामर्थ्य दिखाने में अग्रणी रहेगा। स्वदेशी तकनीक से निर्मित जो तीन युद्धपोत सेना में शामिल किए गए हैं, उनसे वाकई भारत की समुद्र में ताकत बढ़ी है, क्योंकि बीते कुछ वर्शों में 40 से अधिक स्वदेश में ही निर्मित युद्धपोत और पनडुब्बियां समुद्र में तैनात कर दिए हैं। भारतीय नौसेना की ताकत बढ़ाने वाले ये जहाज और पनडुब्बियां भारतीय सेना का मनोबल बढ़ाने के साथ-साथ देश की औद्योगिक क्षमता बढ़ाने वाली है। आने वाले दिनों में इनके निर्यात के द्वार भी खुल जाएंगे। अतएव पश्चिम बंगाल देश की ब्लू इकोनोमी का बड़ा केंद्र बन जाएगा।

भारत में नौसैनिकों की सुविधाओं के लिए 45 बड़े प्लेटफॉर्म भी तैयार किए जा रहे हैं। आईएनएस दूनागिरी अत्याधुनिक हथियारों और संवेदनशील प्रणालियों के साथ ब्रह्मोस मिसाइल से संपन्न है। ब्रह्मोस सतह से सतह और सतह से आकाश तक शत्रु पर सटीक हमला करने में युद्धपोत पर लगे नवीनतम उपकरण एवं स्टेल्थ तकनीक के कारण यह मिसाइल रडार की पकड़ में नहीं आती है। इसकी इस विलक्षणता के चलते ब्रह्मोस मिसाइल को दूसरे देश भी खरीद रहे हैं। आईएनएस संशोधक देश का सबसे बड़ा सर्वेक्षण पोत है। इसे तटीय क्षेत्रों व गहरे समुद्री इलाकों में हाइड्रोग्राफिक सर्वेक्षण करने तथा रक्षा एवं नागरिक क्षेत्रों के लिए महत्वपूर्ण आंकड़े जुटाने के उद्देश्य से निर्मित किया गया है। आईएनएस अग्रय पनडुब्बी रोधी युद्धपोत है। उथले समुद्री क्षेत्रों में दुश्मन की पनडुब्बियों और अन्य खतरों का मुकाबला करने में इसे अत्यंत प्रभावी माना जा रहा है। यह टारपीडो, स्वदेशी रॉकेट लांचर और उथले जल के लिए विकसित सोनार प्रणाली से लैस है। इसके चलते समुद्र के भीतर गुप्त खतरे का इसे पता चल जाता है। स्वदेशी युद्धपोत निर्माण की इस क्षमता ने भारत को पोत निर्माण में आत्मनिर्भर बना दिया है। इस उपलब्धि से समुद्र में भारतीय हितों की रक्षा का अभियान और प्रभावी ढंग से चलाया जा सकेगा।

इसके पहले भारत स्वदेशी तकनीक से परमाणु पनडुब्बी आईएनएस 'अरिहंत' का निर्माण 2009 में शुरू करके 2013 में इसे समुद्र में जलावतरण भी कर चुका है। इस स्वदेशी परमाणु चालित पनडुब्बी अरिहंत का परमाणु रिएक्टर चालू होना हमारी स्वदेशी तकनीकी क्षमताओं को विकसित करने की दिशा में बड़ा कदम था। यह उपलब्धि भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र के वैज्ञानिकों और इस परियोजना से जुड़े तकनीकि व रक्षा विशेषज्ञों के संयुक्त प्रयास का परिणाम थी। इससे हमारी सैन्य क्षमताओं में आश्चर्यजनक बढ़ोतरी हुई है। इस उपलब्धि के हासिल हो जाने के बाद हम समुद्र के भीतर से दुश्मन देशों पर हमला करने में सक्षम हुए हैं। यह आयुध-युक्त पनडुब्बी पांच हजार किमी तक मार करने वाली परमाणु मिसाइल को पानी के भीतर से ही निशाने पर छोड़ सकती है। गोया यह तकनीक हमारी रक्षा प्रणाली में मील का पत्थर साबित हुई है। इसी तरह स्वदेशी विमानवाहक पोत 'विक्रांत' का भी जलावतरण हो चुका है। परमाणु पनडुब्बी निर्माण के क्षेत्र में अमेरिका, चीन, फ्रांस, रूस और ब्रिटेन के बाद भारत छठे देश की कड़ी में शामिल हो गया है।

भारत अब पनडुब्बी निर्माण के क्षेत्र में भी आत्मनिर्भर है। पहले से ही नौसेना के पास 15 पारंपरिक और दो परमाणु हथियार संपन्न पनडुब्बियां हैं। इनके अलावा 150 युद्धपोतों के बेड़े में 12 डीजल-इलेक्ट्रिक पनडुब्बियां भी हैं। पनडुब्बियों की संख्या बढ़ाने के लिए 55000 करोड़ रुपए से छह पनडुब्बियों का निर्माण भारत में किया जा रहा है। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में 'रक्षा-अधिग्रहण परिषद्' (डीएसी) की बैठक में यह अनुमति दी गई है। मझगांव डॉक्स, निजी पोत निर्माण कंपनी एलएंडटी और नौसेना के बीच प्रोजेक्ट-75 इंडिया के तहत ये पनडुब्बियां स्वदेशी तकनीक से निर्मित की जा रही हैं। मेक इन इंडिया परियोजना के तहत यह अब तक की सबसे बड़ी परियोजना है। इस परियोजना को पूरी होने में सात वर्ष का समय लगेगा। इस परियोजना के तहत घरेलू कंपनियों को देश में ही अत्याधुनिक सैन्य उपकरण निर्माण के लिए विदेशी रक्षा कंपनियों से करार की अनुमति होगी। साफ है, रक्षा उपकरणों के आयात पर निर्भरता घटेगी। हिंद महासागर क्षेत्र में चीनी सेना की बढ़ती मौजूदगी के मद्देनजर पनडुब्बियों के स्वदेशी स्तर पर निर्माण को अत्यंत अहम् माना जा रहा है। वैश्विक नौसेना विश्लेषकों के मुताबिक चीन के पास इस समय 50 से ज्यादा पनडुब्बी और करीब 350 पोत हैं।

2014 में भारत का कुल रक्षा उत्पादन 40 हजार करोड़ रुपए था, जो अब बढ़कर 1.8 लाख करोड़ रुपए हो गया है। इस तथ्य से साफ है कि देश रक्षा सामग्री उत्पादन में आत्मनिर्भर हो रहा है। पहले भारत सैन्य हथियार, वाहन और उपकरणों के निर्माण के लिए सार्वजनिक क्षेत्र के संस्थानों पर ही निर्भर था। नतीजतन रक्षा सामग्री का निर्माण अत्यंत धीमी गति से हो रहा था। कागजी कार्यवाही पूरी करने में ही लंबा समय बीत जाता था। किंतु जबसे निजी क्षेत्र को रक्षा सामग्री उत्पादन की अनुमति दी है, तब से निरंतर उत्पादन में वृद्धि के साथ, निर्यात भी बढ़ता जा रहा है। यह निर्यात वर्तमान में 38 हजार करोड़ रुपए के लगभग है। अब 80 देशों को भारत निर्मित हथियार, वाहन और अन्य उपकरण निर्यात किए जा रहे हैं। 2029 तक रक्षा निर्यात 50 हजार करोड़ रुपए तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। साफ है, रक्षा सामग्री उत्पादन संस्थान अब भारतीय सेना की जरूरतों की पूर्ति के साथ विदेशी पूंजी निर्माण में भी अहम् भूमिका निभा रही है। नौसेना की ताकत बढ़ाना इसलिए जरूरी है, क्योंकि चीन दक्षिण चीन सागर में नौसेना की ताकत न केवल बढ़ा रहा है, बल्कि दूसरे देशों के सागर क्षेत्र में भी घुसपैठ करने में लगा है। इसी स्थिति को ध्यान में रखते हुए भारतीय नौसेना ने दक्षिण चीन सागर में अपना युद्धपोत तैनात कर दिया है। इसके अलावा नौसेना ने चीन की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए हिंद महासागर क्षेत्र में आने वाले अंडमान-निकोबार द्वीप समूह के नजदीक मलक्का स्ट्रेट में चीनी नौसेना के प्रवेश द्वार के निकट भी जहाज तैनात किए हैं, जिससे चीन की षड्यंत्रकारी गतिविधियों पर नजर रखी जा सके। यहीं से चीन के कई माल-वाहक जहाज अन्य महाद्वीपों में आते-जाते हैं। जहाजों की इन तैनातियों से भारतीय नौसेना ने पूर्वी और पश्चिमी दोनों ही मोर्चों पर किसी भी चुनौती से निपटने के लिए कमर कसी हुई है।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
वरिष्ठ संपादक
पंकज शुक्ला
प्रबंध संपादक
अरुण पटेल
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

डॉ. मुदिता पचौरी

बिन कॉल डिटेल्स सब सून..

आजकल की दुनिया में कॉल, कॉल डिटेल्स या कॉल रिकॉर्ड की बहुत अहमियत है।

आप अभिभावक हैं और जानना चाहते हैं कि आपका किशोर बेटा या बेटी कब कितनी देर और किससे बात करते हैं तो कॉल लिस्ट देखिए। आप अचानक स्वयं को नीर- क्षीर -विवेकी पाएँगे। सबसे पहले तो आपको पता चल जाएगा कि 'बाबू', कौन है और शोना या बेबी कौन? आप जान जाएँगे कि कोचिंग, ट्यूशन और कॉलेज के नाम पर कहाँ वक्त बिताया जा रहा है। इस मधुर वार्तालाप में कितने मिनट खर्च किए गए हैं ,इससे आपको दोस्ती की गंभीरता का पता चलेगा। अगर आप अपनी बेटी या बेटे के विवाह के लिए उपयुक्त रिश्ता तलाश रहे हैं, तो कॉल रिकॉर्ड और कॉल डिटेल्स आपके लिए जन्म कुंडली की तरह ही बहुत महत्वपूर्ण हो जाते हैं। वे कब, किससे, कितनी देर बात करते हैं इसकी जानकारी आपके लिए जन्म कुंडली गुण- मिलान से अधिक आवश्यक है। पर महोदय आपको बड़ी सावधानी से इस दुनिया में प्रवेश करना पड़ेगा क्योंकि बिना किसी की अनुमति के उसके कॉल डिटेल्स की पड़ताल गैरकानूनी है।

पुलिस की जाँच में तो कॉल डिटेल्स कौटिल्य के अर्थशास्त्र में बताए गए अनेक प्रकार के गुप्तचरों से भी अधिक काम करते हैं। इससे तलाक के प्रकरण सुलझाने में तो मदद मिलती ही है, संपत्ति के विवादों में भी कॉल डिटेल्स सबूत के तौर पर पेश किए जाते हैं। अपहरण की दशा में फिरौती की रकम माँगने वाले कर्मवीरों को भी बड़ी सावधानी बरतनी पड़ती है। बेचारे एक-एक कॉल के बाद सिम निकाल- निकाल कर फेंकते रहते हैं, वरना 'सावधानी हटी दुर्घटना घटी' की स्थिति जल्दी ही बन जाती है और उन्हें बहुत जल्दी सरकारी मेहमान बनना पड़ता है। हत्या या अन्य किसी प्रकार की धोखाधड़ी में सीडीआर से ही रहस्य की परतें खुलती हैं।

मरनेवाला और मारने वाला लाख छुपाएँ, तब भी यह पता चल ही जाता है कि कौन, किसके संपर्क में था? तब विदुर, पुरोचन और दुर्योधन से लेकर युधिष्ठिर तक की कड़ियाँ जुड़ जाती है और लाक्षागृह का रहस्य खुल ही जाता है। यही नहीं, जब किसी व्यक्ति को जबरन झूठे प्रकरण में फँसाया गया हो तो, पता चल जाता है कि वह व्यक्ति घटना के समय कहाँ था? यदि आपका कोई करीबी व्यक्ति लापता हो तो यह देखा जा सकता है कि उसने अंतिम कॉल किस देवदूत को लगाई थी ? आपका फोन खो जाने पर भी 'लास्ट कॉल थ्योरी' उसे खोजने में मदद पहुँचाती है।

कई बार सत्ता पक्ष संदिग्ध सांसदों और विधायकों के गुपचुप कॉल डिटेल्स निकलवा कर यह पता कर लेता है कि कौन सत्ता परिवर्तन का कुचक्र रच रहा है। भ्रष्ट अधिकारियों एवं कर्मचारियों के वीडियो भी कई बार उनकी लुटिया डुबा देते हैं।

महोदय, यह तो मानना ही पड़ेगा कि कॉल डिटेल्स किसी भी व्यक्ति की 'डिजिटल कुंडली' बन चुके हैं। 24 घंटे आपके साथ रहने वाला मोबाइल महाभारत कालीन गुप्तचरों से भी अधिक तेज है। भीष्म पितामह ने महाभारत के शांति पर्व में युधिष्ठिर को समझाया था कि 'राजा की आँख और कान उसके गुप्तचर होते हैं', तो आँख और कान वाला यह गुप्तचर कब आपके खिलाफ खड़ा हो जाए, पता लगाना मुश्किल है। इससे भूत, वर्तमान तथा भविष्य के पट खुलते चले जाते हैं और प्रारब्ध ,संचित एवं क्रियमाण कर्मों की तथ्यपरक जानकारी मिल जाती है; जानने वाला 'त्रिकालदर्शी' होने का अनुभव प्राप्त करता है। कंपनी की तरफ से दिए गए फोन पर आप अपनी खास दोस्त से बात नहीं कर सकते, वे कॉल लिस्ट देखेंगे और आप पकड़े जाएँगे।

लेकिन हाँ, आपने ऑनलाइन खरीददारी की और आपका पैसा गलत कट गया, ऐसे में कस्टमर केयर को लगाए गए कॉल डिटेल्स आपके लिए मददगार होंगे। अगर अनजान नंबर से बार-बार कॉल आ रहा है तो, सावधान हो जाइए यह आपको 'राजा भोज से गंगू तेली' बनाने का ओटीपी स्कैम हो सकता है। कई पंचायती अंकल सोच रहे होंगे कि वाह ! इससे तो भाटिया जी की ज़िंदगी में ताक-झांक करने का मौका मिल जाएगा। परंतु महोदय, यह सीधे-सीधे किसी की निजता में हस्तक्षेप का मामला बन सकता है। इसके लिए आपको पुलिस के वारंट की ज़रूरत पड़ेगी।तो मित्रो! हरी-भरी वादियों से लेकर समुद्र की गहराइयों तक, पहाड़ की चोटी से लेकर गहरी खाइयों तक, गाँव के नदी- नालों से लेकर नीले -हरे ड्रम तक, स्कॉर्पियो के पहियों से आपके बाथरूम की टाइल्स तक -कोई है जो आपको देख रहा है, सुन रहा है, यमराज और चित्रगुप्त जी का काम अपने हाथों में लेने की अनधिकार चेष्टा मत कीजिए; कॉल डिटेल्स आपका बेड़ा गर्क कर सकते हैं।

जब ईश्वर स्वयं मनुष्य के द्वार आते हैं

जगन्नाथ रथयात्रा

डॉ. लोकेन्द्र सिंह कोट

लेखक स्तंभकार हैं।

विश्व के अधिकांश धर्मों में मनुष्य ईश्वर की खोज में जाता है, परंतु जगन्नाथपुरी की रथयात्रा संसार का संभवतः एकमात्र ऐसा महोत्सव है जहाँ ईश्वर स्वयं अपने भक्तों के बीच आने के लिए मंदिर से बाहर निकलते हैं।

यह केवल एक धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि भारतीय दर्शन का चलता-फिरता घोषणापत्र है। यहाँ भगवान किसी राजसिंहासन पर नहीं बैठते, बल्कि लकड़ी के रथ पर बैठकर धूल भरे मार्गों से गुजरते हैं। वे जाति, वर्ग, धर्म और सम्प्रदाय की सीमाओं को तोड़ते हुए हर व्यक्ति को अपने समीप आने का अवसर देते हैं।

रथयात्रा का वास्तविक अर्थ केवल 'भगवान का भ्रमण' नहीं है, बल्कि यह उस सनातन सत्य की उद्घोषणा है कि परमात्मा किसी मंदिर, धर्मग्रंथ या व्यवस्था में कैद नहीं है; वह जीवन के बीच, समाज के बीच और मानवता के बीच उपस्थित है।

रथयात्रा की शास्त्रीय जड़ें : वेदों से जगन्नाथ तक

बहुत कम लोग जानते हैं कि रथयात्रा की अवधारणा वेदों में भी दिखाई देती है।

ऋग्वेद में सूर्य को सप्ताश्व रथ पर आरूढ़ बताया गया है। कठोपनिषद् में मानव शरीर को रथ, बुद्धि को सारथी और आत्मा को रथस्वामी कहा गया है– 'आत्मानं रथिनं विद्धि शरीरं रथमेव तु।' यहाँ रथ केवल वाहन नहीं, बल्कि जीवन का प्रतीक है।

जगन्नाथ की रथयात्रा इसी वैदिक प्रतीकवाद का विराट लोक-रूप है। भगवान स्वयं रथ पर आरूढ़ होकर मानो घोषणा करते हैं कि सम्पूर्ण जीवन एक यात्रा है और प्रत्येक जीव उस यात्रा का सहयात्री।

जगन्नाथ कौन हैं? कृष्ण, विष्णु या सम्पूर्ण ब्रह्माण्ड?

जगन्नाथ की सबसे बड़ी विशेषता उनका अनूठा स्वरूप है। न गोल मुख, न पूर्ण हाथ, न पूर्ण पैर। पहली दृष्टि में यह मूर्ति अपूर्ण प्रतीत होती है, परन्तु दार्शनिक दृष्टि से यही इसकी पूर्णता है। कई विद्वान मानते हैं कि जगन्नाथ भारत की विभिन्न आध्यात्मिक परम्पराओं के समन्वय का परिणाम हैं - वैष्णवों के कृष्ण, शैवों के भैरव, शाक्तों की शक्ति, बौद्धों के बुद्ध, आदिवासी समाज के नीलमाधव, मानो भारत की समस्त आध्यात्मिक धाराएँ एक ही मूर्ति में मिल गई हों। इसलिए जगन्नाथ केवल देवता नहीं, भारतीय एकात्मता के प्रतीक हैं।

वह कथा जो इतिहास से बड़ी है : अधूरी मूर्ति का रहस्य

लोककथा कहती है कि राजा इन्द्रद्युम्न ने भगवान विष्णु की मूर्ति बनवाने का संकल्प लिया। विश्वकर्मा एक वृद्ध शिल्पी के रूप में आए और शर्त रखी कि निर्माण के समय कोई द्वार नहीं खोलेगा। कई दिनों तक भीतर से कोई आवाज़ न आने पर रानी चिंतित हुईं। द्वार खोल दिया गया। अंदर मूर्ति अधूरी थी। हाथ अधूरे, पैर अधूरे, परंतु दिव्यता पूर्ण। विश्वकर्मा अदृश्य हो गए। तब आकाशवाणी हुई– 'यही मेरा स्वरूप है।' यह कथा केवल चमत्कार नहीं, बल्कि एक गहरा दार्शनिक संदेश है– पूर्णता अधूरेपन में भी छिपी होती है।

रथयात्रा: भारतीय लोकतंत्र का प्राचीनतम उत्सव

एक अद्भुत तथ्य यह है कि जगन्नाथ के सामने राजा और सामान्य व्यक्ति समान हैं। पुरी के गजपति महाराज स्वयं रथ के सामने स्वर्ण झाड़ू लगाते हैं। इसे 'छेरा पहरा' कहा जाता है। राजा झाड़ू लगाता है। भगवान रथ पर बैठते हैं। जनता रथ खींचती है। यह दृश्य हजारों वर्षों से भारतीय संस्कृति को यह सिखाता आया है कि सत्ता का सर्वोच्च आदर्श सेवा है, शासन नहीं।

रथयात्रा की वैज्ञानिकता: क्यों खींचते हैं लाखों लोग एक ही रस्सी?

रथयात्रा का एक वैज्ञानिक पक्ष भी है। जब लाखों लोग एक ही उद्देश्य से एक ही रस्सी को पकड़ते हैं, तब सामूहिक चेतना का निर्माण होता है। आधुनिक मनोविज्ञान इसे 'सिंक्रोनाइज़्ड सोशल बिहेवियर' कहता है। सामूहिक प्रार्थना, सामूहिक गायन, सामूहिक गति मानव मस्तिष्क में ऑक्सीटोसिन और सकारात्मक न्यूरोकेमिकल्स को बढ़ाते हैं। यही कारण है कि रथयात्रा में शामिल लोग केवल धार्मिक उत्साह ही नहीं, बल्कि गहरे मानसिक आनंद का अनुभव करते हैं।

तीन रथ: भारतीय दर्शन का चलता हुआ त्रिवेणी-संगम

तीनों रथ केवल वाहन नहीं हैं। नन्दिघोष (जगन्नाथ), ज्ञान का प्रतीक, तालध्वज (बलभद्र), शक्ति का प्रतीक, दर्पदलन (सुभद्रा)करुणा का प्रतीक / जब ये तीनों साथ चलते हैं तो मानो भारतीय जीवन-दर्शन कहता है– ज्ञान बिना शक्ति अधूरी है। शक्ति बिना करुणा खतरनाक है। करुणा बिना ज्ञान दिशाहीन है।

चमत्कारों की कथाएँ: आस्था के इतिहास में दर्ज रहस्य

रथयात्रा से जुड़े अनेक रहस्य आज भी चर्चा का विषय हैं। कहा जाता है कि कई बार लाखों लोगों की शक्ति से भी रथ नहीं चलता, और अचानक कुछ क्षण बाद स्वयं चल पड़ता है। लोकविश्वास है कि यह भगवान की इच्छा पर निर्भर करता है। एक अन्य मान्यता यह भी है कि रथयात्रा के समय समुद्र की हवाओं का प्रवाह सामान्य नियमों से भिन्न अनुभव होता है। वैज्ञानिक इन घटनाओं को प्राकृतिक कारणों से समझाने का प्रयास करते हैं, जबकि भक्त इन्हें दिव्य संकेत मानते हैं। आस्था और विज्ञान के बीच यही संवाद भारतीय संस्कृति की विशेषता है।

एक नया दृष्टिकोण: क्या रथयात्रा ब्रह्माण्ड की यात्रा का प्रतीक है?

यदि गहराई से देखा जाए तो जगन्नाथ की रथयात्रा मनुष्य की आध्यात्मिक यात्रा का रूपक प्रतीत होती है। मंदिर = जन्मपूर्व चेतना, रथ = शरीर, मार्ग = जीवन, गुंडिचा मंदिर = आत्मबोध, फिर वापसी = जीवन से मोक्ष की ओर यात्रा, इस दृष्टि से रथयात्रा केवल भगवान का भ्रमण नहीं, बल्कि आत्मा की ब्रह्म तक पहुँचने की कथा है।

जगन्नाथ: भारत की सांस्कृतिक एकता का सबसे बड़ा प्रतीक

उत्तर से दक्षिण, पूर्व से पश्चिम, हर भाषा, हर जाति, हर समुदाय का व्यक्ति इस उत्सव में सम्मिलित होता है। जगन्नाथ का अर्थ ही है– 'जगत का नाथ' अर्थात् वह जो किसी एक सम्प्रदाय का नहीं, सम्पूर्ण मानवता का है।

जगन्नाथ रथयात्रा : समय, चेतना और संस्कृति की अनन्त यात्रा

रथयात्रा हमें यह सिखाती है कि ईश्वर ऊँची दीवारों के भीतर कैद नहीं है। वह वहाँ है जहाँ मनुष्य है, जहाँ करुणा है, जहाँ सेवा है, जहाँ प्रेम है। शायद इसी कारण करोड़ों लोग आज भी उस रस्सी को पकड़ने के लिए लालायित रहते हैं। वे रथ नहीं खींचते, वे अपने भीतर सोए हुए ईश्वर को जगाने का प्रयास करते हैं। और तभी जगन्नाथ केवल पुरी के भगवान नहीं रहते– वे सम्पूर्ण मानवता की यात्रा के सहयात्री बन जाते हैं।

नवकलेवर: जब भगवान भी नया शरीर धारण करते हैं

भारतीय दर्शन का एक मूल सिद्धांत है–आत्मा अमर है, शरीर परिवर्तनशील।भगवद्गीता कहती है– 'वासांसि जीर्णानि यथा विहाय नवानि गृह्णाति नरोऽपराणि।'

अर्थात् मनुष्य पुराने वस्त्र त्यागकर नए धारण करता है, उसी प्रकार आत्मा भी शरीर बदलती है। जगन्नाथ परम्परा में यह सिद्धांत केवल उपदेश नहीं, बल्कि जीवंत अनुष्ठान है। निश्चित वर्षों के अंतराल पर जब अधिकमास की विशेष गणना बनती है, तब 'नवकलेवर' सम्पन्न होता है। इस अवसर पर भगवान जगन्नाथ, बलभद्र, सुभद्रा और सुदर्शन की नई काष्ठमूर्तियाँ निर्मित की जाती हैं।

दुनिया के अधिकांश धर्मों में ईश्वर अपरिवर्तनीय माना जाता है, किंतु यहाँ भगवान स्वयं परिवर्तन स्वीकार करते हैं। यह संदेश अत्यंत गहरा है– परिवर्तन मृत्यु नहीं है, परिवर्तन जीवन का नियम है।

आधुनिक मनोविज्ञान भी बताता है कि जो व्यक्ति परिवर्तन को स्वीकार कर लेता है, उसका मानसिक संतुलन अधिक मजबूत रहता है। संभवतः नवकलेवर इसी सार्वभौमिक सत्य का आध्यात्मिक रूपक है।

दारु-ब्रह्म: वृक्ष में छिपा हुआ परमात्मा

जगन्नाथ परम्परा का सबसे रहस्यमय पक्ष 'दारु-ब्रह्म' है। विशेष चिह्नों वाले नीम वृक्षों की खोज की जाती है। इन वृक्षों का चयन केवल वनस्पति विज्ञान का विषय नहीं, बल्कि एक गूढ़ आध्यात्मिक प्रक्रिया है।

लोक विश्वास है कि भगवान स्वयं स्वप्न में संकेत देते हैं कि उनका नया स्वरूप किस वृक्ष में छिपा है।

यह विचार भारतीय संस्कृति की उस दृष्टि को दर्शाता है जिसमें वृक्ष केवल जैविक इकाई नहीं, बल्कि चेतना का केंद्र हैं। उपनिषदों ने वृक्षों को 'जीवित प्राण' कहा है। आज विज्ञान भी स्वीकार करता है कि वृक्ष आपस में संवाद करते हैं, चेतावनी संकेत भेजते हैं और जटिल जैविक नेटवर्क बनाते हैं। हजारों वर्ष पहले भारतीय मनीषा ने जिस वृक्ष-चेतना को अनुभव किया था, आधुनिक विज्ञान अब उसकी पुष्टि करने लगा है।

जगन्नाथ और आदिवासी संस्कृति: भारत की सांस्कृतिक समरसता का अद्भुत उदाहरण

जगन्नाथ की उत्पत्ति को लेकर अनेक मत हैं, किंतु एक रोचक धारणा यह है कि उनका मूल स्वरूप आदिवासी देवता 'नीलमाधव' से जुड़ा है। ओड़िशा के वनवासी समुदायों में लकड़ी के देवताओं की पूजा प्राचीन काल से प्रचलित रही है। बाद में वैदिक, पुराणिक और भक्ति परम्पराएँ इससे जुड़ती चली गईं।

यदि यह दृष्टि सही है तो जगन्नाथ भारतीय संस्कृति के उस अद्भुत समन्वय का प्रतीक हैं जिसमें कोई परम्परा नष्ट नहीं होती, बल्कि बड़ी धारा में समाहित हो जाती है। जगन्नाथ का स्वरूप मानो कहता है– भारत विजेता सभ्यता नहीं, समावेशी सभ्यता है।

रथ निर्माण: लकड़ी में छिपा हुआ गणित

हर वर्ष नए रथ बनाए जाते हैं। यह परम्परा अपने आप में इंजीनियरिंग का चमत्कार है।

बिना आधुनिक कंप्यूटर मॉडलिंग के सदियों से विशाल रथ निर्मित होते आ रहे हैं। रथों के पहियों की संख्या, ऊँचाई, चौड़ाई, भार-वितरण और संतुलन अत्यंत सूक्ष्म गणनाओं पर आधारित हैं। नन्दिघोष, 16 पहिए, तालध्वज, 14 पहिए, दर्पदलन, 12 पहिए, यह क्रम भी प्रतीकात्मक माना जाता है। कुछ विद्वान इसे भारतीय अंकदर्शन, कालचक्र और ब्रह्माण्डीय व्यवस्था से जोड़कर देखते हैं। रथ वास्तव में चलते-फिरते वास्तुशास्त्र हैं।

गुंडिचा मंदिर: क्या यह हृदय का प्रतीक है?

रथयात्रा में भगवान मुख्य मंदिर से निकलकर गुंडिचा मंदिर जाते हैं।

सामान्यतः इसे भगवान की मौसी का घर कहा जाता है। परन्तु वैष्णव संतों ने इसकी गहरी व्याख्या की है। उनके अनुसार श्रीमंदिर परमात्मा का धाम है और गुंडिचा मंदिर भक्त का हृदय। जब भगवान वहाँ जाते हैं तो इसका अर्थ है– ईश्वर भक्त के भीतर प्रवेश कर रहा है। भक्ति साहित्य में इसे 'हृदय-यात्रा' कहा गया है।

श्री चैतन्य महाप्रभु और रथयात्रा

यदि जगन्नाथ रथयात्रा के इतिहास से श्री चैतन्य महाप्रभु को हटा दिया जाए तो कथा अधूरी रह जाएगी। सोलहवीं शताब्दी में चैतन्य महाप्रभु रथयात्रा के समय प्रेम और भक्ति में इतने विभोर हो जाते थे कि हजारों लोग उनके साथ नृत्य करने लगते थे। उनके लिए रथयात्रा केवल उत्सव नहीं थी।

वह इसे कृष्ण और राधा के पुनर्मिलन का प्रतीक मानते थे। इस प्रकार रथयात्रा दर्शन से आगे बढ़कर प्रेम का महाकाव्य बन जाती है।

विदेशी यात्रियों की आँखों से जगन्नाथ

मध्यकाल में अनेक विदेशी यात्रियों ने पुरी का वर्णन किया। वे इस बात से चकित थे कि लाखों लोग बिना किसी केंद्रीय नियंत्रण के एक साथ चल रहे हैं। उनके लिए यह केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि मानव संगठन की अद्भुत क्षमता का उदाहरण था। आज के समाजशास्त्री इसे 'स्वतःस्फूर्त सामाजिक समन्वय' का उत्कृष्ट उदाहरण मानते हैं।

रथयात्रा और क्वांटम चेतना: एक आधुनिक दृष्टि

यह एक नया और रोचक विचार है। क्वांटम भौतिकी बताती है कि ब्रह्माण्ड मूलतः परस्पर जुड़ी हुई ऊर्जा का जाल है। भारतीय दर्शन कहता है– 'ईशावास्यमिदं सर्वम्।' अर्थात् सबमें वही एक चेतना व्याप्त है। जब लाखों लोग एक साथ 'जय जगन्नाथ' का उद्घोष करते हैं, तब व्यक्तिगत चेतनाएँ सामूहिक अनुभव में बदल जाती हैं। यह केवल धार्मिक घटना नहीं, बल्कि सामूहिक मनोविज्ञान और चेतना का अनूठा प्रयोग भी है।

रथयात्रा के चमत्कार: इतिहास और लोकविश्वास के बीच

जगन्नाथ परम्परा में अनेक चमत्कारों की कथाएँ प्रचलित हैं। महाप्रसाद कभी कम नहीं पड़ता - लोकविश्वास है कि लाखों श्रद्धालुओं के आने पर भी महाप्रसाद पर्याप्त हो जाता है। रथ का रुक जाना- कई बार रथ अप्रत्याशित रूप से रुक जाता है और पूजा-अर्चना के बाद पुनः चल पड़ता है। ब्रह्म पदार्थ का रहस्य- नवकलेवर के समय पुरानी मूर्तियों से नए विग्रहों में स्थानांतरित होने वाले 'ब्रह्म पदार्थ' का रहस्य आज भी परम्परा के भीतर सुरक्षित है। इन घटनाओं को आस्था अलग दृष्टि से देखती है और विज्ञान अलग दृष्टि से। किंतु दोनों के बीच संवाद बना रहता है।

एक बालक के रक्षक बने विट्ठल

आस्था

अमित राव पवार

युवा लेखक

एक पारिवारिक संस्मरण,जो बताता है कि श्रद्धा का सबसे बड़ा प्रमाण अनुभव होता है,भारत की सांस्कृतिक परंपरा में कुछ पर्व केवल तिथियाँ नहीं होते,वे लोकजीवन की आत्मा बन जाते हैं। आषाढ़ी एकादशी ऐसा ही एक महापर्व है,जो महाराष्ट्र ही नहीं,पूरे देश के करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है। इस दिन 'पंढरपुर' स्थित भगवान श्री विट्ठल-रुक्मिणी मंदिर में दर्शन के लिए लाखों श्रद्धालु पहुँचते हैं। चंद्रभागा नदी में स्नान,हरिनाम,संकीर्तन,वारकरी परंपरा की पदयात्राएँ और 'जय जय राम कृष्ण हरी' का अखंड घोष इस तीर्थ को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर देता है। सदियों से यह विश्वास जीवित है कि पांडुरंग विट्ठल अपने भक्तों की पुकार अवश्य सुनते हैं।

ऐसी ही आस्था से जुड़ा एक सत्य संस्मरण मध्य प्रदेश के देवास स्थित 'पवार परिवार' में आज भी श्रद्धापूर्वक सुनाया जाता है। यह घटना लगभग 'एक शताब्दी पूर्व की है,' किंतु परिवार की स्मृतियों में आज भी उतनी ही जीवंत है,मानो कल की बात हो। मध्यप्रदेश के मालवा अंचल के देवास निवासी श्रीमती मंजुलाबाई अमृतराव पवार साहेब अपने पाँच से सात वर्षीय पुत्र के साथ आषाढ़ी एकादशी के अवसर पर पंढरपुर पहुँची थीं। उस समय न आधुनिक परिवहन था,न यात्रियों के लिए आज जैसी सुविधाएँ। फिर भी श्रद्धा के बल पर लोग कठिन यात्राएँ करते थे। पंढरपुर पहुँचकर उन्होंने पहले अपने पुत्र को चंद्रभागा नदी में स्नान कराया और फिर मंदिर की सीढ़ियों पर बैठाकर मराठी में स्नेहपूर्वक कहा– 'बाळा, इथेच बस.मी आंघोळ करून लगेच येते. 'अर्थात, 'बेटा,यहीं बैठे रहना। मैं स्नान करके अभी आती हूँ।' किन्तु नियति ने उस दिन उनके विश्वास की एक कठिन परीक्षा लेनी थी। जब मंजुलाबाई साहेब स्नान कर लौटीं,तो उनका पुत्र वहाँ नहीं था। देखते ही देखते उनका हृदय आशंका से भर उठा। अपार भीड़ में वे व्याकुल होकर अपने पुत्र को खोजने लगीं। दूसरी ओर नन्हा बालक भी अपनी माँ को ढूँढ़ते-ढूँढ़ते रोने लगा। माँ और पुत्र दोनों एक-दूसरे को पुकार रहे थे,पर लाखों श्रद्धालुओं के शोर में उनकी आवाज़ें कहीं विलीन हो गईं। इसी बीच एक वृद्ध,संतस्वरूप बाबा उस रोते हुए बालक के पास आए। उन्होंने बड़े स्नेह से उसके आँसू पोंछे और मराठी में पूछा, 'बाळा,का रडतोस?' बालक ने मासूमियत से उत्तर दिया, 'माझी आई दिसत नाही. 'अर्थात, 'मेरी आई दिखाई नहीं दे रही है।' वृद्ध ने प्रेमपूर्वक उसे प्रसाद के दो लड्डू दिए,उसका भय दूर किया और मंदिर के समीप

एक चबूतरे पर बैठाकर कहा, 'इथेच बस.तुझी आई नक्की येईल।' यानी, 'यहीं बैठे रहो,तुम्हारी माँ अवश्य आ जाएगी।' कुछ समय बाद पुत्र की खोज में व्याकुल मंजुलाबाई साहेब की दृष्टि उसी चबूतरे पर बैठे अपने पुत्र पर पड़ी। वे भावविह्वल होकर 'बाळा... बाळा...' पुकारती हुई उसके पास दौड़ीं और उसे अपने हृदय से लगा लिया। उस क्षण शब्द गौण हो गए; माँ और पुत्र दोनों की आँखों से बहते आँसू ही उनके मिलन की भाषा बन गए। बालक ने शांत होने पर पूरी घटना अपनी माँ को सुनाई। मंजुलाबाई साहेब ने चारों ओर उस वृद्ध संत को खोजा,पर वे कहीं दिखाई नहीं दिए। उसी क्षण उनके अंतर्मन में यह अनुभूति जागी कि वह कोई सामान्य वृद्ध नहीं थे,बल्कि स्वयं पांडुरंग विट्ठल थे,जिन्होंने भक्त की पुकार सुनकर उसके पुत्र की रक्षा की। यह अनुभूति किसी तर्क का विषय नहीं थी। यह एक माँ के विश्वास और उसके अनुभव का सत्य था। वे श्रद्धा से अभिभूत होकर भगवान विट्ठल के दर्शन करने पहुँचीं और कृतज्ञ मन से देवास लौट आईं। समय बीतता गया। वही बालक आगे चलकर देवास के प्रथम फोटोग्राफर एवं आर्टिस्ट श्री गणपतराव पवार साहेब के रूप में प्रतिष्ठित हुए। उन्होंने अपने परिवार के साथ-साथ तत्कालीन देवास रियासत का भी नाम गौरवान्वित किया। आज उनके चौथी पीढ़ी तक परिवार कला,संस्कृति और सामाजिक योगदान के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान बनाए हुए है।परिवार के सदस्यों के अनुसार,स्व.श्री गणपतराव साहेब जब भी इस घटना का स्मरण करते थे,उनकी आँखें स्वतः भर आती थीं। उन्होंने यह संस्मरण दशकों पूर्व एकादशी के अवसर पर अपनी चौथी पुत्रवधु श्रीमती ज्योति प्रेमराव पवार जी को सुनाया था। उस समय भी वे भावुक हो उठे थे। तभी से यह प्रसंग परिवार की अमूल्य धरोहर के रूप में पीढ़ी-दर-पीढ़ी सुरक्षित है। ऐसे संस्मरणों को केवल चमत्कार की दृष्टि से नहीं देखना चाहिए। भारतीय समाज में परिवारों के भीतर पीढ़ियों से संजोई गई स्मृतियाँ हमारी सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। वे यह बताती हैं कि कठिन परिस्थितियों में मनुष्य को संबल देने वाली सबसे बड़ी शक्ति उसका विश्वास होता है। आस्था का अर्थ अंधविश्वास नहीं, बल्कि वह आत्मिक आश्रय है जो विपत्ति के क्षणों में मनुष्य को टूटने नहीं देता।

पंढरपुर की परंपरा भी यही कहती है कि भगवान विट्ठल केवल मंदिर के गर्भगृह तक सीमित नहीं हैं। वे अपने भक्त के विश्वास,करुणा और जीवन के अनुभवों में उपस्थित रहते हैं। संभव है कि किसी के लिए यह एक संयोग हो,किसी के लिए एक आध्यात्मिक अनुभव; किंतु जिन लोगों ने इसे जिया है, उनके लिए यह ईश्वर की कृपा का सजीव प्रमाण है। आषाढ़ी एकादशी का संदेश भी यही है कि निष्कलुष श्रद्धा मनुष्य को भीतर से दृढ़ बनाती है। जब विश्वास निर्मल हो और भक्ति निष्कपट,तब ईश्वर किसी न किसी रूप में अपने भक्त का हाथ थाम ही लेते हैं। शायद इसी विश्वास ने पंढरपुर को केवल एक तीर्थ नहीं,बल्कि करोड़ों लोगों के हृदय का आध्यात्मिक आश्रय बना दिया है।

लॉर्ड्स में लिखा भारतीय महिला क्रिकेट का स्वर्णिम इतिहास

उपलब्धि

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'

लेखक शिक्षाविद् हैं।

क्रिकेट की दुनिया में यदि किसी मैदान को खेल का तीर्थ कहा जाए, तो वह लॉर्ड्स है। यहां जीत केवल उपलब्धि नहीं, बल्कि सर्वोच्च गौरव का प्रतीक मानी जाती है। इसी ऐतिहासिक धरती पर भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने ऐसा स्वर्णिम इतिहास रचा, जिसने केवल रिकॉर्ड नहीं बदले, बल्कि विश्व क्रिकेट की सोच को भी नई दिशा दी। इंग्लैंड जैसी सशक्त टीम को 270 रनों के विशाल अंतर से पराजित कर भारतीय शेरनियों ने साबित कर दिया कि महिला क्रिकेट अब संभावनाओं का नहीं, उत्कृष्टता का पर्याय बन चुका है। यह जीत महज एक टेस्ट मुकाबले की सफलता नहीं, बल्कि वर्षों के संघर्ष, अथक परिश्रम, अटूट विश्वास और निरंतर साधना का प्रतिफल है। इस ऐतिहासिक क्षण ने करोड़ों भारतीयों के हृदय को गर्व से भर दिया और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का अमिट अध्याय लिख दिया।

शुरुआत से ही भारतीय टीम ने मैच पर अपना वर्चस्व स्थापित कर दिया था। गेंदबाजों ने इंग्लैंड की मजबूत बल्लेबाजी को खुलकर खेलने का अवसर नहीं दिया। खासकर भारतीय स्पिन आक्रमण ने अपनी सटीकता और विविधता से मेजबान बल्लेबाजों को पूरी तरह जकड़ लिया। हर विकेट के साथ भारत का आत्मविश्वास बढ़ता गया और इंग्लैंड का प्रतिरोध कमजोर पड़ता गया। बल्लेबाज़ी में स्मृति मंधाना की उपयोगी पारी और यस्तिका भाटिया के शानदार शतक (113) ने मजबूत आधार तैयार किया, जबकि मध्यक्रम की महत्वपूर्ण साझेदारियों (ऋचा घोष की नाबाद 50 रन की पारी सहित) ने बढ़त को निर्णायक बना दिया। बल्लेबाजों ने संयम और आक्रामकता का संतुलन दिखाया, वहीं गेंदबाजों ने अनुशासित प्रदर्शन से साबित कर दिया कि भारतीय महिला टीम अब हर विभाग में परिपक्व, संतुलित और किसी भी चुनौती के लिए पूरी तरह तैयार है।

जीत को इतिहास में बदलने का क्षण चौथे दिन आया। भारतीय गेंदबाजों ने इंग्लैंड की दूसरी पारी को मात्र 186 रनों पर समेटकर 270 रनों की ऐतिहासिक विजय पर मुहर लगा दी। यह सफलता किसी एक खिलाड़ी की नहीं, बल्कि सामूहिक समर्पण, सटीक रणनीति और अनुशासित खेल की जीत थी। हर खिलाड़ी ने अपनी भूमिका बखूबी निभाई, जो टीम की सबसे बड़ी ताकत बनकर उभरी। कप्तान की सूझबूझ, गेंदबाजों का प्रभावी उपयोग, सटीक क्षेत्ररक्षण और शानदार तालमेल ने इंग्लैंड को पूरे मैच में दबाव में रखा। मानसिक दृढ़ता और तकनीकी श्रेष्ठता के बल पर भारतीय टीम हर मोर्चे पर मेजबानों पर भारी रही। इस प्रदर्शन ने साबित कर दिया कि भारतीय महिला टीम अब दुनिया की किसी भी मजबूत टीम को उसकी सरज़मीं पर हराने का दम रखती है। टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने वाली क्रांति गौड़ के 5/37 (पहली पारी) और स्नेह राणा के 4 विकेट (दूसरी पारी) ने इंग्लैंड को चित किया।

इस जीत का सबसे गौरवपूर्ण पक्ष यह रहा कि भारतीय महिला टीम ने पहली बार लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर टेस्ट जीत का परचम लहराया। भारतीय पुरुष टीम इस मैदान पर कई यादगार सफलताएं हासिल कर चुकी है, लेकिन अब भारतीय शेरनियों ने भी अपने प्रदर्शन से यहां अमिट पहचान बना ली। यह केवल एक रिकॉर्ड नहीं, बल्कि वर्षों के संघर्ष, मेहनत और अर्जित आत्मविश्वास की सशक्त अभिव्यक्ति है। इंग्लैंड की सरज़मीं पर मेजबान टीम को इस अंदाज़ में हराना बताता है कि भारतीय महिला क्रिकेट अब विदेशी परिस्थितियों में भी उतना ही मजबूत और निडर है। इस विजय ने विश्व क्रिकेट को स्पष्ट संदेश दिया कि भारत की महिला टीम अब केवल चुनौती स्वीकार नहीं करती, बल्कि नए मानक गढ़ने के इरादे से मैदान में उतरती है।

भारतीय महिला क्रिकेट की यह उपलब्धि उन संघर्षपूर्ण दिनों की याद भी दिलाती है, जब सीमित संसाधनों, कम अवसरों और उपेक्षा के बीच खिलाड़ियों ने अपने हौसले को जीवित रखा। आज वही संघर्ष विश्व मंच पर सम्मान बनकर चमक रहा है। स्मृति मंधाना, हरमनप्रीत कौर और यस्तिका भाटिया जैसी खिलाड़ियों ने केवल व्यक्तिगत उपलब्धियां ही नहीं, बल्कि टीम भावना से सामूहिक सफलता की नई मिसाल भी कायम की। आपसी विश्वास और एकजुटता ने हर चुनौती को अवसर में बदल दिया। यह जीत उन हजारों बेटियों के लिए प्रेरणा है, जो छोटे शहरों, गांवों और साधारण मैदानों से भारत की जर्सी पहनने का सपना देखती हैं। भारतीय शेरनियों ने सिद्ध कर दिया कि प्रतिभा, परिश्रम और अटूट संकल्प के सामने कोई बाधा टिक नहीं सकती।

इस ऐतिहासिक सफलता का श्रेय केवल खिलाड़ियों को नहीं जाता। भारतीय क्रिकेट बोर्ड द्वारा महिला क्रिकेट को बेहतर सुविधाएं, प्रतियोगिताएं और प्रशिक्षण उपलब्ध कराने की पहल ने इस बदलाव की मजबूत नींव रखी है। खेलों को बढ़ावा देने वाली सरकारी नीतियों ने भी खिलाड़ियों का आत्मविश्वास बढ़ाया है, जिसके सकारात्मक परिणाम अब अंतरराष्ट्रीय मंच पर दिखाई दे रहे हैं। फिर भी यह मंजिल नहीं, बल्कि नई शुरुआत है। आगे विश्व कप, एशिया कप और द्विपक्षीय श्रृंखलाओं जैसी कठिन परीक्षाएं इंतजार कर रही हैं। इसलिए इस जीत को निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन में बदलना ही सबसे बड़ी चुनौती होगी। यदि यही समर्पण, अनुशासन और टीम भावना कायम रही, तो भारतीय महिला क्रिकेट विश्व की अग्रणी ताकत बनने से कोई नहीं रोक सकेगा।

लॉर्ड्स की यह जीत भारतीय खेल जगत का ऐसा स्वर्णिम अध्याय है, जिसे समय कभी धूमिल नहीं कर सकेगा। जब भी कोई युवा खिलाड़ी कठिनाइयों से निराश होगा, यह मुकाबला उसे साहस, धैर्य और आत्मविश्वास की नई प्रेरणा देगा। भारतीय शेरनियों ने साबित कर दिया कि प्रतिभा का मूल्य अवसर से तय होता है, लिंग से नहीं। यह केवल क्रिकेट की जीत नहीं, बल्कि समान अवसर, महिला सशक्तिकरण और बड़े सपनों की बुलंद उड़ान का प्रतीक है। इंग्लैंड पर 270 रनों की यह प्रचंड विजय वर्षों तक भारतीय क्रिकेट की प्रेरक पहचान बनी रहेगी। लॉर्ड्स से गूंजी यह गाथा दुनिया को बता गई कि भारतीय महिला क्रिकेट अब इतिहास का हिस्सा भर नहीं, बल्कि नया इतिहास गढ़ने वाली ताकत बन चुका है।

स्काईरूट केए 5 विक्रम-1 कल भरेगा पहली परीक्षण उड़ान

भोपाल। भारत की निजी अंतरिक्ष कंपनी स्काईरूट एयरोस्पेस का पहला ऑर्बिटल रॉकेट विक्रम-1 18 जुलाई को सुबह 11:30 बजे आंध्र प्रदेश स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र (एसडीएससी-शार) के पहले लॉन्च पैड से अपनी पहली परीक्षण उड़ान भरने का प्रयास करेगा। यह पहली बार होगा जब किसी निजी भारतीय कंपनी द्वारा पूरी तरह डिजाइन और विकसित ऑर्बिटल श्रेणी का रॉकेट भारतीय धरती से उड़ान भरेगा। इस अभियान का नाम मिशन आगमन रखा गया है, जो वैश्विक प्रक्षेपण सेवाओं के क्षेत्र में भारत के निजी अंतरिक्ष उद्योग के प्रवेश का प्रतीक है।

स्काईरूट एयरोस्पेस के सह-संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) पवन कुमार चंदाना ने कहा, हमने विक्रम-1 की जमीनी स्तर पर हर संभव जांच और परीक्षण पूरा कर लिया है। अब 18 जुलाई को पहली बार वास्तविक उड़ान परिस्थितियों में इसके प्रदर्शन को देखने का इंतजार है। यह हमारी पहली परीक्षण उड़ान है, जिससे हमें बेहद महत्वपूर्ण आंकड़े प्राप्त होंगे। यही आंकड़े भविष्य में नियमित अंतरिक्ष प्रक्षेपण क्षमता विकसित करने की हमारी योजना की मजबूत नींव बनेंगे।

मिशन आगमन स्काईरूट का दूसरा मिशन है। इससे पहले 18 नवंबर 2022 को कंपनी ने विक्रम-एस का सफल उप-कक्षीय (सब-ऑर्बिटल) प्रक्षेपण किया था, जो भारत की धरती से अंतरिक्ष तक पहुंचने वाला पहला निजी रॉकेट बना था।

उप मुख्यमंत्री ने की मां कंकाली की पूजा अर्चना

प्रदेशवासियों के सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की

भोपाल। उप मुख्यमंत्री एवं शहडोल जिले के प्रभारी मंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने शहडोल जिले के ग्राम अंतरा स्थित कंकाली मंदिर पहुंचकर मां कंकाली के दर्शन किए तथा विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। उन्होंने प्रदेशवासियों के सुख, शांति, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना करते हुए सभी के जीवन में उन्नति और मंगल की प्रार्थना की।इस अवसर पर पूर्व विधायक श्रीमती प्रमिला सिंह, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती उर्मिला काटरे सहित अन्य लोगों ने भी पूजा अर्चना की।

किराना व्यापारी से लूट के प्रयास में एक गिरफ्तार

पुलिस ने सीसीटीवी, मुखबिर की मदद से पकड़ा, दूसरा फरार

बैतूल। गंज थाना क्षेत्र में किराना व्यापारी से लूट के प्रयास के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी साक्ष्य और मुखबिर की सूचना के आधार पर इस वारदात का खुलासा किया। घटना 1 जुलाई की रात रामकृष्ण बगिया के पास हुई थी। दिलबहार चौक स्थित किराना दुकान के संचालक अपने पिता के साथ अलग-अलग स्कूटी से घर लौट रहे थे। तभी मोटरसाइकिल पर सवार दो नकाबपोश बदमाशों ने उन्हें रोका। आरोपियों ने व्यापारी की आंखों में मिर्च पाउडर फेंका और चाकू दिखाकर स्कूटी में रखा बैग लूटने का प्रयास किया। हालांकि, बैग में नकदी न मिलने और व्यापारी के पिता द्वारा शोर मचाने पर बदमाश मौके से फरार हो गए। यह वारदात पुलिस कंट्रोल रूम, एसपी कार्यालय और पुलिस लाइन से कुछ ही दूरी पर हुई थी, जिसके कारण यह मामला काफी चर्चा में रहा। घटना के बाद कांग्रेस नेता अम्बरदीप बुनकर सहित कई लोग मौके पर पहुंचे थे, जिन्होंने बदमाशों का पीछा भी किया था। पुलिस ने घटनास्थल और शहर के कई सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। फुटेज में आरोपी वारदात के बाद भागते हुए और एक टोल प्लाजा से गुजरते हुए कैद हुए थे। इन साक्ष्यों के आधार पर पुलिस आरोपियों तक पहुंची। जांच अधिकारी उप निरीक्षक उत्तम मस्तकार ने टीआई नीरज पाल के नेतृत्व में कार्रवाई की। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्य और मुखबिर की सूचना के आधार पर नर्मदापुरम निवासी अरुण पिता भुजंग महार (25) को हिरासत में लिया। पूछताछ में अरुण ने अपने साथी के साथ वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया। इस मामले में दूसरा आरोपी अभी फरार है, जिसकी तलाश जारी है। पुलिस दोनों आरोपियों के आपराधिक रिकॉर्ड भी खंगाल रही है, ताकि यह पता चल सके कि वे पहले भी ऐसी वारदातों में शामिल रहे हैं या नहीं।

2579 किसानों ने कराया पंजीयन, 298 ने कराये स्लॉट बुक

समर्थन मूल्य में 110 किसानों से खरीदी 516 क्विंटल मूंग

एस. द्विवेदी, बैतूल। ग्रीष्मकालीन मूंग और उड़द की सरकारी खरीदी 1 जुलाई से शुरू हो चुकी है। मूंग बेचने के लिए 2569 किसानों ने अपना पंजीयन कराया है, जबकि 298 किसानों ने स्लॉट बुक किये है। इन किसानों में से 110 किसानों ने 516 क्विंटल मूंग समर्थन मूल्य पर बेची है। जिले में इस बार मूंग बेचने के लिए 2579 किसानों 4355 हेक्टेयर के लिए पंजीयन कराया है। कृषि विभाग के अनुसार जिले में करीब 15,435 हेक्टेयर क्षेत्र में मूंग की बोवनी हुई है, जिससे लगभग 9,261 मीट्रिक टन उत्पादन का अनुमान है। वहीं उड़द की फसल 214 हेक्टेयर में बोई गई है और करीब 128 मीट्रिक टन उत्पादन होने की संभावना है। लेकिन लंबे समय तक समर्थन मूल्य में खरीदी शुरू नहीं होने से किसान उपज को मंडी में बेच रहे थे, जहां किसानों को पांच से छह हजार रूपये प्रति क्विंटल मूंग बेचना पड़ रहा था। लेकिन अब सरकार द्वारा समर्थन मूल्य में मूंग-उड़द खरीदी शुरू किये जाने से किसानों में खुशी है, क्योंकि समर्थन मूल्य में सरकार ने मूंग के दाम 8768 रुपए प्रति क्विंटल तय किया है। ऐसे में किसान समर्थन मूल्य में मूंग बेचते है तो उन्हें प्रति क्विंटल 1500 से 2 हजार रूपये प्रति क्विंटल का मुनाफा होगा। यहीं वजह है कि इस बार किसानों ने मूंग बेचने के लिए बड़े पैमाने पर पंजीयन कराया है।

पिछले साल 5153 किसानों ने कराया था पंजीयन-

पिछले साल जिले में समर्थन मूल्य पर मूंग की खरीदी की गई थी। इस दौरान मूंग बेचने के लिए 5153 किसानों ने पंजीयन कराया था, जिसमें से 4394 किसानों ने 12887 एमटी (मैट्रिक टन) मूंग बेची थी। हालांकि इस बार कम किसानों ने पंजीयन कराया है। इस साल मूंग के लिए पंजीयन कराने वाले किसानों की संख्या मात्र 2579 है। प्रशासन का कहना है कि केवल उन्हीं किसानों की उपज खरीदी जाएगी, जिनका सत्यापन पोर्टल पर पूर्ण हो चुका होगा। हालांकि इस बार किसानों की सुविधा के लिए प्रशासन ने रानीपुर स्थित गायत्री वेयरहाउस को नया खरीदी केंद्र बनाया है। इधर कृषि विभाग के अधिकारी भी लगातार खरीदी केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा ले रहे हैं, ताकि किसानों को उपज बेचने में किसी प्रकार की परेशानी न हो।

जिले में मूंग खरीदी के लिए बनाये 13 केन्द्र- जिले में समर्थन मूल्य पर मूंग खरीदी के लिए 13 केन्द्र बनाये है। इन केन्द्रों में गायत्री वेयर हाउस रानीपुर, मधुरीना वेयर हाउस जीन, शिव सरोजनी वेयर हाउस बैतूल, श्रीराम वेयर हाउस सोहागपुर, वैगवन चंडी वेयर हाउस जीन, विनायकम वेयर हाउस आठवां मिल, बालाजी वेयर हाउस सूखाढाना, तिरूपति वेयर हाउस जुवाड़ी, गुप्ता लाजिस्टी वेयर हाउस सिलपाटी शाहपुर, सुरभि वेयर हाउस शाहपुर, जगदंबे वेयर हाउस आठनेर, रामा वेयर हाउस हिडली और किलेदार वेयर हाउस भैंसदेही को खरीदी केन्द्र बनाया है। इस साल किसानों की सुविधा के लिए प्रशासन ने रानीपुर स्थित गायत्री वेयरहाउस को नया खरीदी केंद्र बनाया है।

इनका कहना है -

अभी तक 110 किसानों से 516 क्विंटल मूंग की खरीदी की जा चुकी है। समर्थन मूल्य पर खरीदी अगामी 10 अगस्त तक चलेगी। अभी खरीफ सीजन की बोवनी का कार्य चल रहा है, इसलिए किसान खरीदी केंद्रों तक नहीं पहुंच रहें हैं। बुआई कार्य के बाद उम्मीद है कि किसान उपज लेकर केन्द्र पहुंचने लगेंगे।

- रामगोपाल रजक, उप संचालक, कृषि विभाग जिला बैतूल

किसानों की मांग, खरीदी की सीमा बढ़ाएं

किसानों का कहना है कि इस बार उत्पादन अच्छा है, इसलिए खरीदी की सीमा बढ़ाकर अधिक मात्रा में उपज समर्थन मूल्य पर खरीदी जानी चाहिए। इस वर्ष शासन ने मूंग का समर्थन मूल्य 8,768 रुपये प्रति क्विंटल तथा उड़द का 7,800 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया है। हालांकि कई किसान गिरदावरी पोर्टल पर रिकॉर्ड अपडेट नहीं होने से उड़द के पंजीयन से वंचित रह गए। पंजीयन 25 मई से 15 जून तक किया गया था। हालांकि अभी समर्थन मूल्य पर मूंग बेचने के लिए किसानों के केन्द्र नहीं पहुंचने के पीछे का एक कारण यह भी है कि किसान खरीफ फसल की बुआई में जुटे है। जैसे ही किसान बुआई के कार्य पूर्ण कर लेगे, किसानों का मूंग लेकर खरीदी केन्द्र पहुंचना शुरू हो जायेगा। जिससे खरीदी को रफ्तार मिलेगी।

10 अगस्त तक चलेगी खरीदी

1 जुलाई से शुरू हुई समर्थन मूल्य पर मूंग खरीदी 10 अगस्त तक चलेगी। हालांकि किसानों ने मूंग की उपज बेचने के लिए पंजीयन करवा लिया है। किसान स्लॉट भी बुक करा रहे है। जिन किसानों ने स्लॉट बुक किए हैं, आने वाले दिनों में उपज लेकर केंद्रों पर पहुंचने की उम्मीद है। कृषि अधिकारियों का कहना है कि मानसून के दौरान नमी होने पर रिजेक्शन के खतरे से बचने किसान अपनी उपज को अच्छी तरह सुखाकर और साफ करके ही केंद्र पर ले जाएं। खरीदी केंद्र पर जाते समय अपना पंजीयन नंबर, आधार कार्ड, बैंक पासबुक और मोबाइल (ओटीपी के लिए) साथ रखना न भूलें। किसान स्लॉट बुक कराने के बाद ही मूंग लेकर केन्द्र पहुंचे, ताकि उन्हें परेशानियों का सामना न करना पड़े।

जानलेवा हमला करने वाले चार आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा

बैतूल। जानलेवा हमला करने वाले चार आरोपियो को न्यायालय ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। इस मामले में विशेष न्यायालय अनुसूचित जाति/जनजाति अधिनियम जिला बैतूल के न्यायाधीश रईस खान साहब ने ग्राम गौला के आरोपीगण मुकेश गावडे पिता सुदामा गांवडे, अजय गावंडे पिता सुदामा गांवडे, अंतीम गावंडे पिता सुदामा गांवडे, राजकुमार पिता बुधु मालवीय को दोषी पाते हुए धारा 307/34 आईपीसी एवं 3(2)(5) अनुसूचित जाति/जनजाति अधिनियम में आजीवन कारावास एवं अर्थदण्ड से दण्डित किया है। घटना के दिन 2 अप्रैल 2022 को रात्रि 9 बजे फरियादी संजय झारखंडे अपनी पत्नी बच्चे के साथ पूजा करने के लिए जा रहा था। गांव के चौक के पास से नारियल खरीदने के लिए रुका, तो गौला के आरोपी मुकेश और अजय जातिगत गाली देकर पुराने केस में समझौता करने को कहने लगे, जब फरियादी ने मना किया। तो इस बात से नाराज होकर दोनों आरोपी ने लात-घूसों से मारपीट करना शुरू कर दिया। दो आरोपी अंतिम, राजकुमार भी घटना स्थल पर आ गए और चारों आरोपियों ने संजय और उसकी पत्नी के साथ गाली-गलौज कर मारपीट करने लगे। आरोपी मुकेश ने चाकू निकालकर फरियादी संजय के पेट में और कंधे पर मारा। उसकी पत्नी मनजु बचाने आई, तो उस पर भी चाकू से वार किया। जिससे उसको जांघ और हाथ की अंगुली पर चोट आई। पुलिस ने उक्त गंभीर मामले में जांच की तथा आरोपी मुकेश से चाकू जप्त किया। इस मामले को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। न्यायालय ने मामले की सुनवाई करते हुए आरोपियों को सजा सुनाई। प्रकरण में शासन की ओर से विशेष लोक अभियोजक शशिकांत नागले ने सशक्त पैरवी की थी।

छात्रावास अधीक्षक पर शराब पीकर पिटाई करने का आरोप

18 किमी पैदल चलकर कलेक्ट्रेट पहुंचकर कलेक्टर को बताई आपबीती

बैतूल। जनजातीय कार्य विभाग के छात्रावास में अधीक्षक पर गंभीर आरोप छात्रों ने लगाए हैं। इन्हीं आरोपों को लेकर पीएमश्री हायर सेकेंडरी स्कूल पाढर के छात्रावास के लगभग 33 छात्र आज पाढर से बैतूल पैदल पहुंचे और कलेक्टर से मुलाकात कर अधीक्षक पर गंभीर आरोप लगाते हुए बताया कि अधीक्षक शराब पीकर छात्रावास में आते हैं और बेवजह पीटते हैं। इसके अलावा यह भी आरोप है कि जो छात्र लेट आते हैं उनसे रुपए की मांग की जाती है और कुछ से मुर्गा भी मांगा जाता है। इस मामले में कलेक्टर ने जांच कमेटी गठित कर तीन दिन के अंदर पूरे मामले की जांच कराने के निर्देश दिए हैं। पीएम श्री हायर सेकेंडरी स्कूल पाढर के छात्रावास के 33 छात्र आज 18 किलोमीटर पैदल चलकर कलेक्ट्रेट पहुंच गए। कक्षा 10वीं, 11वीं और 12 वीं के ये छात्र छात्रावास की समस्याओं को लेकर कलेक्टर से मिलने की मांग पर अडे हुए थे। कलेक्ट्रेट परिसर में एसडीएम और तहसीलदार ने छात्रों से बात करने का प्रयास किया। उन्होंने करीब एक घंटे तक जमीन पर बैठकर छात्रों को समझाने

और उनकी समस्या जानने की कोशिश की, लेकिन छात्रों ने कुछ भी बताने से इनकार कर दिया। छात्रों का कहना था कि वे अपनी बात केवल कलेक्टर के सामने ही रखेंगे। इस दौरान जिला पंचायत उपाध्यक्ष हंसराज धुर्वे भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने भी छात्रों से चर्चा कर उनकी समस्या जानने का प्रयास किया, लेकिन छात्रों ने उन्हें भी कोई जानकारी नहीं दी।

कलेक्टर को बताई आपबीती - स्थिति की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने पीएम श्री हायर सेकेंडरी स्कूल पाढर छात्रावास के अधीक्षक सिरसाम सिंह परते को कलेक्ट्रेट बुलाया गया। छात्रों ने अधीक्षक के सामने भी अपनी शिकायतें बताने से इनकार कर दिया। इसके बाद कलेक्टर डॉ. सौरभ संजय सोनवणे मौके पर पहुंचे।

उमरिया स्कूल में अतिरिक्त कक्षों के निर्माण की मांग

विधायक डॉ. योगेश पंडाग्रे को सौंपा 89.29 लाख का निर्माण प्रस्ताव

बैतूल। आमला विकासखंड के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय उमरिया में कक्षा ग्यारहवीं, 12वीं के तीन संकाय एवं नए व्यावसायिक पाठ्यक्रम प्रारंभ होने के कारण कक्षों की कमी को दूर करने के लिए विद्यालय परिवार ने 89.29 लाख रुपये की लागत से प्रथम तल निर्माण का प्रस्ताव क्षेत्रीय विधायक डॉ. योगेश पंडाग्रे को सौंपते हुए निर्माण कार्य को शीघ्र स्वीकृति दिलाने का आग्रह किया है। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय उमरिया में छात्रों की बेहतर शिक्षा और आधारभूत सुविधाओं के विस्तार को ध्यान में रखते हुए शाला परिवार ने लोक निर्माण विभाग (भवन) बैतूल द्वारा तैयार विस्तृत प्राक्कलन विधायक को सौंपा। प्रस्ताव के अनुसार विद्यालय के प्रथम तल पर चार अतिरिक्त कक्ष, एक बड़ा हॉल तथा बालक एवं बालिका शौचालय का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है। नवीन एस.ओ.आर. दरों के आधार पर इस निर्माण कार्य की कुल अनुमानित लागत 89.29 लाख रुपये निर्धारित की गई है। बुधवार 15 जुलाई को विद्यालय

की प्राचार्य एवं शिक्षक दल ने ग्राम खेड़ली बाजार में क्षेत्रीय विधायक डॉ. योगेश पंडाग्रे से मुलाकात कर लोक निर्माण विभाग द्वारा तैयार एस्टीमेट की प्रति सौंपी। इस दौरान विद्यालय में संचालित विभिन्न संकायों के सुचारु संचालन के लिए अतिरिक्त कक्षों के निर्माण को शीघ्र स्वीकृति प्रदान करने का मौखिक आग्रह भी किया गया। विधायक डॉ. योगेश पंडाग्रे ने पूर्व में हुई चर्चा का उल्लेख करते हुए इस दिशा में सकारात्मक कार्रवाई का भरोसा दिलाया। मुलाकात के दौरान प्राचार्य सरिता धुर्वे, शिक्षक गौरव मन्यासे, राजू लोखंडे, मोरेश लिखितकर, राजेश ठाकरे, कोमल पहाड़े, निर्मल नरवरे, लोकेश्वर गोस्वामी बाबूजी सहित समस्त शाला परिवार उपस्थित रहा। विद्यालय परिवार ने विश्वास जताया कि प्रस्तावित निर्माण कार्य पूरा होने से विद्यार्थियों को पर्याप्त बैठने की सुविधा मिलेगी, विभिन्न संकायों का संचालन अधिक व्यवस्थित होगा और विद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता में भी उल्लेखनीय सुधार आएगा।

ई-टोकन पोर्टल की तकनीकी खामियों के कारण किसानों को खाद लेने में हो रही परेशानी

बैतूल। जय आदिवासी युवा शक्ति (जयस) ने किसानों और आदिवासियों की विभिन्न ज्वलंत समस्याओं को लेकर शाहपुर में प्रदर्शन करते हुए मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम को ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शन में किसानों के साथ कांग्रेस और विभिन्न संगठन शामिल हुए। जयस प्रदेश संयोजक जामवंत सिंह कुमरे के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन में खरीफ सीजन के दौरान यूरिया उर्वरक की किल्लत, वनाधिकार पट्टों का वितरण, राजस्व अभिलेखों में सुधार तथा रेत खनन से पंचायतों को मिलने वाली राशि सहित कई महत्वपूर्ण मुद्दे उठाए गए। जयस ने आरोप लगाया कि ई-टोकन पोर्टल की तकनीकी खामियों के कारण किसानों को खाद प्राप्त करने में परेशानी हो रही है। संगठन का कहना है कि किसानों को यूरिया के साथ अनावश्यक रूप से एनपीके सहित अन्य उर्वरक खरीदने के लिए बाध्य किया जा रहा है, जिससे उन पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है। ज्ञापन में मांग की गई कि यूरिया वितरण की व्यवस्था आधार कार्ड के माध्यम से सरल और पारदर्शी बनाई जाए, ताकि किसानों को खाद के लिए भटकना न पड़े। ज्ञापन में आदिवासियों के वनाधिकार का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया।

मातृ एवं शिशु मृत्यु दर तथा खसरा को शून्य तक पहुंचाने वाली पंचायतों को मिलेगा सुमन पंचायत पुरूस्कार : उप मुख्यमंत्री

भोपाल। विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए स्वस्थ्य भारत के लक्ष्य को प्राप्त करना होगा। प्रदेश सरकार ने मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने के लिए विशेष प्रयास कर रही है। राज्य सरकार ने मातृ एवं शिशु मृत्यु दर एवं खसरा बीमारी को शून्य तक पहुंचाने वाली ग्राम पंचायतों को सुमन पंचायत पुरूस्कार योजना के तहत 5 लाख रूपये की सम्मान राशि देगी। प्रदेश में स्वास्थ्य के क्षेत्र में लगातार संसाधनों एवं अधोसंरचना के क्षेत्र में कार्य किया जा रहा है। सरकार द्वारा निःषुल्क जांच एवं उपचार की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है जरूरत है शासकीय सुविधाओं और योजनाओ की जानकारी देकर लोगो को अस्पताल तक पहुंचाने तथा उनके उपचार में मदद करने की। यह विचार मध्यप्रदेश शासन के उप मुख्यमंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने जनपद पंचायत सोहागपुर के ग्राम पंचायत खैरहा में आयोजित लोकार्पण एवं भूमिपूजन कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किये।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि शासकीय सेवक तथा जनप्रतिनिधि समन्वय बनाकर सजगता के साथ कार्य करते हुए विकास को गति प्रदान करें। आपने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा खनिज मद में संबंधित जिले को क्षेत्र विकास के लिए 30 प्रतिषत राशि जिला खनिज मद के माध्यम से उपलब्ध कराते है। प्रधानमंत्री श्री नरेद्र मोदी के नेतृत्व में ग्रामीण क्षेत्रो में अधोसंरचना तथा स्वच्छता एवं पर्यावरण पर आधारित कार्यों के लिए वीबी रामजी योजना प्रारंभ की गई है। इस योजना में अब लोगो को 125 दिन की मजदूरी मिलेगी तथा मजदूरी दर में भी वृद्धि करते हुए 300 रूपये कर दी गई है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए शहडोल संसदीय क्षेत्र की सांसद श्रीमती हिमाद्री सिंह ने कहा कि डबल इंजन की सरकार में विकास कार्यों के लिए पैसो की कमी नहीं होगी। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में ग्रामीण क्षेत्रो में शहरी क्षेत्रो की जैसी सुविधाएं विकसित की जा रही है। सरकार सबका साथ सबका विकास, सबका विष्वास तथा सबका प्रयास के सिद्धांत पर कार्य कर रही है। सभी लोग देष के विकास में सहभागी बनें। उन्होंने कहा कि शीघ्र ही खैरहा ग्राम पंचायत में सोलर लाइट की सौगात मिलेगी। जैतपुर विधायक श्री जयसिंह मरावी ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि वीबी जी रामजी योजना से ग्राम पंचायतें अपनी कार्य योजना के अनुसार अधोसंरचना के कार्य कर सकेंगी। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा माताओं एवं बहनो के लिए लाडली बहना योजना तथा किसानों के लिए प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि एवं मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का संचालन कर रही है।

निर्माणाधीन कार्यों को पूर्ण कर जनप्रतिनिधियों से कराएं लोकार्पण : उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

शहडोल। उप मुख्यमंत्री एवं शहडोल जिले के प्रभारी मंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल की उपस्थिति में जिला विकास सलाहकार समिति की बैठक कलेक्टर कार्यालय के विराट सभागार में आयोजित की गई। उप मुख्यमंत्री ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि शहडोल जिले में निर्माणाधीन कार्यों को गुणवत्ता के साथ तेजी से पूर्ण कर उनका लोकार्पण स्थानीय जन प्रतिनिधियों से कराए। उप मुख्यमंत्री ने बैठक में विजयसोता पुल निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि पुल निर्माण कार्य को तेजी से करते हुए आगामी 31 अक्टूबर तक पूर्ण करें जिससे आमजन को लाभ मिल सकें। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में एनीमिया मुक्त भारत अभियान चलाया जा रहा है। एनीमिया मुक्त भारत अभियान के तहत शहडोल जिले के विद्यालयों में स्वास्थ्य शिविरो का आयोजन कर बालिकाओं का हीमोग्लोबिन,एनीमिया सहित अन्य स्वास्थ्य परीक्षण किए जाएं एवं आवश्यकता अनुसार उन्हें दवाइयां प्रदान करें।

नगर की समस्यायों को लेकर युवक कांग्रेस डोर टू डोर चलाएगी अभियान, 4 साल हिसाब दो जवाब दो

सोहागपुर। वाटिका ग्रार्डन में नगर की विभिन्न समस्याओं को लेकर युवक कांग्रेस एवं नगर कांग्रेस कांग्रेस नेता पुष्पराजसिंह पटेल, पूर्व नपाध्यक्ष संतोष मालवीय, ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष सुधीर ठाकुर,नगर कांग्रेस अध्यक्ष प्रशांत जायसवाल आदि की उपस्थिति में संपन्न हुई। इस बैठक में कांग्रेस की रणनीति यह दिखाई दे रही है कि आगामी 5 अगस्त को भाजपा की नगर पंचायत परिषद को चार साल पूर्ण कर लेंगी। इस कारण कांग्रेस चाह रही है कि वह नगर पंचायत परिषद में चर्चित गड़बड़ियों की पड़ताल करके भाजपा को घेरने के मंसूबों दिख रहे हैं। इस बैठक में कांग्रेस डोर टू डोर अभियान चलाकर प्रधानमंत्री आवास, सफ़ाई एवं जल व्यवस्था के अलावा घटिया सड़क निर्माण का जायजा ले गयी। इस संबंध में जिला युवक कांग्रेस उपाध्यक्ष ऋषभ दीक्षित ने बताया कि

नगर के समस्त वार्डो में हुई अनियमितता को एकत्रित करके नगर पंचायत परिषद का घेराव करेगी। इस अवसर पर पार्षद धर्मदास बैलवशी, पार्षद भास्कर मांझी, वकील कार्तिक शर्मा, वकील देवान्शु शर्मा, कमलेश प्रजापति मालवीय, आकाश चौरसिया, सचिन श्रोती, अंकित पटेल, नितिन चौरसिया, राम बाबू सराठे,ओपी पटेल, इलियास खान,नीरज चौधरी, प्रखर शर्मा, सौरभ पटेल,शरद सराठे, अर्पित तिवारी, चुन्नीलाल मुद्गल, पूर्व नगर कांग्रेस अध्यक्ष गजेन्द्र चौधरी आदि उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

कलेक्टर विश्वकर्मा की अध्यक्षता में शासकीय स्कूलों के प्राचार्यों की समीक्षा बैठक संपन्न

रायसेन (निप्र)। रायसेन स्थित डाइट भवन में कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा की अध्यक्षता में जिले के शासकीय हाईस्कूल और हायर सेकेण्डरी स्कूलों के प्राचार्यो की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। जिसमें शासकीय स्कूलों के बोर्ड परीक्षाओं के परिणामों की विस्तृत समीक्षा करते हुए आगामी सत्र के लिए प्रभावी रणनीति तैयार करने पर चर्चा की गई। उन्होंने शासकीय विद्यालयों के परीक्षा परिणाम में गुणात्मक सुधार लाने तथा विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने के निर्देश देते हुए कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी की सफलता विद्यालय, शिक्षक और अभिभावकों की साझा जिम्मेदारी है। जिले के शासकीय विद्यालयों में शत-प्रतिशत परीक्षा परिणाम हेतु अभी से कार्ययोजना बनाते हुए प्रयास किए जाएं। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने प्राचार्यों से कहा कि विद्यालयों में नियमित शैक्षणिक गतिविधियां, समय पर पाठ्यक्रम पूर्ण करना, मॉडल टेस्ट, अतिरिक्त अभ्यास, अभिभावक-शिक्षक संवाद तथा विद्यार्थियों की सतत मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करने, उनकी समस्याओं का समय पर समाधान करने तथा सकारात्मक शिक्षण वातावरण विकसित करने पर भी विशेष जोर दिया। बैठक में जिन शासकीय विद्यालयों का परीक्षा परिणाम बेहतर रहा, उनके नवाचारों एवं सफल प्रयासों को अन्य विद्यालयों के साथ साझा किया गया। वहीं अपेक्षाकृत कम परिणाम वाले विद्यालयों के लिए विशेष कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए गए। बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी श्री डीडी रजक, अन्य अधिकारी और जिले के शासकीय हाईस्कूल तथा हायर सेकेण्डरी विद्यालयों के प्राचार्य उपस्थित रहे।

सांची विधायक डॉ चौधरी ने जिला अस्पताल में दस्तक अभियान का किया शुभारंभ

रायसेन (निप्र)। जिला अस्पताल में मंगलवार को आयोजित कार्यक्रम में सांची विधायक डॉ प्रभुराम चौधरी तथा नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सविता सेन द्वारा दस्तक अभियान का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर विधायक डॉ चौधरी ने कहा कि जिले में 14 जुलाई से 31 अगस्त तक चलने वाले दस्तक अभियान के प्रथम चरण में स्वास्थ्य अमले द्वारा घर-घर जाकर 0-5 साल तक के बच्चों के स्वास्थ्य की जांच की जाएगी। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य 0-5 साल तक के बच्चों में होने वाली गंभीर बीमारियों जैसे डायरिया, निमोनिया, एनीमिया और कुपोषण की पहचान कर उनका त्वरित उपचार सुनिश्चित करना है। इस अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सभी मिलकर कार्य करें और कोई भी लक्षित बच्चा छूटे नहीं, यह सुनिश्चित कराएं। कार्यक्रम में सीएमएचओ डॉ दिनेश खत्री ने बताया कि दस्तक अभियान के तहत स्वास्थ्य विभाग द्वारा महिला बाल विकास विभाग के सहयोग से घर-घर दस्तक देकर 0-5 वर्ष तक के बच्चों को दस्त की रोकथाम हेतु ओरआरएस जिंक का वितरण, विटामिन-ए का अनुपूरण, कुपोषित बच्चों की पहचान एवं उपचार, आयरन सिरप का सेवन एवं मौसमी बीमारियों का चिन्हांकन और उचित उपचार किया जाएगा। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि, सिविल सर्जन डॉ अनिल ओढ़, जिला टीकाकरण अधिकारी सहित अन्य चिकित्सक उपस्थित रहे।

मेरा युवा भारत' कार्यक्रम की जिला सलाहकार समिति की बैठक संपन्न

हरदा (निप्र)। मेरा युवा भारत अंतर्गत जिला सलाहकार समिति की बैठक कलेक्टर श्री सिद्धार्थ जैन की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में सम्पन्न हुई। बैठक में उन्होंने जिले में www.mybharat.gov.in पोर्टल पर 15 से 29 आयु वर्ग के अधिक से अधिक युवाओं का पंजीयन, विभिन्न विभागों के मध्य समन्वय तथा वार्षिक कार्ययोजना अंतर्गत आयोजित होने वाले कार्यक्रमों पर विस्तृत चर्चा कर अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। बैठक में सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों से अपने-अपने विभाग, शैक्षणिक संस्थानों, ग्राम पंचायतों, अशासकीय संगठनों तथा अन्य माध्यमों से अधिक से अधिक युवाओं का ''माय भारत'' पोर्टल पर पंजीयन सुनिश्चित कराने का आग्रह किया गया। साथ ही प्रत्येक विभाग एवं संस्था से ''माय भारत'' गतिविधियों के प्रभावी संचालन हेतु समन्वय स्थापित करने पर बल दिया गया।

■ कलेक्टर ने आयुष्मान आरोग्य केंद्रों एवं आंगनबाड़ी केंद्रों का किया निरीक्षण

कोई भी बच्चा और गर्भवती महिला टीकाकरण से न छूटे

■ ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस केवल औपचारिक कार्यक्रम नहीं बल्कि मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाने का प्रभावी माध्यम है

▸▸ महिला बाल विकास और स्वास्थ्य विभाग मिलकर करें कार्य - कलेक्टर

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने ग्राम नापलाखेड़ी, सतपिपलिया एवं धामंदा स्थित आयुष्मान आरोग्य केंद्रों तथा आंगनबाड़ी केंद्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस के अंतर्गत किए जा रहे बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं के टीकाकरण, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं, दवाओं की उपलब्धता तथा आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों को दिए जा रहे पोषण आहार का निरीक्षण किया।

उन्होंने रजिस्टरों का अवलोकन कर टीकाकरण की प्रगति, लाभार्थियों की संख्या तथा अभिलेखों की अद्यतन स्थिति की जानकारी भी ली। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने निर्देश दिए कि जिले के सभी बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं का शत-प्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित किया जाए तथा स्वास्थ्य केंद्रों पर आवश्यक दवाओं एवं अन्य संसाधनों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस केवल औपचारिक कार्यक्रम नहीं बल्कि मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाने का प्रभावी माध्यम है। इसलिए दोनों विभाग बेहतर समन्वय के साथ कार्य करें तथा प्रत्येक सत्र का गंभीरता से संचालन सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने महिला एवं बाल विकास विभाग तथा स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि टीकाकरण से संबंधित आंकड़े दोनों विभागों के अभिलेखों में एक समान होना चाहिए। यदि किसी प्रकार का अंतर पाया जाता है तो उसे तत्काल दूर किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि दोनों विभाग प्रत्येक माह संयुक्त रूप से रिकॉर्ड का मिलान करें तथा लाभार्थियों की सूची का सत्यापन करें, जिससे कोई भी बच्चा या गर्भवती महिला छूटने न पाए। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने निर्देश दिए कि प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को आयोजित होने वाले ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस का नियमित निरीक्षण किया जाए। उन्होंने कहा कि जिला स्तर पर सीएमएचओ एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी संयुक्त रूप से निरीक्षण करेंगे।

इसी प्रकार विकासखंड स्तर पर बीएमओ एवं सीडीपीओ संयुक्त रूप से निरीक्षण करेंगे, जबकि सेक्टर स्तर पर स्वास्थ्य विभाग एवं महिला एवं बाल विकास विभाग की सुपरवाइजर संयुक्त रूप से निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की समीक्षा करेंगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि निरीक्षण के दौरान प्राप्त कमियों का तत्काल निराकरण कराया जाए तथा सभी स्तरों पर निरंतर मॉनिटरिंग की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। कलेक्टर ने कहा कि स्वास्थ्य एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के बीच बेहतर समन्वय, नियमित निरीक्षण और सतत निगरानी से मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार होगा तथा शासन की योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र हितग्राही तक प्रभावी रूप से पहुंच सकेगा। निरीक्षण के दौरान सीएमएचओ डॉ सुधीर कुमार डेहरिया, महिला बाल विकास विभाग जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री ज्ञानेश खरे सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

दिल्ली की ओडीओपी टीम ने विदिशा की कृषि उपकरण निर्माण इकाइयों का किया निरीक्षण

विदिशा (निप्र)। भारत सरकार के उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग तथा इन्वेस्ट इंडिया की ओडीओपी (वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट) टीम ने मंगलवार को विदिशा जिले की कृषि उपकरण निर्माण से जुड़ी ओडीओपी इकाइयों का भ्रमण कर उनकी उत्पादन क्षमता, तकनीकी संसाधनों एवं विकास की संभावनाओं का अवलोकन किया। दिल्ली से आई टीम में सुश्री सृष्टि गुप्ता एवं श्री अमन जैन शामिल थे। टीम ने जिले की प्रमुख कृषि उपकरण निर्माण इकाइयों मेसर्स अशोक मेटल वर्क्स, मेसर्स संजय उद्योग तथा मेसर्स ऊषा एग्रो का निरीक्षण किया। भ्रमण के दौरान इकाइयों में संचालित निर्माण प्रक्रियाओं, उत्पादों की गुणवत्ता, विपणन व्यवस्था तथा विस्तार की संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा की गई। इस अवसर पर महाप्रबंधक, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र (डीआईसी), विदिशा तथा एमपीआईडीसी के कंसल्टेंट भी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने टीम को जिले में ओडीओपी के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों, उद्योगों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं तथा स्थानीय उद्यमियों को दिए जा रहे प्रोत्साहन की जानकारी दी। भ्रमण के उपरांत ओडीओपी टीम ने कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता से सौजन्य भेंट की। बैठक में जिले की ओडीओपी इकाइयों को और अधिक सशक्त बनाने, आधुनिक तकनीक, विपणन, ब्रांडिंग, वित्तीय सहायता तथा अन्य आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराने के संबंध में विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने कहा कि विदिशा की कृषि उपकरण निर्माण इकाइयों में बेहतर संभावनाएं हैं। इनके विकास के लिए शासन की विभिन्न योजनाओं का अधिकतम लाभ दिलाने तथा आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराने के लिए जिला प्रशासन निरंतर प्रयासरत है।

एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत जिले में हुआ व्यापक पौधरोपण

बैतूल (निप्र)। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत जिले के विभिन्न विकासखंडों में व्यापक स्तर पर पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, हरित क्षेत्र का विस्तार तथा जनसामान्य को वृक्षारोपण एवं पौधों के संरक्षण के लिए प्रेरित करना रहा। विकासखंड बैतूल की ग्राम पंचायत कढ़ाई स्थित कढ़ाई देव पहाड़ी पर आयोजित पौधारोपण कार्यक्रम में जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री हंसराज धुर्वे मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। वहीं ग्राम पंचायत की सरपंच श्रीमती पुष्पा झरवड़े की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम का समन्वयन मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक श्री संतोष सिंह राजपूत द्वारा किया गया। इस अवसर पर नवांकुर संस्था भूपेंद्र ग्रामोत्थान महिला एवं बाल विकास समिति के अध्यक्ष श्री भूपेंद्र मालवीय सहित जीवनलाल, श्यामराव देशमुख, मुन्नालाल यादव, धनराज रावत, विष्णु घेरकी, राजन यादव, नीलम कड़वे, शिवपाल यादव, गोकुल यादव तथा ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति कढ़ाई के सदस्य, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। इसी श्रृंखला में विकासखंड घोड़ाडोंगरी के ग्राम घुग्गी कान्हावाड़ी में ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति कान्हावाड़ी द्वारा 100 महुआ के पौधों का रोपण किया गया। इस अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता नरेंद्र उइके, जोधा धुर्वे, रामशंकर गोहे, सुखलाल धुर्वे, परिषद के परामर्शदाता जतिन प्रजापति एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। सभी ने पौधों के संरक्षण एवं नियमित देखभाल का संकल्प लेते हुए पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। वहीं विकासखंड आठनेर में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत सातनेर सेक्टर के ग्राम टेमनी में समिति एवं नवांकुर संस्था तापी प्रभास नागरिक सेवा समिति द्वारा 11 फलदार एवं छायादार पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम के दौरान विकासखंड समन्वयक मधु चौहान ने आगामी वर्षा ऋतु में ग्राम में बड़े स्तर पर पौधारोपण अभियान चलाने की योजना पर चर्चा की तथा ग्रामीणों से अधिकाधिक पौधे लगाने एवं उनके संरक्षण का आह्वान किया। सभी स्थानों पर कार्यक्रम के दौरान सहभागियों ने उत्साहपूर्वक पौधारोपण कर पौधों के संरक्षण एवं संवर्धन का संकल्प लिया तथा अधिक से अधिक वृक्ष लगाकर उनकी नियमित देखभाल करने का संदेश दिया। उपस्थित अतिथियों ने कहा कि 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान केवल पौधारोपण तक सीमित नहीं है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ, हरित एवं संतुलित पर्यावरण के निर्माण का जनआंदोलन है।

यदि प्रत्येक व्यक्ति अपनी मां के सम्मान में एक पौधा लगाकर उसका संरक्षण करे, तो पर्यावरण संरक्षण की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण और स्थायी पहल सिद्ध होगी।

आंगनवाड़ी केन्द्र से दस्तक सह स्टॉप डायरिया अभियान का किया शुभारंभ

बैतूल (निप्र)। कलेक्टर डॉ.सौरभ संजय सोनवणे के मार्गदर्शन में मंगलवार को आंगनवाड़ी केंद्र दुर्गा वार्ड से दस्तक अभियान प्रथम चरण सह स्टॉप डायरिया कैंपेन 2026 का शुभारंभ किया गया। इस दौरान नगर पालिका उपाध्यक्ष श्री महेश राठौर, नगर पालिका पार्षद श्री संतोष भलावी, नगर पालिका पार्षद श्री नरेन्द्र हरसुले, सांसद प्रतिनिधि श्री बन्डू धोटे ने बच्चों को विटामिन ए की खुराक पिलाई। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों ने कहा कि दस्तक अभियान बाल मृत्यु दर रोकने के लिए शासन का एक महत्वपूर्ण अभियान है। सभी माताएं इस अभियान का लाभ लें। हमारा भी यह प्रयास रहेगा कि अभियान को हम हर घर तक पहुंचाकर इसका लाभ दिलायेंगे। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मनोज कुमार हुरमाड़े ने बताया कि दस्तक अभियान का उद्देश कुपोषण मुक्त जिले को बनाना है। यह अभियान आगामी 31 अगस्त तक संचालित रहेगा। अभियान के दौरान एएनएम, आशा कार्यकर्ता एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के संयुक्त दल द्वारा 5 वर्ष की आयु वाले बच्चों के घर-घर जाकर दस्त रोग के नियंत्रण के लिए ओआरएस पैकेट, जिंक टेबलेट की प्रदायगी एवं सामुदायिक जागरूकता की जाएगी। अभियान के दौरान 9 माह से 5 वर्ष तक सभी बच्चों को आयु अनुसार विटामिन ए अनुपूरण डीएसएस टूल के माध्यम से 5 वर्ष से कम आयु के गंभीर कुपोषित बच्चों की सक्रिय पहचान तथा चिकित्सीय जटिल बच्चों का रैफरल एवं संस्थागत उपचार, 6 माह से 5 वर्ष तक के बच्चों को आईएफए अनुपूरण किया जाएगा। सीएमएचओ डॉ हुरमाड़े ने आमजन से अपील की कि स्वास्थ्य दल जब भी घर आये तो सहयोग कर बच्चों का वजन , ऊचाई व स्वास्थ्य जांच अवश्य करवायें। जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ राजेश परिहार द्वारा ओआरएस एवं जिंक गोली की उपयोगिता के बारें महिलाओं को बताया। उन्होंने स्वास्थ्य कार्यकर्ता को निर्देश दिये कि अपने-अपने क्षेत्र में घर-घर जाकर 0 से 5 वर्ष के बच्चों का परीक्षण करें, चिन्हित बीमार बच्चों को बीमारी अनुसार प्रबंधन कर आवश्यकतानुसार रैफर करें। शुभारंभ कार्यक्रम में सहायक संचालक एवं प्रभारी सीडीपीओ श्री विवेक उइके, प्रभारी संजीवनी क्लीनिक डॉ अभिनव मालवीय, सांख्यिकी अनवेषक श्री योगेश ढोके, शहरी क्षेत्र एपीएम श्री प्रकाश माकोडे, शहरी क्षेत्र स्टाफ, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं आशा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विदिशा में परिवार कल्याण कार्यक्रम की समीक्षा बैठक संपन्न

विदिशा (निप्र)। सीएमएचओ कार्यालय विदिशा में आज परिवार कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला स्वास्थ्य अधिकारी-2, जिला कार्यक्रम प्रबंधक, जिला सामुदायिक उत्प्रेरकऔर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन व आईपीएएस विकल्प के सभागीय समन्वयक सहित सभी प्रमुख अधिकारियों और विकासखंड के हितधारकों ने सहभागिता की। समीक्षा बैठक में रणनीति पर चर्चा की गई। बैठक के दौरान जिले में परिवार नियोजन सेवाओं, अस्थाई परिवार नियोजन सेवाओं की प्रगति की गहन समीक्षा की गई। अधिकारियों ने गर्भ निरोधक साधनों की पहुंच बढ़ाने, परिवार नियोजन साधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने और सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए राज्य शासन के निर्देशों के तहत आगामी कार्ययोजना पर विचार-विमर्श किया।जनसंख्या वृद्धि को नियंत्रित करने के उद्देश्य से वर्ष 2025-26 में परिवार कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य करने वाले विभिन्न संवर्गों के सेवा प्रदाताओं और आशा कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाने के लिए जिला स्तरीय अवार्ड की घोषणा की गई है।

ग्राम पंचायत कासरनी तथा आमसागर में विधिक साक्षरता शिविर सह वृक्षारोपण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

हरदा (निप्र)। म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशन एवं प्रधान जिला न्यायाधीश व अध्यक्ष श्री अरविंद रघुवंशी के मार्गदर्शन में मंगलवार को ग्राम पंचायत कासरनी तथा आमसागर में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविरों के साथ ही वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शिविर में उपस्थित न्यायाधीश व सचिव श्री चन्द्रशेखर राठौर ने उपस्थितजनों को नशामुक्ति के महत्व पर प्रकाश डालते हुए युवाओं एवं आमजन से नशीले पदार्थों से दूर रहने तथा स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया। साथ ही पॉक्सो

स्थायी लोक अदालत (लोक उपयोगी सेवाओं) के बारे में दी जानकारी

अधिनियम, 2012 के प्रावधानों की जानकारी देते हुए बच्चों के विरुद्ध होने वाले लैंगिक अपराधों की रोकथाम एवं कानूनी संरक्षण के संबंध में विस्तार से बताया। बच्चों को गुड टच एवं बैड टच के बारे में सरल एवं सहज भाषा में समझाया गया तथा किसी भी प्रकार की अनुचित घटना होने पर तत्काल अपने अभिभावकों, शिक्षकों अथवा संबंधित अधिकारियों को सूचना देने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर नालसा डॉन योजना, पीड़ित प्रतिकर योजना तथा पात्र व्यक्तियों को उपलब्ध निःशुल्क विधिक सहायता संबंधी प्रावधानों की जानकारी भी दी गई। बच्चों को शिक्षा के अधिकार एवं शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उन्हें नियमित रूप से विद्यालय जाने एवं अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया गया। शिविर में विभिन्न कल्याणकारी शासकीय योजनाओं एवं नालसा व सालसा की विधिक सहायता योजनाओं से उपस्थितजनों को अवगत कराया गया। इस अवसर पर उपस्थितजनों को बताया गया कि मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा म.प्र. में 'स्थायी लोक अदालत (लोक उपयोगी सेवाओं)' से संबंधित विवादों के निराकरण के लिये प्रदेश के सभी जिलों में स्थायी लोक अदालतों की स्थापना की गई है। स्थायी लोक अदालतें जिला न्यायालय परिसर में कार्यरत हैं।

स्थायी लोक अदालतें, लोक-उपयोगी सेवायें जैसे वायु, सड़क या जल मार्ग द्वारा यात्रियों या माल के वहन के लिए यातायात सेवा, या डाक, तार या टेलीफोन सेवा, या किसी स्थापन द्वारा जनता को विद्युत, प्रकाश या जल का प्रदाय, या सार्वजनिक मल वहन या स्वच्छता प्रणाली, या अस्पताल या औषधालय सेवा, या बीमा सेवा, से संबंधित विवादों का संज्ञान लेंगी। 'सेवाओं' से तात्पर्य ऐसी किसी भी प्रकार की सेवा से है जो उसके संभावित प्रयोगकर्ताओं को उपलब्ध कराई जाती है। कोई भी व्यक्ति लोक उपयोगी सेवाओं से संबंधित ऐसे विवाद जो न्यायालय में प्रस्तुत नहीं किये गये हैं उन विवादों का निराकरण जिला न्यायालय में स्थापित उपरोक्त स्थायी लोक अदालत के माध्यम से करा सकता है। जिला विधिक सहायता अधिकारी सौरभ कुमार दुबे द्वारा शिविर में उपस्थित ग्रामीणजनों को बढ़ते सायबर अपराधों के प्रति जागरूक करते हुए ऑनलाइन ठगी, फर्जी कॉल, ओटीपी साझा न करने, डिजिटल भुगतान में सावधानी बरतने तथा साइबर सुरक्षा के उपायों की जानकारी दी गई। इसके अतिरिक्त दहेज प्रथा जैसी सामाजिक कुरीति के दुष्परिणामों एवं उससे संबंधित कानूनी प्रावधानों की जानकारी देकर समाज को दहेजमुक्त बनाने का संदेश दिया गया। साथ ही बताया गया कि कोई भी पात्र व्यक्ति जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, हरदा या अन्य विधिक सेवा संस्थान में उपस्थित होकर, पत्र के माध्यम से, नालसा पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराकर, 15100 पर कॉल कर, विधिक सहायता या सलाह आसानी से प्राप्त कर सकता है। इस अवसर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसका उद्देश्य पर्यावरण को हरा-भरा और स्वस्थ बनाना है।

इन शिविरों में ब्लॉक समन्वयक जनपद पंचायत टिमरनी श्री पवन धार्मिक, ग्राम पंचायत कासरनी के सचिव श्री गणेश पाटिल, सह सचिव श्री मनीष गुर्जर तथा ग्राम पंचायत आमसागर के सचिव श्री कैलाश बिलारे, सह सचिव श्री दीपक चौरसिया, ग्रामीणजन, तथा पैरालीगल वॉलंटियर श्री अमजद खान सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

राइट क्लिक

चढ़ावा चोरी कांड तेजी से बढ़ते धार्मिक पर्यटन के लिए भी झटका है

अजय बोकिल

लेखक सुबह सवेरे के कार्यकारी प्रधान संपादक हैं।
संपर्क-
9893699939
ajaybokil@gmail.com

अयोध्या के श्रीराम मंदिर के चढ़ावा चोरों और उनके 'संरक्षकों' को इस बात का 'श्रेय' तो देना ही पड़ेगा कि उन्होंने देश भर में तमाम हिंदू मंदिरों के चढ़ावे और दान आदि के हिसाब किताब में चोरी चकारी और कुप्रबंधन की कलई खोलकर समूचे हिंदू समाज को उद्वेलित और आत्ममंथन के लिए विवश कर दिया है। यूं तो मंदिरों में गड़बड़ियां पहले भी होती रही होंगी, लेकिन अब तो इसका सीरियल ही चल पड़ा है। वेष्णो देवी, बद्रीनाथ धाम, गुजरात का मां अंबाजी मंदिर, मप्र के नलखेड़ा का मां बगुलामुखी मंदिर, बस्तर का मां दंतेश्वरी देवी मंदिर इन सबकी अंतर्कथा लगभग एक-सी है। चढ़ावे में चोरी, दान में, मंदिर के खजाने और जमीन वसीयतों आदि में हेराफेरी। हो सकता है कि गड़बड़ी के कुछ आरोप गलत भी हों, लेकिन इनसे यह तो साफ हो रहा है ज्यादातर मंदिरों के प्रबंधन में ऐसे लोग बैठे हैं, जिनका माया मोह भक्तों के भक्ति भाव से कहीं ज्यादा प्रबल, संगठित और मारक है। और तो और जिन मंदिरों में सरकारी अफसर बतौर सीईओ नियुक्त हैं, वहां भी गड़बड़ियां कम नहीं हैं। इन घटनाक्रमों ने हर आस्थावान हिंदू के मन में खिन्नता का भाव पैदा कर दिया है। वह मन ही मन सोचने लगा है कि आखिर इन मंदिरों में जाएं तो जाएं क्यों? जब हर जगह चोरों का ही बोलबाला है तो मंदिर में चढ़ावा चढ़ाएं क्यों? और जब भगवान खुद ही अपने घर में चोरी नहीं रोक पा रहे तो उस पर सौ फीसदी भरोसा जताए क्यों? और क्या मंदिरों का हिसाब किताब कभी सही ढंग से रखा भी जा सकेगा? क्या मालियों को ही फूल चुराने से रोका जा सकेगा? या सब कुछ वैसा ही चलता रहेगा, जैसा चल रहा है? उधर राम मंदिर चढ़ावा चोरी की एसआईटी की अंतिम रिपोर्ट अभी नहीं आई है, लेकिन चढ़ावा चोरी को जायज ठहराने वाला एक बयान यूपी विधानसभा अध्यक्ष और भाजपा नेता सतीश महाना का आ गया है। सतीशजी ने ज्ञान दिया कि वही चढ़ावा चोरी हुआ, जो भक्तों ने सच्ची श्रद्धा से नहीं दिया। एक तरह से उन्होंने श्रद्धा की शुद्धता जांचने का मीटर चढ़ावा चोरों के हाथ में ही थमा दिया। लिहाजा राम मंदिर चढ़ावा चोरी में आगे क्या होना है, इसे अभी से समझा जा सकता है।

बहरहाल जो घट रहा है, जिस तरह से निर्लज्ज चढ़ावा चोरी की खबरें फैल रही हैं और जिस तरह से इसके लिए जिम्मेदार बड़े लोग पल्ला झाड़ रहे हैं, उसका सीधा असर मंदिरों में भक्तों के सैलाब पर पड़ने लगा है। बहुतों ने अपने मंदिर टूर के कार्यक्रम या तो रद्द कर दिए हैं या फिर आगे बढ़ा दिए हैं। इस बीच अयोध्या के श्रीराम मंदिर में राम भक्तों की घटती कतारें और गिरते कारोबार की खबरें इस बात का स्पष्ट संकेत हैं। इसी संदर्भ में राम मंदिर ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद गिरी का यह बयान भी हैरान करने वाला है कि इस चढ़ावा चोरी में उनकी कोई जिम्मेदारी नहीं बनती। फिर भी वो नैतिक आधार पर पाप प्रक्षालन के लिए धार्मिक अनुष्ठान कर रहे हैं। पद से इस्तीफे का (कु) विचार तो उनके मन को छू भी नहीं गया है। जबकि हकीकत में कोषाध्यक्ष होने के नाते उन्हीं की रवानगी सबसे पहले होनी थी। लेकिन अपराध के 'नैतिक पाप प्रक्षालन' का जो तरीका गोविंद गिरी ने बताया है, उसे तो सरकार को भारतीय न्याय संहिता में शामिल करने पर विचार करना चाहिए। दिलचस्प यह भी है कि गोविंद गिरी मूलतः कृष्ण भक्त हैं और भगवद् गीता पर प्रवचन देते हैं, लेकिन उन्हें कोषाध्यक्ष श्रीराम मंदिर का बनाया गया है।

हालांकि राम मंदिर ट्रस्ट भक्तों की संख्या और चढ़ावा घटने की खबरों का खंडन कर रहा है। लेकिन अयोध्या के कारोबारियों के चेहरे पर छाई उदासी और भक्तों की दुबली होती कतारें असली कहानी कह जाती हैं। इस चढ़ावा चोरी प्रकरण का सीधा दुष्प्रभाव उस धार्मिक पर्यटन प्रमोशन थ्योरी पर भी पड़ा है, जिसके माध्यम से सरकार देश की अर्थ व्यवस्था गति देने का सपना देख रही थी।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी कांड के आरोपियों को सजा होगी या नहीं, कितनी होगी, बड़े मगरमच्छ पकड़े जाएंगे या नहीं या फिर सिर्फ लीपापोती कर भोले हिंदुओं को ठगा जाएगा, इन सवालों के जवाब अभी मिलने हैं। मंदिर की व्यवस्थाओं में सुधार के भी संकते संकेत हैं, लेकिन राम मंदिर सहित सभी बड़े मंदिरों का प्रबंधन बेदाग हो, इसके लिए क्या किया जा रहा है अथवा क्या किया जाना चाहिए, इस बारे में चीजें अभी बहुत स्पष्ट नहीं है। ऐसी कोई सामान्य और कठोर आचार संहिता पर भी बात नहीं हो रही है। चिंता की बात तो यह है कि अधिकांश मंदिरों के प्रबंधकर्ता मंदिर को 'कामधेनु' समझ कर ही काम कर रहे हैं। श्रीराम मंदिर चढ़ावा चोरी का अन्य मंदिरों के 'चोरों' के हौसलों पर कोई असर नहीं पड़ा है। उदाहरण के लिए चार धाम में से एक बद्रीनाथ धाम मंदिर के चढ़ावे में चोरी की मंदिर की आंतरिक जांच पुलिस कार्रवाई तक पहुंच गई है और एसआईटी ने मंदिर के एक कर्मचारी को गिरफ्तार भी किया है। उल्लेखनीय है कि मंदिर चढ़ावे में चोरी की शिकायत भैरव सेना के संस्थापक संदीप खत्री ने श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) के मुख्य कार्याधिकारी को लिखित रूप में की थी। राज्य सरकार ने अब इसकी जांच एक उच्च स्तरीय समिति को सौंपी है।

इसी तरह जम्मू के प्रसिद्ध श्री वैष्णो देवी मंदिर में चढ़ावे की चांदी में 550 करोड़ रू. की हेराफेरी का मामला सामने आया है। एक भक्त ने इसकी शिकायत पुलिस में की थी। जम्मू की एक अदालत ने पुलिस को शिकायत के सम्बंध में पूरा रिकॉर्ड 29 जुलाई तक पेश करने निर्देश दिया है। बताया जाता है कि मंदिर में चढ़ावे के रूप में लगभग 550 करोड़ रुपये मूल्य की चांदी प्राप्त हुई थी, जिसमें से केवल 20 से 30 करोड़ रुपए मूल्य की चांदी ही असली थी, जबकि शेष चांदी नकली या मिलावटी थी। इस कथित नकली चांदी में जहरीला 'कैडमियम' मिले होने की बात भी सामने आई है। यह मामला अब राजनीतिक रंग भी लेता जा रहा है। गुजरात के बनासकांठा जिले में स्थित प्रसिद्ध अंबाजी मंदिर दान चोरी का सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद चढ़ावा गिनती की कलेक्टर ने व्यवस्था को बदला दिया है। एक आरोपी को तुरंत नौकरी से निकाल दिया गया है।

मप्र के आगर मालवा जिले के नलखेड़ा स्थित सिद्धपीठ मां बगलामुखी मंदिर चढ़ावा चोरी मामले की जांच शुरू हो चुकी है। मंदिर के नाम पर तीन साल पहले यानी 2024 में बनी 'नलखेड़ा सुदर्शन सेवा समिति' के पदाधिकारी अंडरग्राउंड हैं। नियम विरुद्ध बनी इस समिति में 12 सदस्य हैं। समिति की वो रसीद बुक भी सामने आई है, जिसके माध्यम से समिति के लोग चंदा इकट्ठा करते थे। इस पर 'रजत सौंदर्यीकरण हेतु दान पत्र' लिखा है। समिति यह रसीद श्रद्धालुओं को दे रही थी। जिला कलेक्टर प्रीति यादव के अनुसार मामले की जांच समिति बना दी गई है। इसकी रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट तौर पर कुछ कहा जा सकता है। उल्लेखनीय है कि बगलामुखी मंदिर प्रबंध समिति के नाम से पहले से सरकारी समिति है, जिसके पदेन अध्यक्ष एसडीएम होते हैं। मंदिर के नाम और तस्वीरों का उपयोग कर फेसबुक, यूट्यूब, इंस्टाग्राम सहित कई सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर फर्जी आईडी संचालित कर ठगी का धंधा अलग चल रहा है।

उधर बस्तर के प्राचीन मां दंतेश्वरी देवी मंदिर में चार दशकों से चढ़ावे, दान, सम्पत्ति, आभूषणों का कोई हिसाब सार्वजनिक नहीं किया गया है। जबकि 6 साल पहले कोर्ट ने हिसाब सार्वजनिक करने का आदेश दिया था। न कोई जांच हुई और न ही कोई रिपोर्ट सामने आई। वर्ष 1981 के बाद से मंदिर की संपत्ति का सत्यापन भी नहीं हुआ।

मंदिरों में भक्तों की आस्था के प्रतीक चढ़ावे और दान की चोरी के निकृष्ट अपराध और नैतिक अधःपतन का गलत संदेश पूरी दुनिया में जा रहा है। इसका असर धार्मिक पर्यटन पर पड़ने लगा है। चढ़ावा चोरी की घटनाएं सार्वजनिक होने से पहले देश में धार्मिक पर्यटन और आध्यात्मिक पर्यटन 10.2 फीसदी की दर से बढ़ रहा था। भारत में कुल पर्यटन में 60 फीसदी हिस्सेदारी धार्मिक पर्यटन की हो चुकी थी। 2032 तक 2032 तक धार्मिक पर्यटन कारोबार के 4 खरब 24 अरब रूपए तक पहुंचने की उम्मीद थी। सभी प्रसिद्ध मंदिरों भक्तों के रेले उमड़ रहे थे, लेकिन अब इसकी रफ्तार मंद होने लगी है। हालात नहीं सुधरे तो अर्थ व्यवस्था के लिए भी यह बड़ा झटका होगा।

'ईसाई धर्म नहीं अपनाने पर स्कूल ने नौकरी से निकाला'

पूर्व कर्मचारी के आरोपों पर हिंदू संगठनों ने किया हंगामा

जबलपुर (नप्र)। विश्व हिंदू परिषद ने जबलपुर स्थित कैथोलिक स्कूल के बाहर हंगामा किया है। वीएचपी ने स्कूल में धर्मांतरण का आरोप लगाया है। कुछ ही देर में यह प्रदर्शन हिंसक रूप ले लिया। आरोप है कि स्कूल की इमारत पर पत्थर फेंके गए हैं। इसमें खिड़कियों के शीशे टूट गए। पुलिसकर्मियों के साथ प्रदर्शनकारियों की झड़प हुई है। कानून-व्यवस्था की स्थिति बनाए रखने के लिए वहां पुलिस बल की तैनाती की गई है।

मिशनरी द्वारा संचालित है स्कूल- जबलपुर पुलिस के अनुसार माधोताल इलाके में मिशनरी द्वारा चलाए जा रहे स्कूल के बाहर वीएचपी और बजरंग दल के बड़ी संख्या में कार्यकर्ता जमा हुए थे। आरोप था कि स्कूल के कर्मचारियों पर ईसाई धर्म अपनाने का दबाव बनाया जा रहा है। स्कूल के बाहर प्रदर्शनकारी नारेबाजी कर रहे थे। साथ ही पत्थर भी फेंके हैं। इससे बिल्डिंग को नुकसान पहुंचा है। इस प्रदर्शन में महिलाएं भी शामिल थीं।

स्थिति बिगड़ते देख अतिरिक्त पुलिस बल भेजा गया- वहीं, प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए पुलिसकर्मियों ने हस्तक्षेप किया है। इस दौरान झड़प की स्थिति भी उत्पन्न हुई। मौके पर पुलिस ने अतिरिक्त बल भी भेजा। बाद में स्थिति को नियंत्रित किया गया।

स्कूल कर्मचारी के आरोपों से विवाद की शुरुआत- इस विवाद की शुरुआत स्कूल के एक पूर्व कर्मचारी के आरोप से हुआ। उसने दावा किया था कि उसे बार-बार चर्च जाने और ईसाई धर्म अपनाने के लिए दबाव डाला गया था। उसने आरोप लगाया कि धर्म परिवर्तन से इनकार करने पर उसकी नौकरी खत्म कर दी गई।

कार्रवाई की मांग

वहीं, हिंदू संगठनों ने इन आरोपों पर निष्पक्ष जांच की मांग और दोषी लोगों पर कार्रवाई की मांग की है। साथ ही आरोप लगाया है कि शिक्षा और रोजगार देने के बहाने कर्मचारियों को धर्म बदलने के लिए मजबूर किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पहले भी ऐसी शिकायतें मिली थीं लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।

रिपोर्ट के आधार पर ही कार्रवाई की जाएगी- जबलपुर पुलिस ने कहा कि स्कूल कर्मचारियों से जुड़े धर्म परिवर्तन के आरोपों की जांच जिला शिक्षा अधिकारी की देखरेख में गठित एक समिति पहले ही पूरी कर चुकी है। आगे की कार्रवाई उस रिपोर्ट के नतीजों के आधार पर की जाएगी।

मीडिया से बात करते हुए सीएसपी सोनू कुर्मी ने कहा कि पूरी घटना की वीडियोग्राफी की गई है। उन्होंने कहा कि अगर जांच में प्रदर्शन के दौरान तोड़फोड़ या कोई अन्य आपराधिक कृत्य साबित होता है तो जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस ने कहा कि धर्म परिवर्तन के आरोपों और प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा,दोनों मामलों की जांच की जा रही है। आगे की कार्रवाई जांच के नतीजों पर निर्भर करेगी।

'मैं दोस्ती और दुश्मनी दोनों याद रखता हूं'

नरोत्तम मिश्रा ने एसपी-कलेक्टर को दी चेतावनी

दतिया (एजेंसी)। बीजेपी के सीनियर नेता और पूर्व गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने दतिया उपचुनाव की बागडोर संभाल ली है। दतिया में एक रैली को संबोधित करते हुए नरोत्तम मिश्रा ने सख्त तेवर दिखाए हैं। नरोत्तम मिश्रा ने साफ किया है मैं भूलने वाला प्राणी नहीं हूं। मैं दोस्ती और दुश्मनी दोनों याद रखता हूं। नरोत्तम मिश्रा के इस बयान के अलग-अलग मायने निकाले जा रहे हैं। दतिया में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए नरोत्तम मिश्रा ने पुलिस अधीक्षक और कलेक्टर पर निशाना साधा। नरोत्तम मिश्रा ने कहा 'मैं एक मित्र से कहना चाहता हूं कि आपने लाठीचार्ज किया, जिसका हमारे पास वीडियो है। आपको

चक्का जाम खुलवाना था तो खुलवाते, लेकिन आंसू गैस के गोले कार्यालय पर क्यों दागे गए? क्या कार्यालय की बिल्डिंग सड़क को रोक रही थी? एसपी साहब मैं भूलने वाला प्राणी नहीं हूं, मैं याद रखता हूं।

मैं दोस्ती और दुश्मनी याद रखता हूं

नरोत्तम मिश्रा ने एसपी और कलेक्टर को सख्त लहजे में कहा- 'मैं दोस्ती और दुश्मनी दोनों याद रखता हूं। मैं प्रेम और क्रोध दोनों याद रखता हूं। यहां की आवाज आप तक पहुंचेगी इसीलिए कह रहा हूं कि किसी भी कीमत पर निर्दोष कार्यकर्ताओं पर केस लगाना और निर्दोष लोगों को पीटना बर्दाश्त नहीं होगा। हम सब 3 तारीख का इंतजार कर रहे हैं। दरअसल, नरोत्तम मिश्रा दतिया उपचुनाव के लिए बीजेपी की तरफ से उम्मीदवार के प्रबल दावेदार थे। लेकिन बीजेपी ने नरोत्तम मिश्रा की जगह आशुतोष तिवारी को उम्मीदवार घोषित किया। नरोत्तम मिश्रा को टिकट नहीं मिलने के बाद उनके समर्थक और बीजेपी कार्यकर्ताओं ने नेशनल हाईवे जाम कर दिया था। हाइवे खाली करने पहुंची पुलिस की टीम और विरोध कर रहे लोगों के बीच विवाद हुआ था।

नाराज समर्थकों ने जाम किया था हाइवे

हाइवे खाली कराने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज किया था और आंसू गैस के गोले दागे थे। इसके बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए नरोत्तम मिश्रा के समर्थकों पर केस भी दर्ज किया था। इसी मामले को लेकर पूर्व मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने एक जनसभा के मंच से पुलिस कार्रवाई को लेकर तीखे तेवर दिखाए हैं। उन्होंने अधिकारियों को खुले मंच से चेतावनी दी है।

जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता : राज्यमंत्री श्रीमती गौर

भोपाल (नप्र)। राज्यमंत्री श्रीमती कृष्णा गौर ने कहा कि स्व. बाबूलाल गौर की प्रेरणा से गोविंदपुरा अंचल में जनसेवा और नव-निर्माण का जो महाअभियान प्रारंभ हुआ था, वह आज भी अनवरत गतिमान है। क्षेत्र का चहुंमुखी विकास और नागरिकों की आकांक्षाओं की पूर्ति वर्तमान सरकार की शीर्ष प्राथमिकताओं में सम्मिलित है। राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती गौर गोविंदपुरा विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत वार्ड क्रमांक 57 में भूमि-पूजन समारोह को संबोधित कर रही थी।

राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने क्षेत्रवासियों की सुख-सुविधाओं के लिए लगभग 81 लाख रुपये की लागत के विभिन्न लोक-कल्याणकारी निर्माण कार्यों की आधारशिला रखी। भगत सिंह चौराहे से शक्तिनगर तक सड़क के दोनों ओर 33 लाख रुपये की लागत से पेवर ब्लॉक का निर्माण,शक्तिनगर सेक्टर-3 स्थित शिव मंदिर के समीप श्रद्धालुओं की सुविधा के

लिए 8 लाख रुपये की लागत से शेड का निर्माण तथा स्थानीय युवाओं को खेल के आधुनिक संसाधन एवं रात्रिकालीन खेल सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सुभाष खेल मैदान में 40 लाख रुपये की लागत से अत्याधुनिक फ्लड लाइट का भूमि - पूजन किया ।

राज्यमंत्री श्रीमती कृष्णा गौर ने कहा कि क्षेत्र की बुनियादी सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण, धार्मिक व सामाजिक स्थलों का कायाकल्प और खेल प्रतिभाओं को उन्नत मंच प्रदान करना उनकी विकास नीति का एक अनिवार्य हिस्सा है। इन परियोजनाओं के पूर्ण होने से न केवल नागरिकों को उच्च स्तरीय नागरिक सुविधाएं प्राप्त होंगी, बल्कि युवा पीढ़ी को भी अपनी खेल गतिविधियों को निखारने के लिए एक सकारात्मक वातावरण और आधुनिक संसाधन उपलब्ध हो सकेंगे।

राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने निर्माण कार्यों में पारदर्शिता और उच्च गुणवत्ता बनाए रखने पर विशेष बल दिया। उन्होंने अधिकारियों एवं निर्माण एजेंसियों को निर्देश दिए कि समस्त स्वीकृत कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर और पूर्ण गुणवत्ता के साथ किए जाएं, जिससे जनता को इनका लाभ शीघ्र मिल सके। कार्यक्रम में श्री प्रताप सिंह बैंस, पार्षद श्रीमती अर्चना परमार, श्री नीरज सिंह, श्री सुरेंद्र बाड़ीका, श्री टीआर मिश्रा, श्री अशोक पटेल, श्री सुनील द्विवेदी, श्री दीपक गुप्ता, श्री केवल मिश्रा सहित नागरिक और स्थानीय रहवासी उपस्थित रहे।

बैग में दुबककर स्कूल पहुंच गई जहरीली नागिन

सागर (नप्र)। मध्य प्रदेश के सागर जिले से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है, जहां स्कूल पहुंचे एक मासूम के बस्ते से अचानक नागिन निकल आई। सांप को देखते ही क्लास में हड़कंप मच गया और बच्चे डर के मारे बाहर की तरफ भागे। यह पूरी घटना रहली विकासखंड के ग्राम चांदपुर

स्थित शासकीय प्राथमिक स्कूल की है।

मिली जानकारी के अनुसार, नर्सरी कक्षा का छात्र भास्कर अहिरवार रोजाना की तरह स्कूल आया था। जैसे ही उसने पढ़ाई के लिए अपने बैग की चेन खोली, उसे अंदर एक सांप बैठा दिखाई दिया। सांप देखते ही मासूम घबरा गया और तुरंत बैग छोड़कर चीखते हुए क्लास से बाहर भागा, उसके पीछे-पीछे अन्य बच्चे भी भाग खड़े हुए।

मामले की जानकारी मिलते ही स्कूल के शिक्षक अभय यादव तुरंत क्लासरूम में पहुंचे। उन्होंने सूझबूझ दिखाते हुए सावधानी से बैग को उठाया और स्कूल परिसर से बाहर सड़क पर ले आए। जब बैग को खोला गया, तो उसमें से करीब डेढ़ फीट लंबी नागिन बाहर निकली।

शिक्षक अभय यादव ने बिना डरे नागिन का सुरक्षित रेस्क्यू किया और उसे एक प्लास्टिक के डिब्बे में बंद कर दिया। बाद में नागिन को सुरक्षित तरीके से पास के जंगल में छोड़ दिया गया, जिसके बाद बच्चों और स्कूल स्टाफ ने राहत की सांस ली।

जांच टीम ने सौंपी रिपोर्ट

मां बगलामुखी मंदिर के चढ़ावे में कोई गड़बड़ी नहीं

● सोना-चांदी और कैश को लेकर कलेक्टर का बड़ा फैसला ● शासकीय समिति को सौंपा जाएगा गोल्ड, कैश और चांदी

आगर मालवा (नप्र)। विश्व प्रसिद्ध मां बगलामुखी मंदिर में दान संग्रह को लेकर विवादों में रही अशासकीय समिति की जांच पूरी होने के बाद प्रशासन ने बड़ा निर्णय लिया है। कलेक्टर प्रीति यादव द्वारा गठित तीन सदस्यीय जांच दल ने अपनी रिपोर्ट में समिति के कार्यों में किसी प्रकार की आर्थिक अनियमितता या वित्तीय गड़बड़ी नहीं पाई है। हालांकि समिति का संचालन नियमों के अनुरूप नहीं होने के कारण उसे अब मंदिर परिसर में सक्रिय रहने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

कलेक्टर प्रीति यादव ने बताया कि जांच दल ने समिति के बैंक खातों, लॉकर और अभिलेखों की जांच के साथ समिति सदस्यों से भी चर्चा की। रिपोर्ट में वित्तीय अनियमितता सामने नहीं आई, लेकिन मंदिर परिसर में इस प्रकार की अशासकीय समिति का संचालन नियम विरुद्ध पाया गया। इसलिए समिति के पास जमा समस्त नकद राशि, 29 किलोग्राम चांदी और 105 ग्राम सोना मंदिर की शासकीय प्रबंध समिति को सौंपा जाएगा। यह राशि और आभूषण शासकीय खाते एवं लॉकर में सुरक्षित रखे जाएंगे।

दान व्यवस्था होगी पूरी तरह पारदर्शी- जांच रिपोर्ट के बाद

प्रशासन ने मंदिर में दान व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और सुरक्षित बनाने का निर्णय लिया है। मंदिर में आने वाले प्रत्येक दान की निगरानी की जाएगी तथा यह सुनिश्चित किया जाएगा कि श्रद्धालुओं द्वारा दिया गया दान केवल मंदिर विकास और मां की सेवा में ही उपयोग हो। मंदिर प्रबंधन से जुड़े अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि भविष्य में मंदिर के नाम पर किसी भी प्रकार की समानांतर व्यवस्था संचालित न होने पाए।

श्रद्धालुओं को किया जाएगा जागरूक- प्रशासन श्रद्धालुओं को भी जागरूक करेगा ताकि उनका दान गलत हाथों में न पहुंचे। मंदिर परिसर में प्रचार-प्रसार के माध्यम से बताया जाएगा कि दान केवल अधिकृत दान पात्र या मंदिर समिति कार्यालय में रसीद प्राप्त कर ही करें। मंदिर कर्मचारियों को भी सक्रिय भूमिका दी जाएगी, जो दान देने वाले श्रद्धालुओं को तत्काल रसीद उपलब्ध कराने और व्यवस्था की निगरानी करेंगे।

2024 में बनी थी समिति

जांच में सामने आया कि वर्ष 2024 में गठित इस अशासकीय समिति द्वारा मंदिर परिसर में रसीद काउंटर लगाकर नकद राशि, सोना और चांदी का संग्रह किया जा रहा था। समिति की रसीदों पर पंजीयन क्रमांक, बैंक खाते का विवरण और मोबाइल नंबर भी अंकित थे। इसी व्यवस्था को लेकर शिकायतें मिलने के बाद प्रशासन ने जांच कराई थी।

बेहतर करेंगे व्यवस्था

कलेक्टर प्रीति यादव ने कहा कि जिले में पदस्थापना के दौरान उन्हें मां बगलामुखी की सेवा का अवसर मिला है। प्रयास है कि मंदिर का विकास हो और यहां आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर एवं पारदर्शी व्यवस्था मिले। उन्होंने कहा कि जांच में वित्तीय गड़बड़ी नहीं मिली है, लेकिन भविष्य में दान व्यवस्था को पूरी तरह पारदर्शी और सुरक्षित बनाया जाएगा ताकि श्रद्धालुओं का विश्वास और मजबूत हो।